खुशी खुशी
कक्षा ४
भाग १

सबसे तेज़ जानवर कौन?

ज़मीन पर सबसे तेज़ जानवर है चीता, और सबसे धीमा है सुस्तपांव जो कि खड़ा तक नहीं हो पाता है और अपने आपको घसीटकर आगे बढ़ता है। यहां पर सभी जानवरों की गति किलोमीटर प्रति घंटा के हिसाब से दी गई है। जैसे अगर कहीं ४५ लिखा हुआ है तो इसका मतलब ये है कि अगर वो जानवर उसी गति से चले तो १ घंटे में वो ४५ किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है।

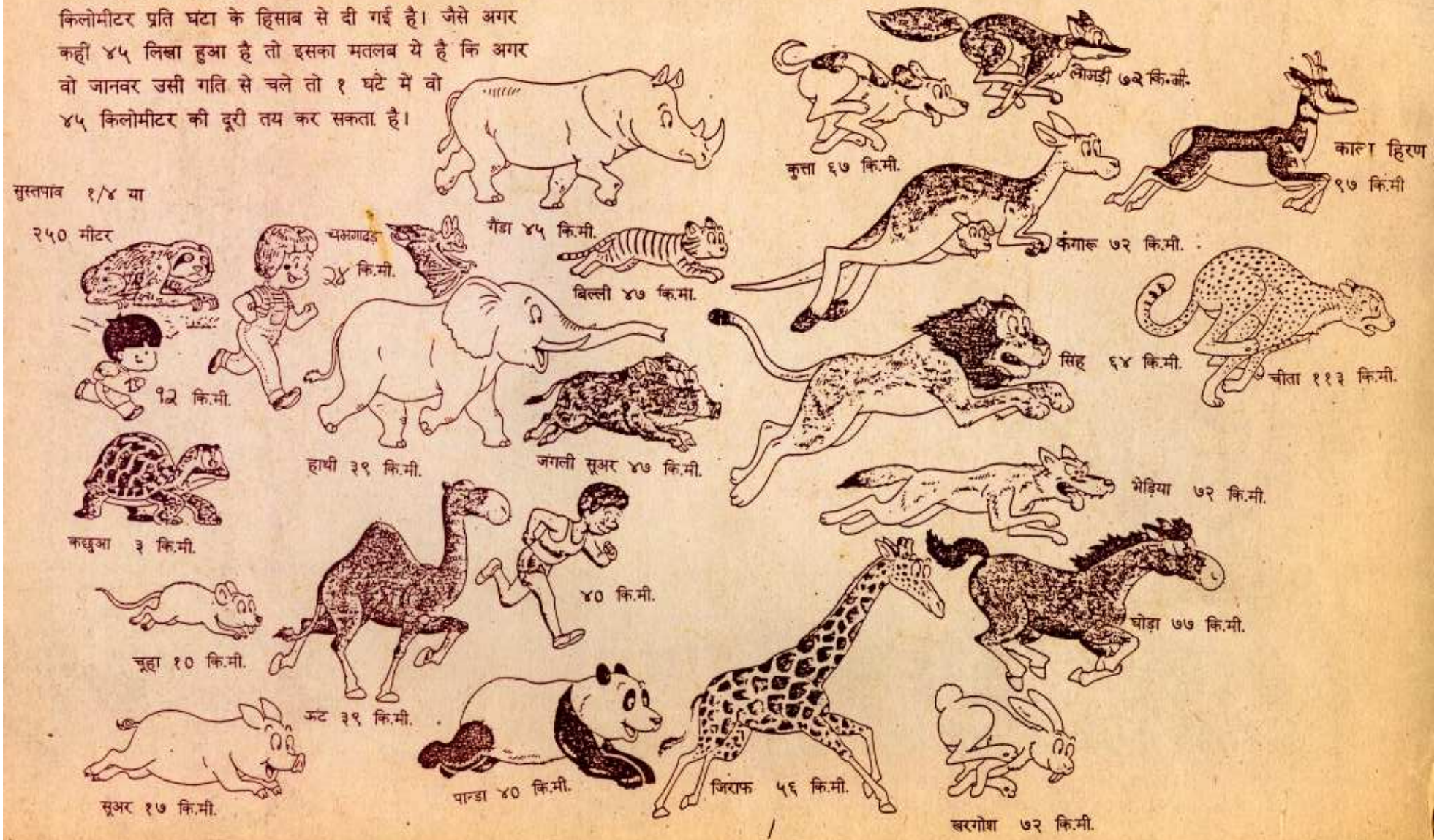

राजकमल आफसेट प्रिन्टर्स, भोपाल से मुद्रित

इस पिटारे में

किताब को देखकर नीचे की सूची में नाम या नंबर लिखो। जैसे की शुरू के कुछ भरे हैं।

नाम — किस पन्ने से शुरू होता है।

१. इसमें क्या शक है १
२. हरकत-बरकत ३
३. जादू के सीकें ५
४. .....
५ .....
६. .....
७. .....
८. .....
९. .....
१०. .....
११. .....
१२.शब्द वाक्य खेल १६
१३. .....
१४. .....
१५. .....
१६. .....
१७. .....
१८. .....
१९. .....
२०.जमीन से ऊपर बने हुए घर २८
२१. .....
२२. .....
२३. .....
२४. .....
२५. .....
२६.दर्पण खेल ३८
२७. .....
२८. .....
२९. .....
३०. .....
३१. प्रयोग बत्तीसी ४९
३२. चाचाजी हमारे ५१
३३. .....
३४. .....
३५. .....
३६. .....
३७. .....
३८. .....
३९. .....
४०. .....
४१. .....
४२. .....
४३.नाप ६६
४४. .....
४५. .....
४६. .....
४७. .....
४८. .....
४९. आंधी ७८
५०. .....
५१. .....
५२. .....
५३. .....
५४. .....
५५. शिकारी पौधा ८९
५६. .....
५७. .....
५८. .....
५९. .....
६०. .....
६१. शब्दों का खजाना ९६

मध्य प्रदेश शासन के आदेश क्रमांक 46-2/89-3/20 दिनांक 29 जून 1989 के तहत चयनित शालाओं के लिए एकलव्य द्वारा तैयार यह शैक्षिक सामग्री, पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित एवं राजकमल प्रिंटर्स, भोपाल द्वारा मुद्रित। इस सामग्री को तैयार करने में बहुत से स्रोतों से मदद ली गई है।

इसमें क्या शक है?

पक्षी पालने वाले एक बहेलिये को एक बहुत ही सुदंर तोते का बच्चा मिला । सब लोग अपने तोतो को राम राम बोलना सिखाते हैं । लेकिन यह तोता बहुत दिनों तक कुछ भी बोलना न सीख पाया । फिर अचानक वह एक बात बोलना सीख गया. जब भी उस तोते से कोई बात करता तो वह कहता - इसमें क्या शक है?

बहेलिया अपने तोते को लेकर राजा के पास गया। बोला - महाराज, यह तोता अनोखा है। बिल्कुल आदमी की तरह बात करता है।

राजा ने तोते से पूछा -क्या तुम सचमुच आदमी की तरह बात करते हो?

तोता बोला - इसमें क्या शक है?

राजा खुश हो गया बहेलिये को खूब सारे पैसे देकर राजा ने तोता खरीद लिया।

बाद में राजा ने देखा कि तोता तो हर बात के जवाब में यही कहता है- इसमें क्या शक है। राजा को बहुत गुस्सा आया। वह तोते से बोला -

तुम क्या बस यही बोलना जानते हो- इसमें क्या शक है? इसमें क्या शक है ?

तोता बोला - इसमें क्या शक है? राजा खीझकर बोला- अरे मैं क्या बेवकूफ हूं जो इतने सारे पैसे देकर तुझे खरीदा? तोता बोला - इसमें क्या शक है ?

तुम्हें ये कहानी कैसी लगी? अच्छी लगी तो क्यों? अच्छी नहीं लगी तो क्यों ?

मान लो इस तोते ने इसमें क्या शक है ये नही सीखा होता इसकी जगह सीखा होता और नहीं तो क्या ऐसा होने पर जब बहेलिया तोते को राजा के पास ले जाता तब क्या होता?

- कहानी आगे बढाओ।

- वाक्य निकालो

नीचे के पैराग्राफ में एक वाक्य घुस गया है।
उसे ढूंढकर अलग करो और पैराग्राफ पट्टी पर लिखो।

वैसे तोते बोल नही सकते। जो भी लाइन उन्हें सिखा दी जाए वे उसे ही बार-बार दोहराते हैं। बछेड़े खूब रंभाते हैं। उनको कुछ भी कहने पर तोते अपनी वही बात फिर से कहते हैं।

इस कहानी में चार अक्षर वाले पांच-छह शब्द हैं। जैसे-सचमुच,बहेलिया उन्हें ढूंढकर कापी में लिखो ।

हरकत - बरकत

१- एक गिलास में ऊपर तक पानी भर दो। जब उसमें ज़रा भी और पानी नहीं आ सकता हो तो उसमें किनारे से धीरे-धीरे एक सिक्का डालो । मेरा दावा है सिक्का पानी में डूब जायेगा और पानी छलकेगा नहीं। मेरा यह भी दावा है कि भरे गिलास में कम से कम दस सिक्के डाले जा सकते हैं। कर के देखो, क्या हुआ ?

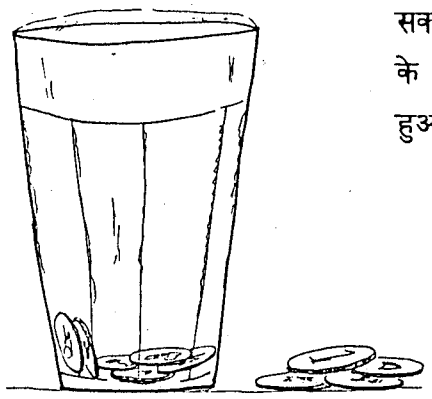

२- एक दरवाजे की चौखट में खड़े हो जाओ। अब जैसा चित्र में दिया है उस तरह से हाथ चौखट में सटा लो। दोनों हाथों से चौखट को जोर से बाहर की ओर ढकेलो। ढकेलते हुए धीरे-धीरे तीस तक गिनती गिनो।

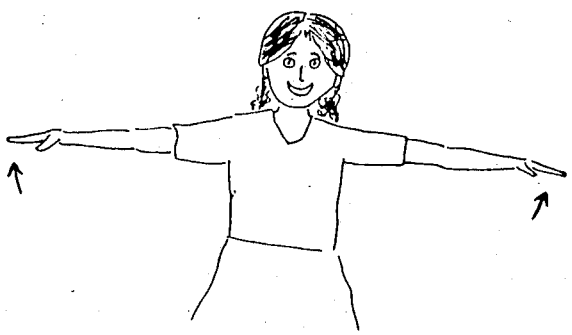

इसके बाद चौखट से हटकर हाथों को खुला छोड़ दो। तुम्हें लगेगा कि तुम्हारे हाथ अपने आप हवा में उड़ रहें हैं। आया न मज़ा ?

अपना निशान

क्या तुम ऐसा निशान बना सकते हो? कैसे बनाओगे नीचे बनाओ।

अगर कागज पर नही बना पा रहे हो तो गीली मिट्टी में बनाकर देखो।

तुमने जो निशान बनाया है क्या वो हूबहू यहां वाले निशान जैसा ही है? एकदम एक जैसा है या कुछ अलग है? ध्यान से देखकर पता करो ।

- *साथियों के निशान भी बारीकी से देखो। क्या वो तुम्हारे निशान जैसे ही हैं?*

नीचे अंगुली के निशान से कुछ चित्र बने हैं। तुम भी वैसे बनाकर देखो।

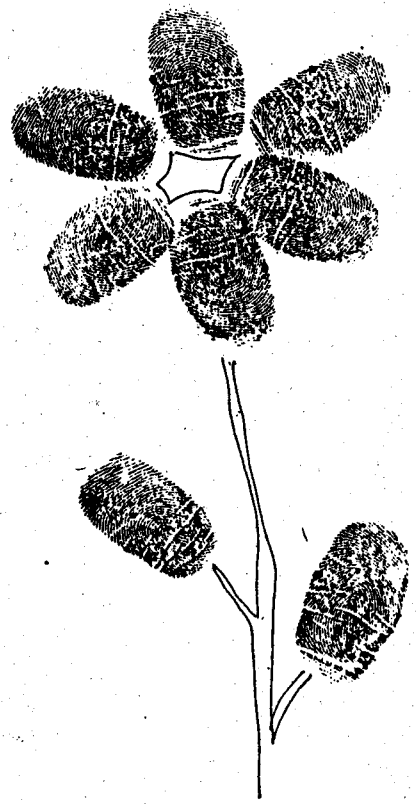

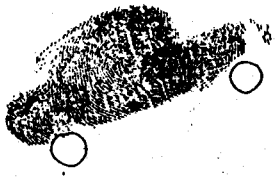

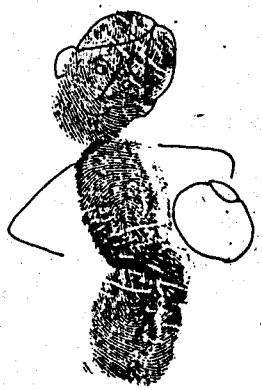

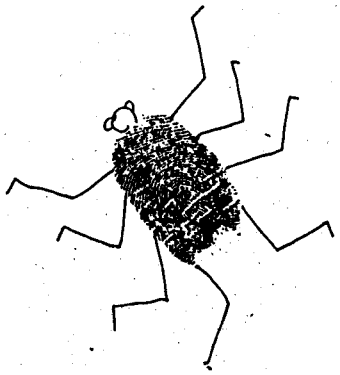

इन चित्रों के अलावा और भी ऐसे चित्र बनाओ।

जादू की सीकें

छज्जू के पास कुछ सीकें थी। जिन्हें उसके सारे दोस्त जादू की सीकें कहते थे। छज्जू से जब कोई पूछता ५ x ७ कितना होगा? तब छज्जू फटाफट सीकें जमाता और बता देता - ३५ होगा। ऐसे ही कितने सारे सवाल वह हल कर देता। उसके साथी उसे गुणा वाला जादूगर मानते थे। लेकिन उसकी दोस्त शीला उसे चालाक कहती थी। हर बार पता करने की कोशिश करती कि छज्जू गुणा के लिये करता क्या है।

आखिर एक दिन शीला ने उसे गुणा करते देख ही लिया। बस फिर क्या था, शीला ने छज्जू की जादूगरी सबके सामने खोल के रख दी।

अब तुम भी जादू की सीकें बना सकते हो।

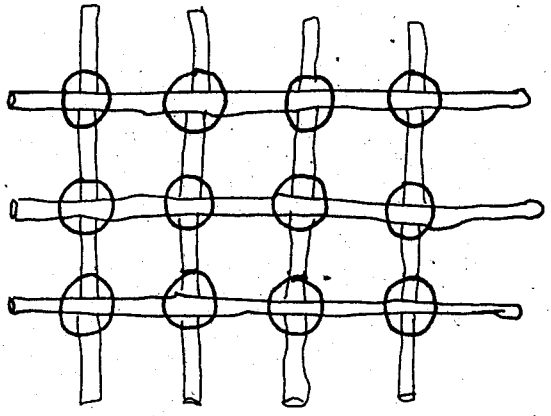

जितने में जितने का गुणा करना हो उतनी-उतनी सीकें ले लो। जैसे - ४ गुणा ३ करना है, तो पहले ४ सीकें एक-एक अंगुल की दूरी पर जमा लो। अब ३ सीकें उनपर एक-एक अंगुल की दूरी पर आड़ी जमा लो। जैसे चित्र में दिखाया गया है। अब बीच में जहां-जहां आड़ी खड़ी सीकों के जोड़ हैं उन्हें गिन लो, जितना आया, वही तुम्हारा उत्तर है ।

बस यही काम छज्जू सबसे छुपकर करता था । और सब उसे जादूगर मानते थे । आखिर शीला ने उसकी जादूगरी ढूंढ़ निकाली ।

अब तुम भी सीकों से गुणा करके नीचे लिखे सवालों के उत्तर लिखो ।

४ x ५= ७ x ३= ६ x ६= ९ x ४= ३ x ६= ५ x ७= ४ x ८=

७ x ६= ७ x ७= ८ x ५= ४ x ४= ६ x ९= ३ x ३ ९ x ९=

यात्रा

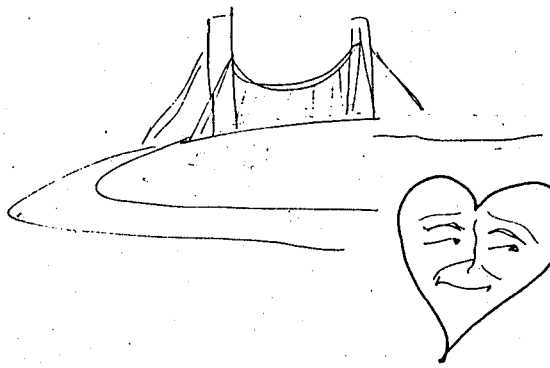

एक पान का पत्ता
जा पहुंचा कलकत्ता
पकड़े अपना मत्था
मिला वहां पर कत्था

आगे मिली सुपारी
सबने की तैयारी
पहुंचे फिर सब पूना
लगा वहां पर चूना

(सूर्यकुमार पांडेय)

1. पान का पत्ता कलकत्ता कैसे पहुंचा होगा?

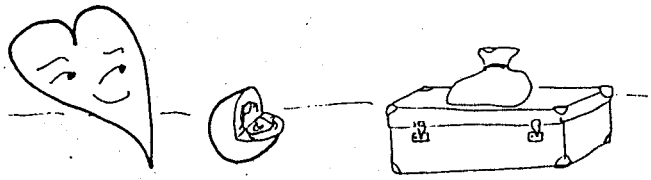

पूना पहुंचने के लिए सबने क्या तैयारी की होगी?

2. नीचे की कविता को आगे बढ़ाओ-

एक घोड़े का नाल
जा पहुंची नेपाल

3. (क) कलकत्ता में पान के पत्ते को मिली टुलटुल। उसने कहा -
नोमोश्कार! तूमार नाम की? आमार नाम टुलटुल बीस्वास

(ख) पूना में एक मराठी बस कंडकटर ने पान के पत्ते से पूछा -
तुझा काय नाव आहे? माझा नाम गणपतराव आहे। मी पुणे मदे राहतो।

(ग) कई दिनों बाद पान का पत्ता मद्रास भी गया। मद्रास में एक तमिल चाय वाले ने उससे कहा -
नमस्कारम्! उन्न पेर एन्न? नी इंगे एन्द वरै? एन पेर शंकर। ना मद्रास लै इरकेन।

(घ) अगर वो पान का पत्ता भोपाल आयेगा तो . . .

कक्षा के पुस्तकालय से कुछ किताबें पढ़ने के बाद ये वाला पन्ना करो ।

किताबें !

आज मैंने पुस्तकालय से एक किताब पढ़ी।
किताब का नाम था ..... ।

मैंने अब तक ..... किताबें पढ़ी हैं, यह मेरी ..... वीं किताब थी

- ये किताब कितने पन्नों की थी? क्या तुम उसे पूरा पढ़ पाए ?

- यह किताब तुम्हें कैसी लगी? क्यों ?

- क्या इस पुस्तक में चित्र थे? कितने चित्र थे?

- किस-किस चीज के चित्र थे? कैसे लगे? सबसे अच्छा चित्र कौन सा लगा?

- क्या इस किताब में कुछ ऐसा था जो तुमको समझ नही आया हो ?

इसी तरह से और किताबों को पढ़कर उनके बारे में भी लिखो । जब भी तुम कोई किताब पढ़ो तो उसके बारे में अपनी कॉपी में लिखना ।

सही क्रम में जमाओ

नीचे पान बनाने और दाल बनाने के तरीके मिले-जुले ढंग से लिखे हुए हैं। उन्हें अलग करो और सही क्रम में जमाओ।

पान बनाना | दाल बनाना

पान मोड़कर बांधना (बीड़ा बनाना)

दाल बीनना

सुपारी डालना

कत्था लगाना

दाल बीनना

पान धोना साफ करना

बघार देना

दाल धोना

चूना लगाना

दाल चूल्हे पर गलाना

पान को कैंची से काटना

इसी तरह एक दूसरे को उल्टे सीधे क्रम देकर देखो। ये खेल बहुत सारे कामों के साथ हो सकता है। जैसे मिट्टी के खिलौने बनाना, रोटी बनाना, साइकिल का पंचर सुधारना, सब्जी बनाना, पतंग बनाना वगैरह।

• हर काम के अलग-अलग हिस्से पर्चों पर लिखो, फिर उनके क्रम को आगे पीछे कर दो। अब ये पर्चों दूसरी टोली वालों को दो। देखो की दूसरी टोली वाले सही क्रम में रख पाते हैं या नहीं।

क्या तुम मेरी अम्मा हो?

एक बार एक चूजा जब अपने अंडे से निकला तो उसकी मां वहां पर नहीं थी। उसे अपनी मां कहीं दिखी ही नहीं।

चूजा उठ कर चला अपनी मां को ढूंढने। पहले पहले तो उसके कदम लड़खड़ा रहे थे, पर धीरे-धीरे संभल गये।

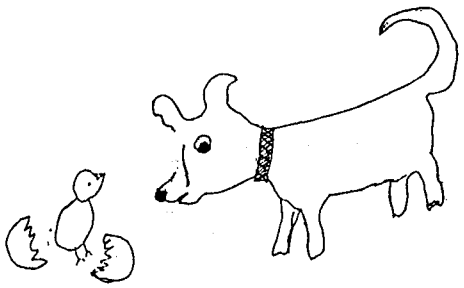

कुछ दूर पर जा कर चूजे को मिला एक कुत्ता। कुत्ते को देखकर चूजे ने कहा- क्या तुम मेरी अम्मा हो? कुत्ते ने कहा - नहीं, मेरे तो चार पैर हैं। तुम्हारी अम्मा के तो सिर्फ दो ही पैर हैं।

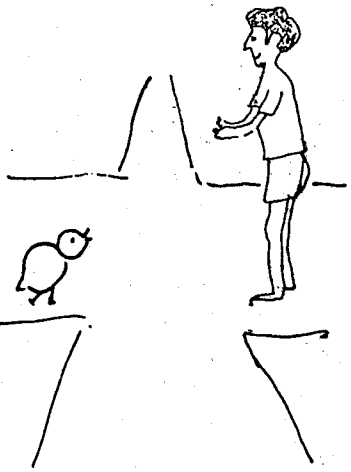

चूजा आगे बढ़ा। एक मोड़ पर जा कर उसे एक लड़का मिला। चूजे ने कहा - तुम्हारे तो दो ही पैर हैं। ज़रूर तुम ही मेरी अम्मा हो।

लड़के ने कहा - नहीं नहीं, मेरे तो पंख ही नही हैं। तुम्हारी अम्मा के तो दो पंख हैं।

चूजा आगे बढ़ा। एक पेड़ के पास उसे मिला एक काला कबूतर। चूजे ने कहा - अहा, तुम्हारे तो दो पैर और दो पंख हैं। ज़रूर तुम ही मेरी अम्मा हो।

पर काले कबूतर ने कहा- मेरी तो स्लेटी रंग की चोंच है। और तुम्हारी मां की तो पीली भूरी चोंच है।

चूजा आगे बढ़ा। एक रायमुनैया की झाड़ी के पास उसे एक मैना मिली। चूजे ने कहा- तुम ही हो मेरी अम्मा। तुम्हारी पीली भूरी चोंच है, दो पंख हैं, दो पैर हैं। ज़रूर तुम ही हो मेरी अम्मा।

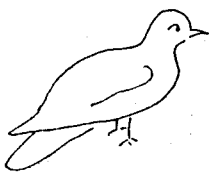

पर मैना ने कहा - नहीं नहीं, मैं तो मैना हूं। तुम्हारी अम्मा तो मुझसे काफी बड़ी है।

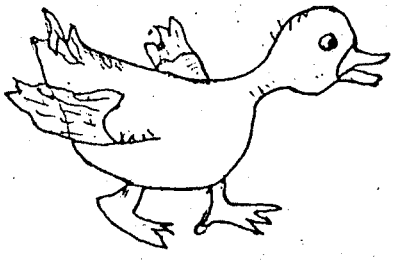

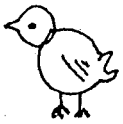

चूजा फिर से आगे बढ़ा। एक पानी के डबरे में उसे दिखी बत्तख। चूजा बहुत खुश हुआ। चिल्लाया - मिल गई। तुम ही हो मेरी अम्मा। मैना से बड़ी हो,पीलीभूरी सी चोंच है तुम्हारी, दो पंख हैं दो पैर हैं।

पर बत्तख ने कहा - क्वैक क्वैक, नहीं नहीं, मैं तो बत्तख हूं। मैं कहती हूं क्वैक क्वैक, और तुम्हारी मां तो कौं-कौं-कौं कहती है।

बेचारा चूजा बहुत निराश हुआ । उसकी आंखों में आंसू निकलने लगे। तभ आवाज़ सुनाई दी - कौं-कौं-कौं ।

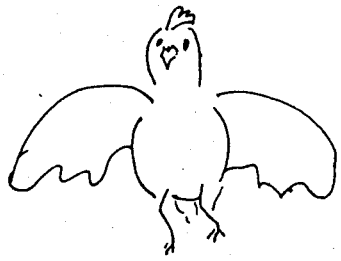

चूजे ने देखा कि जो कौं..कौं..कौं की आवाज़ निकाल रही थी, वो मैना से बड़ी थी, पीली भूरी चोंच थी, दो पंख थे, दो पैर थे।

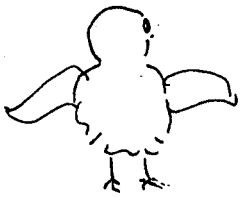

वो दौड़ा-दौड़ा उसके पास गया और बोला - तुम ही मेरी अम्मा हो ना।

मुर्गी ने उसे अपने पंखों में समेटते हुए कहा - हां, मैं ही तुम्हारी अम्मा हूं।

नीचे यही कहानी दी हुई है। उसे देखो

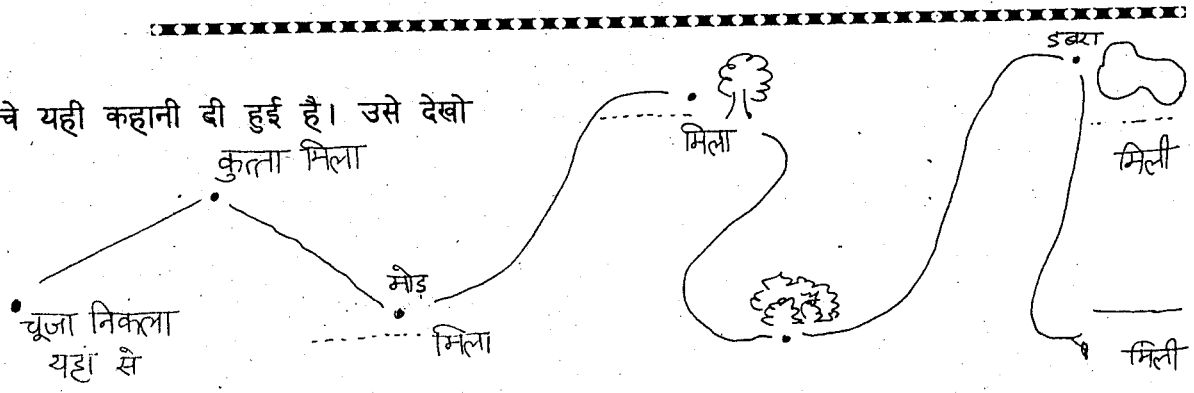

• क्या तुम भी ऐसी कहानी बना सकते हो? *नीचे के नक़शे की मदद से बगुले की कहानी आगे बढ़ाओ ।*

एक बार एक बगुले का बच्चा जब अपने अंडे से निकला
तब उसकी मां वहां पर नहीं थी। छोटा बगुला अपनी मां को ढूंढने निकला।
कुछ दूर पर उसे मिली एक बिल्ली -

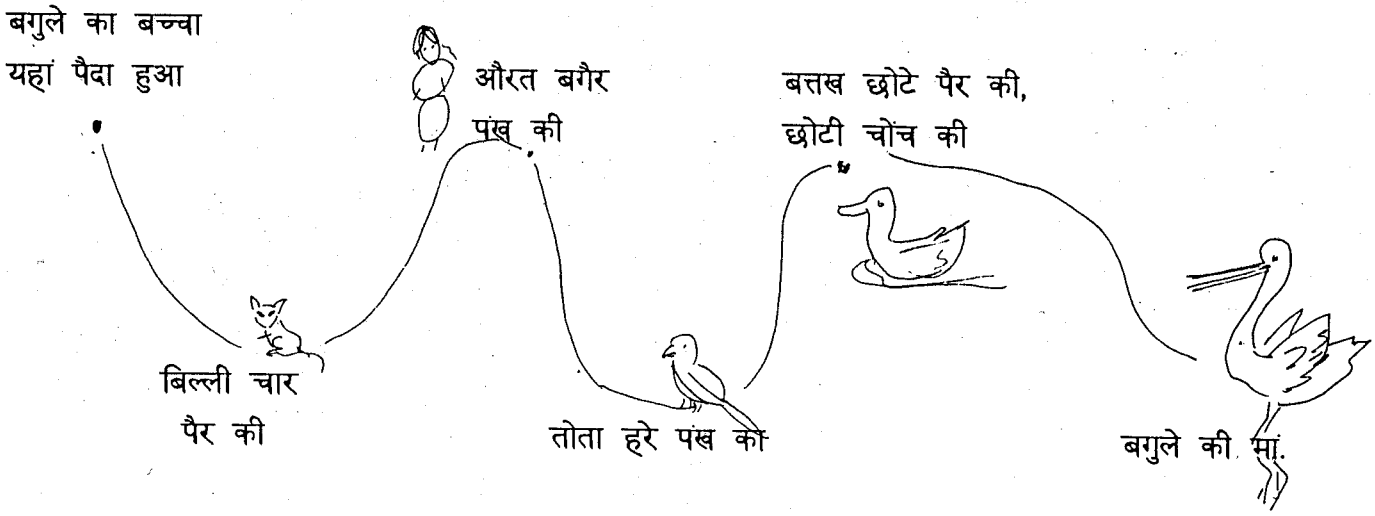

• देखो मैंने कछुए के बारे में
कुछ चीजें लिखीं हैं -

कछुआ
पानी में रहता
चार पैर का
कड़ी पीठ का
धीरे धीरे चलता

अब मैं कछुए के बारे में एक पैराग्राफ लिखता हूं -

कछुआ पानी में रहता है। उसके चार पैर होते हैं।
वह धीरे-धीरे चलता है। उसकी कड़ी पीठ होती है।

• नीचे छिपकली के बारे में कुछ चीजें लिखी हैं -

पीले रंग की
दीवार पर चलती
कड़ी पूंछ हिलती
. . . . . .
. . . . . .

अब तुम्हारी बारी है, छिपकली के बारे में पैराग्राफ लिखो -

- - - -

निशानेबाज मछली

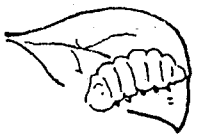

क्या तुम्हें पता है –

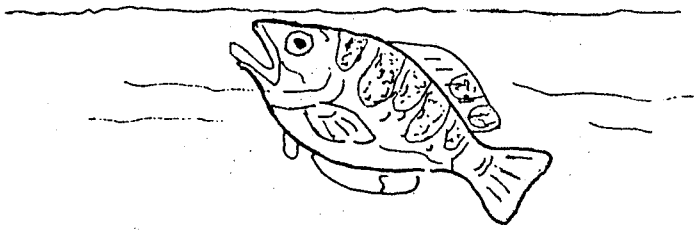

एक ऐसी मछली होती है जो निशाना लगाकर कीड़ों को पकड़ती है? इस मछली को **आर्चर फिश** यानी तीर चलाने वाली मछली के नाम से जाना जाता है। पर यह तीर से नहीं पानी से निशाना लगाती है।

देखो यहां आर्चर फिश को तैरते-तैरते पानी के ऊपर की पत्ती पे एक इल्ली दिखी।

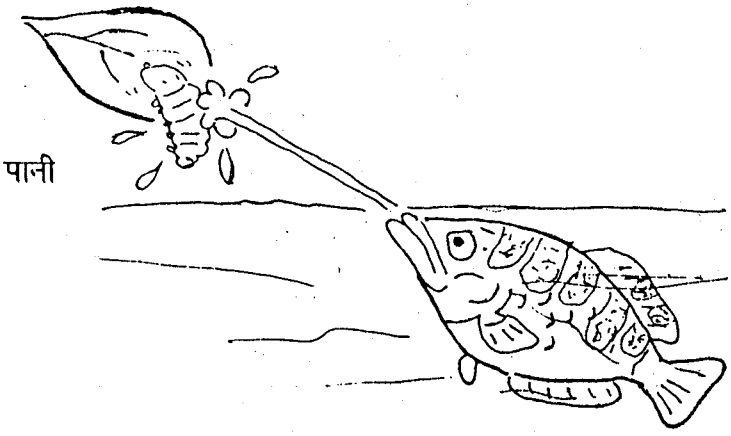

उसने झट पानी की एक पिचकारी मारी और इल्ली पानी में जा गिरी।

और मछली उसे गप कर गई।

इस मछली के ऊपरी जबड़े में एक लंबा गड्ढ़ा सा रहता है। इसके नीचे अपनी जीभ लगाकर वो उसे एक छोटे पाइप की तरह बनाती है। फिर वह जब ज़ोर से अपना मुंह दबाती है तो पानी का तीर सा निकलता है।

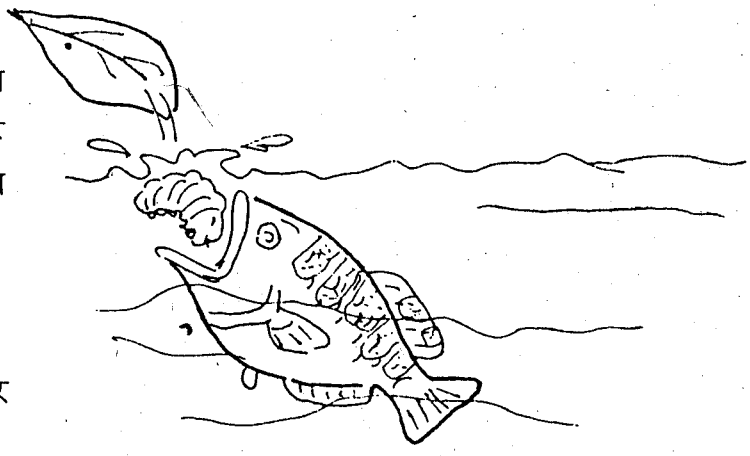

आर्चर फिश का निशाना बहुत सधा हुआ होता है और बहुत ही कम चूकता है।

खुद के लिये

क्या तुम अपने लिये ढोल बाजे बनाना चाहोगे? इसके लिये तुम्हें जुटाने होंगे खाली डिब्बे, रबर बैंड, बांस के टुकड़े।

जूते का डिब्बा लो। या कोई लंबा बड़ा खाली डिब्बा ले लो। उस पर एक बड़ा सा गोला काटो, ऐसे -

फिर डिब्बे पर मोटे-पतले रबर बैंड लगाओ। और ये हो गया तुम्हारा बाजा तैयार। अब इसे बजा के तो बताओ भला।

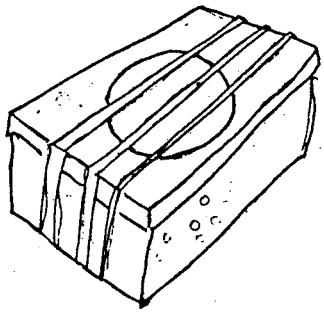

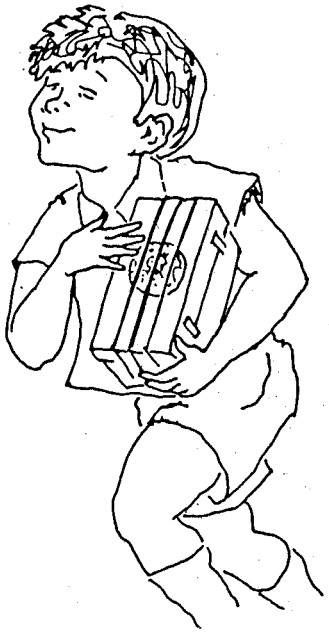

एक और बाजा

टीन के दो खाली डिब्बे लो, और बांस के लंबे पतले टुकड़े लो।

डिब्बों में ऊपर और नीचे दो छेद बनाओ, बांस की मोटाई जितने। अब डिब्बे में १०-१२ कंकड़ भरो।

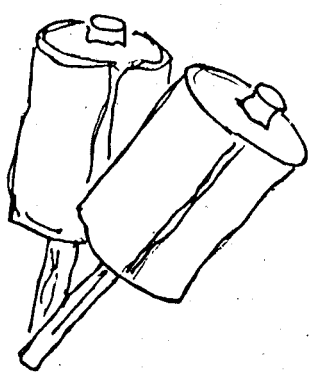

बांस के टुकड़ों को नीचे के छेद से डालो और ऊपर के छेद से निकालो। नीचे से बांस का काफी हिस्सा निकला होना चाहिये। इस हिस्से के हाथ में पकड़ कर हिलाओ। ये हो गया तुम्हारा दूसरा बाजा तैयार।

आंख-नाक-कान-जीभ खेल

मां ने टिल्लू और मुन्नी से पूछा - हो आए बाजार?
दोनों ने कहा - हओ।
मां - मुन्नी तेरी आंख और नाक को क्या हो गया?
टिल्लू - मां, मां, बाजार में मुन्नी की हालत खराब हो गई।
मां ने घबराकर पूछा - अरे , क्या हो गया था इसे?
मुन्नी - बहुत छीकें आई। इतना छींकी कि नाक बहने लगी।
मां - अरे सर्दी तो नहीं हो रही है तुझे।
मुन्नी - नहीं मां, मैंने मिर्च सूघं ली थी ना, इसलिए।
मां - मिर्च? तूने मिर्च क्यों सूंघी?
टिल्लू - खेल चल रहा था मां, कौन कितनी ज्यादा चीजों की सुगंध पहचान सकता है। मुन्नी तो घनिया, मूली, साबून और फिर लाल मिर्ची के बाद ही रूक गई।
मुन्नी - तो क्या हुआ। खट्टी चीजें पहचानने वाले खेल में तो मैंने बहुत ज्यादा पहचाने। तुम्हें तो पता भी नहीं था कि वो दुकानदार सूखा आंवला तौल रहा था।
टिल्लू - पर मैंने तो तुमसे ज्यादा मीठी चीजें पहचानी।
मुन्नी - मैंने ज्यादा, मैंने ज्यादा!
टिल्लू - मैंने ज्यादा, मैंने ज्यादा!
मां ने दोनों को रोका - अरे झगड़ो मत। ऐसा करो, तुम दोनों अपनी-अपनी सूचियां बना लो, फिर तुलना करो।

पता नहीं क्यों टिल्लू मुन्नी ने मां की बात झट से मान ली। और अपनी अपनी सूचियां बनाने लग गये। उनकी तरह तुम भी नीचे के खानों में अपनी अपनी बाजार वाली सूचियां बनाओ और कापी में आगे बढ़ाओ।

बाजार में - *सूचियां बनाओ*

क्या-क्या देखा	क्या-क्या सूंघा	क्या-क्या सुनाई दिया	मीठी चीजों की	खट्टी चीजों की

मेले में - इसी तरह की सूचियां मेले के बारे में अपनी कॉपी में बनाओ।

शब्द-वाक्य खेल

खेल खेलने के लिये कुछ सामग्री चाहिये। कागज की एक पतली पट्टी के सिरे को काटकर नोंक बना लो । जैसा चित्र में दिखाया गया है।

इस पट्टी को आलपिन में 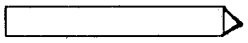 डाल दो । आलपिन को गोले (चक्र) के बीच में गाड़ दो । पट्टी (तीर) को अंगुली से घुमाओ। जहां भी पट्टी (तीर) का सिरा रूके वही तुम्हारा अंक या शब्द आया माना जाएगा। यह एक तरह का पासा है ।

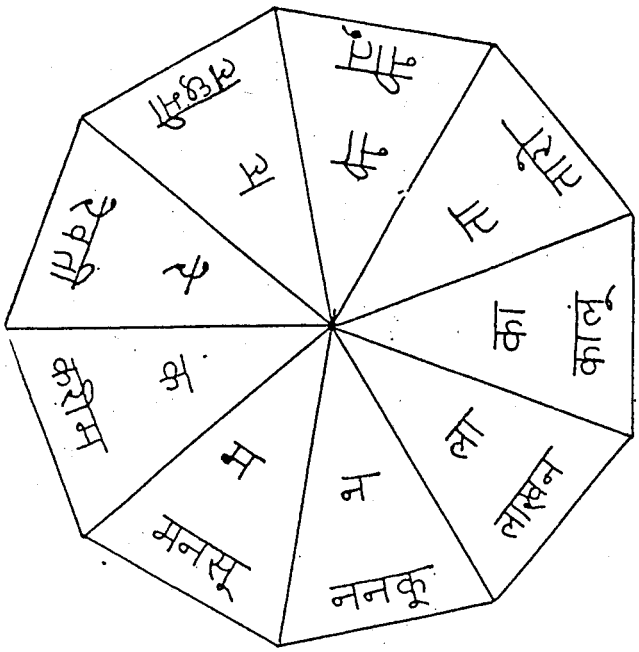

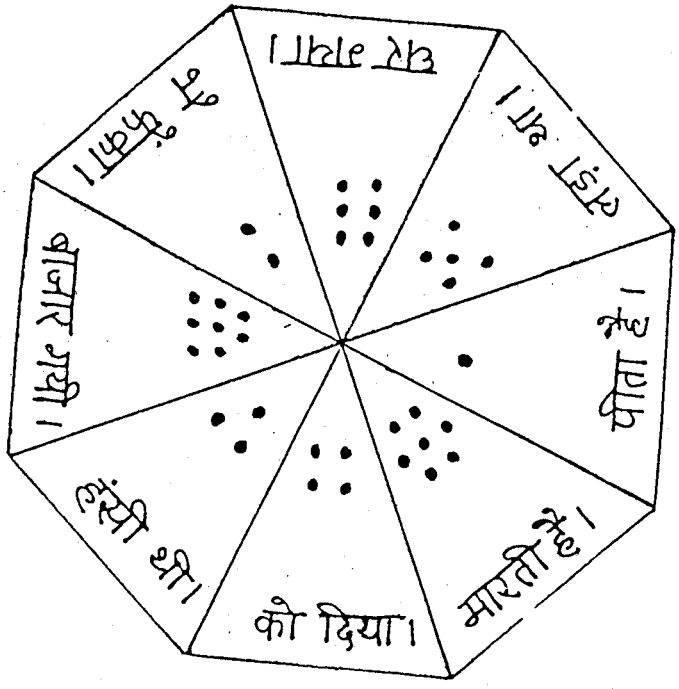

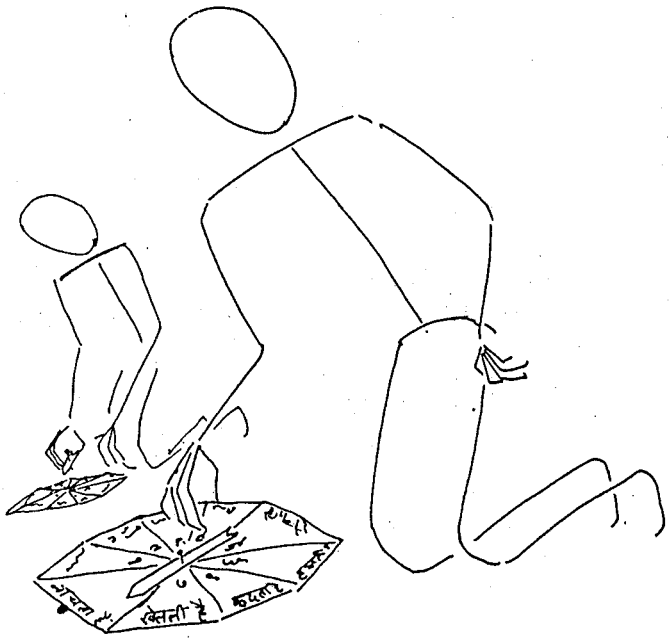

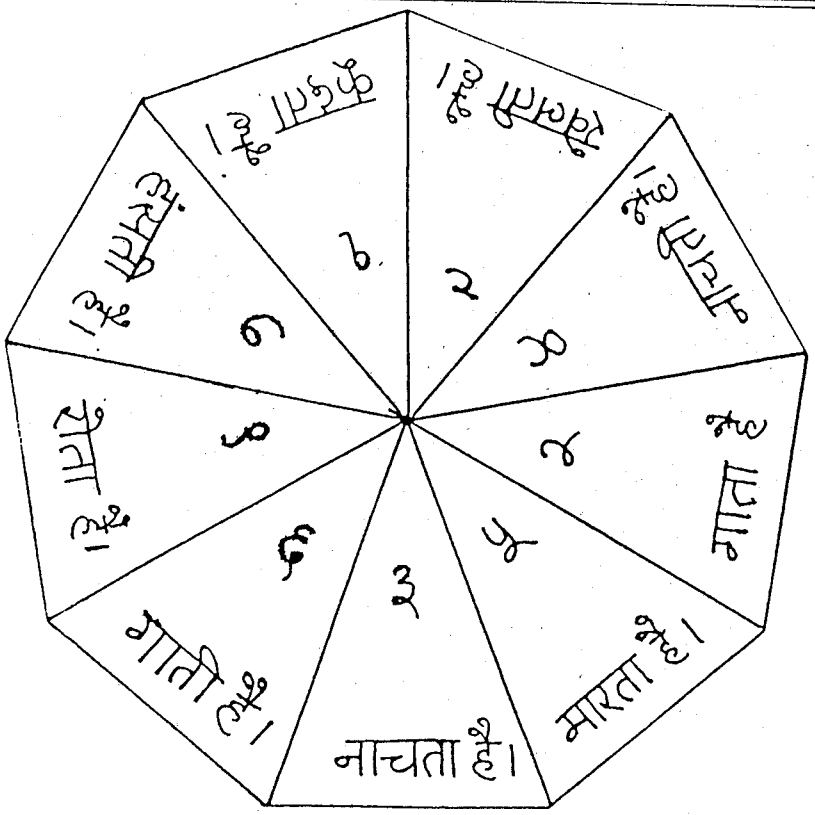

दोनों पृष्ठ पर बने शब्द चक्रों में नोक वाली पट्टी समेत आलपिन या कांटा गाड़ लो । अब बारी-बारी दोनों पट्टी (तीर) घुमाओ । जहां पट्टी रूके उन शब्दों को पढ़ो। इन शब्दों को जोड़कर एक वाक्य बनाने की कोशिश करो। क्या सही वाक्य बन पाया ? वाक्य को पट्टी पर लिखो।अगर पहले शब्द चक्र पर लछमी आए और दूसरे पर गाती है। तो वाक्य बनेगा। लछमी गाती है ।

इन दो पृष्ठों पर चक्र बने हैं। इनसे तुम खेल बनाकर खेल सकते हो ।
जैसे -

१- **अक्षर चक्र से** जो अक्षर आए उसी से शब्द बनाना ।

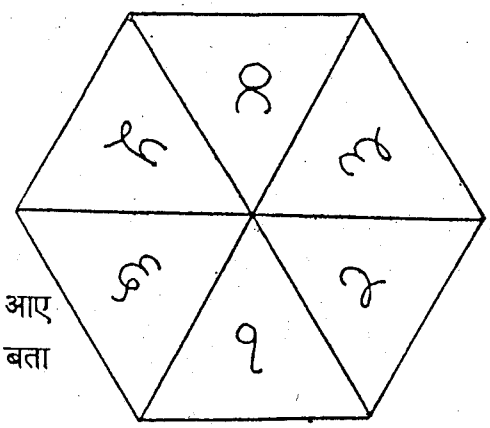

२- **अंक चक्र से** जो अंक आए उतने ही कंकड़, बीच में रखी कंकड़ वाली ढेरी से उठाना।

३- **दोनों अंक चक्रों** का एक साथ उपयोग। दोनों में जितनी संख्या आए उन्हें जोड़ो । उत्तर सही बताने पर दो कंकड़ ढेरी से लेना । न बता पाने पर एक कंकड़ वापस रखना ।

४- दोनों अंक चक्रों में आए अंकों में बड़ी संख्या कौन सी है। बड़ी संख्या में से छोटी संख्या घटाना ।

५- कोई भी शब्द चक्र में जो शब्द ऊपर आये उससे वाक्य बनाओ।

तनजीर

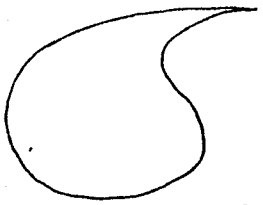

इसे कहते हैं तनजीर। ये एक तरफ से नुकीला होता है और दूसरी तरफ से गोल।

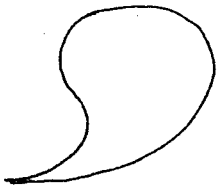

कुछ तनजीर मोटे होते हैं। कुछ पतले होते हैं। कुछ लम्बे होते हैं।

यहां मैंने तनजीरों से चित्र बनाए हैं। तुम्हें हर चित्र में जो भी तनजीर दिखे उन्हें गाढ़ा करना है। फिर देखो कि तुम भी तनजीरों से चित्र बना सकते हो या नही।

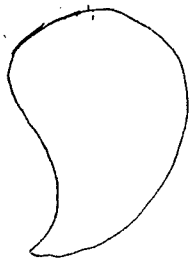

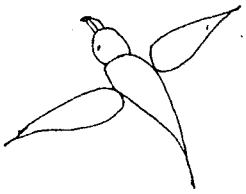

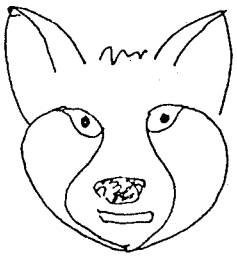

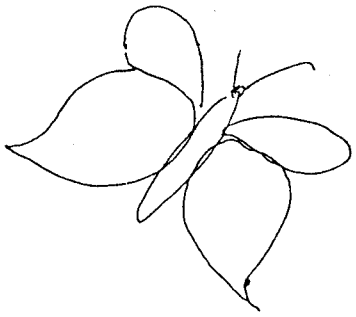

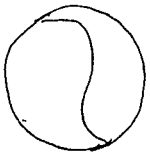

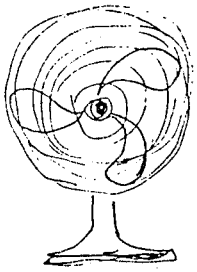

दो तनजीरों को मिलाकर ऐसी आकृति बनती है।

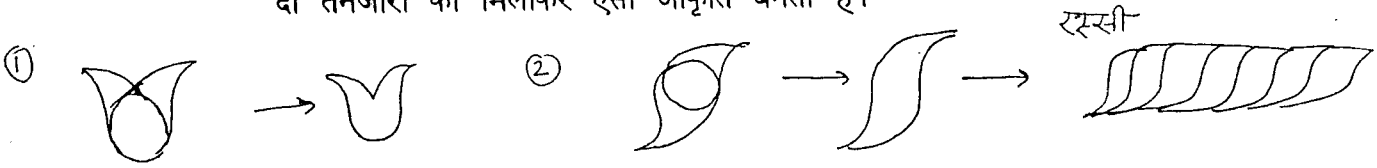

तीन और चार तनजीरों को भी मिलाया जा सकता है।
ऐसे और तनजीर मिलाकर चित्र बनाओ।

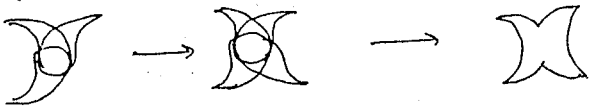

मैंने कुछ आकृतियां बनाई है उन्हें देखकर सोचो क्या नाम हो सकता है। और प्रत्येक आकृति के नीचे उसका नाम लिखो।

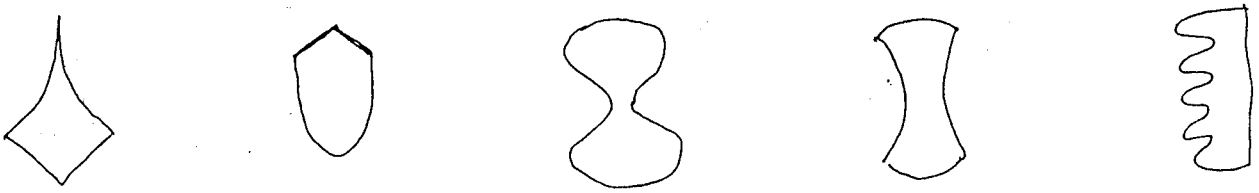

मेरी एक छोटी सी छाया
बिल्कुल मेरे जैसी काया
ऐड़ी से चोटी तक ऐसी
दिखती बिल्कुल मेरे जैसी

कभी लम्बी कभी ठिगनी छाया
साथ सदा है उसको पाया
पानी उसको डुबा न पाता
कोई उसको मिटा न पाता

आग भी उसको जला न पाती
कुछ भी कर लो हाथ न आती
हुआ अंधेरा तो छुप जाती
हुआ उजाला तो दिख जाती

- *करो देखो और उत्तर कॉपी में लिखो।*

- सबसे लम्बी छाया कब होती है?

- क्या रात को भी छाया देखी जा सकती है? कैसे?

- तुम्हारी सबसे बड़ी छाया तुमसे कितने गुना बड़ी होती है?

- सबसे छोटी छाया कब होती है?

• **क्या तुम अंगूठा, अंगुली, हाथ की छाया से खरगोश की आकृति उभार सकते हो?**

हाथों की छाया से खरगोश ही नही बिल्ली, बंदर, चूहा भी बना सकते हो। ऐसा करने के लिये मोमबत्ती या दर्पण से रोशनी करो। अच्छा होगा कि जिस कमरे में ये प्रयोग हो वहां बाहर का उजाला कम आए।

अब हाथ को रोशनी व उस दीवार के बीच रखो जिस पर छाया पड़ रही है। अब हाथ अंगूठा अंगूली पैर की छाया से अलग-अलग तरह की आकृतियां बनाने की कोशिश करो व उनके चित्र कॉपी पर बनाओ।

मोमबत्ती को आगे-पीछे सरकाकर देखो क्या हुआ?

क्रम में संख्याएं

७, ८, ९, १०, ११.... बढ़ते क्रम में ली गई संख्याऐं हैं । ७ से ८ बड़ी संख्या है । ८ से ९ और ९ से १०, कितनी बड़ी है ?

क्रम में ली संख्याओं से कुछ खेल -

• क्रम में दो ऐसी संख्याएं है जिनका जोड़ १७ है । ये दोनों साथ साथ आती हैं ।
यह संख्याएं कौन सी हैं ?

• दो ऐसी क्रम में आई संख्याओं का जोड़ ४५ है ।
ये दो संख्याएं कौन सी हैं ?

ऐसी और संख्याएं सोचो और दोस्तों के साथ हल करो ।
मेरा दावा है कि तुम तीन ऐसी संख्याएं नही ढूढ़ सकते जो क्रम में भी हों और जिनका जोड़ २५ हो ।

क्रम गुणा

• क्रम में आई दो संख्याएं ऐसी हैं, जिन्हें आपस में गुणा करने पर ५६ आता है ।
यह संख्याएं कौन सी हैं ?

मानो एक संख्या है ६ और दूसरी ७
गुणा करने पर ६ x ७ = ४२, उत्तर आया ४२। (गुणा के उत्तर को गुणनफल कहते हैं)
पर ४२ तो ५६ से कम है। यानि कि क्रम वाली संख्याएं ६ और ७ नहीं हैं। और जिन संखयाओं को हम ढूंढ रहे हैं वो ६ और ७ से बड़ी हैं। कितनी बड़ी यह ठीक से मालूम नहीं।

चलो ८ और ९ को देखते हैं।
८ x ९ = ... पर यह गुणनफल तो ५६ से ज्यादा है। इसलिये जोड़ी ८, ९ भी नहीं है. लेकिन ५६ इन दोनों गुणनफलों के बीच में ही है। इसलिये अब हमें ६ और ९ के बीच में ही संख्याएं ढूंढनी हैं।

• दो क्रमात्मक संख्याएं ऐसी हैं जिनका गुणनफल २० है। यह संख्याएं कौन सी हैं?
ऐसे और भी सवाल सोचो और करो।

बिना क्रम के सवाल

दो संख्याएं ऐसी हैं जो क्रम से नहीं हैं और जिनका जोड़ है १६,
और गुणनफल ६३। यह संख्याएं कौन सी हैं। (पहाड़ा चार्ट का इस्तेमाल कर सकते हो)

पहाड़ा चार्ट से ऐसे और सवाल बनाओ और दोस्तों को करने को दो।

पोस्टरबाजी

एक चने बेचने वाले ने अपने लिए
एक पोस्टर बनाया ।
ऐसा था उसका पोस्टर-

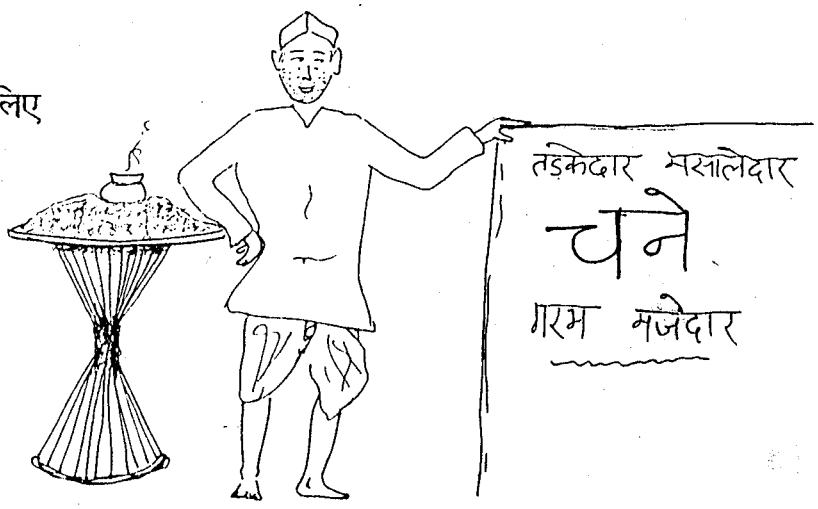

ताजे करारे चने ,

तड़केदार, मसालेदार

गरम मजेदार चने

चवन्नी में आधा पेट भर लो,

अठन्नी में पूरा पेट भर लो ।

कपड़े वाले का पोस्टर था -

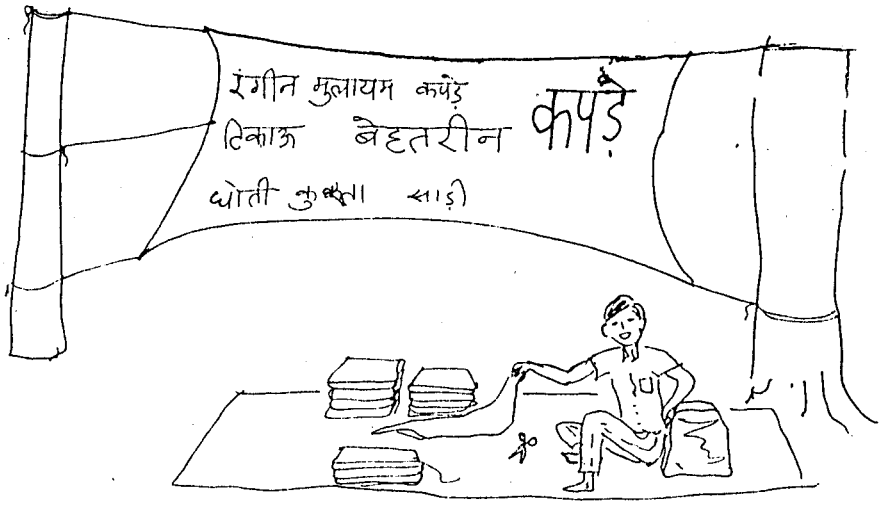

रंगीन मुलायम कपड़े

टिकाऊ बेहतरीन कपड़े

धोती, कुरता, साड़ी, बिलाऊज,

शर्ट, पैंट, कमीज, रूमाल

सब तरह के कपड़े

- *अब तुम भी पोस्टर बनाओ । यहां जगह कम होने पर अपनी कॉपी पर बनाओ ।*
  पोस्टर बनाओ-

चाय वाले का, मीठी गोली बेचने वाली का, मोची का, किताब बेचने वाले का,
केले बेचने वाले का, आम बेचने वाली का।

शंकुली का सपना

एक सुबह शंकुली को बहुत नींद आ रही थी। वह आधी नींद में ही स्कूल के लिए निकल पड़ी। रास्ते में बरगद के पेड़ के नीचे उसे एक बिल्ली सोती दिखाई दी। यह देख कर वह भी साथ में लेट गई। बस, देखते ही देखते उसकी आंखें बंद होने लगी।

शंकुली को लगा कि उसे दूर एक ऊंट दिखाई दिया। ऊंट के ऊपर कोई बैठा हुआ था। वो देख ही रही थी कि तभी शंकुली को लगा कि ज़मीन हिल रही है। वह उछलने लगी। इतनी ज़ोर से उछली कि आसमान से बातें करने लगी। जब उसने पलट कर देखा तो ज़मीन उससे बहुत नीचे थी। पर शंकुली को उछलने में बहुत मज़ा आ रहा था।

उसे सामने एक टेढ़ा-मेढ़ा पेड़ दिखाई दिया। शंकुली ने उसे पकड़ लिया। पकड़ते ही ज़मीन तेजी से ऊपर आने लगी। एक बार फिर शंकुली उछली और घास पर जा गिरी। उसे ज़रा भी चोट न आई।

शंकुली को घास के बीच में एक छोटी-सी नाली नज़र आई। उसके आस-पास गोल-गोल से मिट्टी के ढेले थे। और उनके बीच धीरे-धीरे केंचुए अंदर बाहर आ-जा रहे थे।

अचानक घोर अंधेरा छा गया। अंधेरे में शुकुली ने दोनों हाथ आगे किये पर वहां कुछ नहीं था। उसने हाथ फैलाए तो कुछ दीवारें सी लगीं। और वे दीवारें हिल रही थी, आगे बढ़ रही थीं।

साथ ही शंकुली को एक डरावनी आवाज़ सुनाई दी। जैसे पेड़ों के बीच से आंधी चल रही हो ...हूऊरा... हूऊरा। और शंकुली के पैर गीले होने लगे।

पैर गीले हुए, टांगें गीली हुई और पानी छाती तक पहुंच गया। शंकुली के पैर ज़मीन से उठ गये। वह पानी के साथ बहने लगी। पानी ऊपर उठने लगा। पानी के साथ-साथ शंकुली भी उठी तो उसका सिर ज़ोर से छत से टकराया।

टकराते ही शंकुली को तारे नज़र आने लगे। शंकुली को लगा कि शायद उसकी आंखें बंद हैं। यह सोचते ही उसने अपनी आंखें खोल दी।

आंखें खोली तो वह एक बरगद के पेड़ के नीचे लेटी हुई थी। शंकुली को बिल्ली याद आई पर वह कहीं नहीं थी। ऊंट भी कहीं नहीं था।

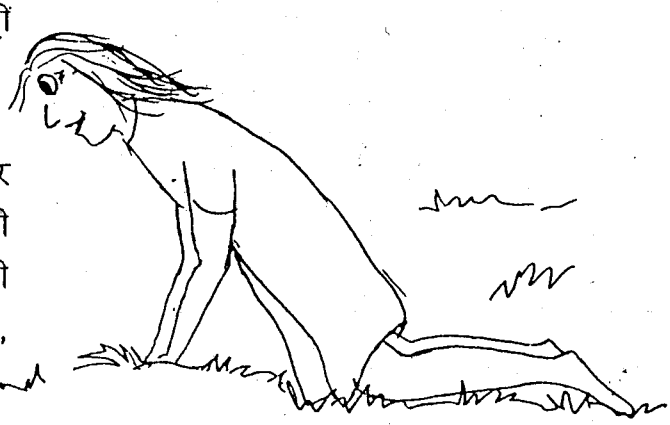

शंकुली ने एक लंबी जम्हाई ली और उठने लगी। तभी उसने घास में एक नाली देखी। उस नाली में पानी भरा हुआ था। ये सब देखते ही शंकुली को स्कूल की नाली की याद आई। वह उठी और स्कूल की ओर दौड़ने लगी, बहुत तेज़ . . .

बहुत तेज . . .

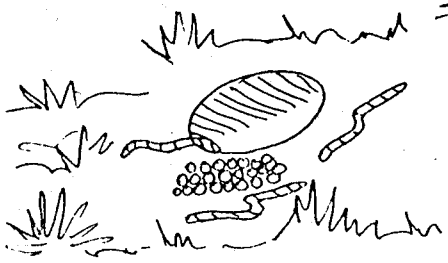

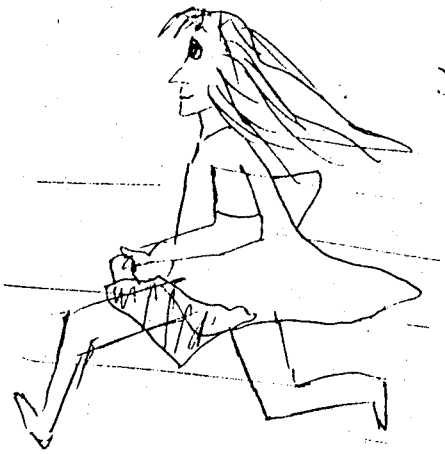

1. ये तो था शंकुली का सपना। तुम भी अपना कोई सपना अपने दोस्तों को बताओ और अपनी कॉपी में लिखो।

   अपने सपने के लिये चित्र भी बनाओ और दूसरों को दिखाने के लिये कक्षा में धागे लगाकर टांगो।

2. वाक्य खेलम

कोई भी दो शब्द लो। जैसे - कौआ, गाता। अब दोनों को जोड़कर एक पूरा वाक्य बनाओ। जरूरत पड़े तो शब्दों में फेर बदल भी कर सकते हो।

जैसे- कौआ *गाता* नहीं है। या, कौआ *गा* रहा था।

इस तरह नीचे के शब्दों को जोड़कर वाक्य बनाओ।

"चींटी - दौड़ना" "दीवार - चढ़ना" "कुसी -गिरना" "रस्सी - चढ़ना" "मिट्टी - खोदना"

इसी तरह एक दूसरे के लिये जोड़ियां बनाओ।

3. बताओ शंकुली को अपना बस्ता स्कूल, ले जाना याद रहा या नहीं? कैसे पता चला?

4. नीचे मैंने कुछ चित्र बनाए हैं। ये सब कहानी में आ चुके हैं। पर हर चित्र दो तरह से बना है - सामने से और बाजू से। उन्हें ढूढकर जोड़ी मिलाओ।

• शंकुली के सपने में क्या-क्या आया - कहानी पढ़कर सही क्रम में जमाओ।

छोटी सी नाली पानी बिल्ली ऊंट टेढ़ा-मेढ़ा पेड़

केंचुए जमीन घास बरगद

मिट्टी के ढेले दीवारें आंधी छत घर अंधेरा

जो-जो सपने में नही दिखा उसे काट दो। बाकी चीजों को सही क्रम में नीचे जमाओ।

काटो कागज़

एक कागज का चौकोर टुकड़ा लो और उसे बीच में से मोड़ो। अब नीचे के चित्रों को ध्यान से देखो।

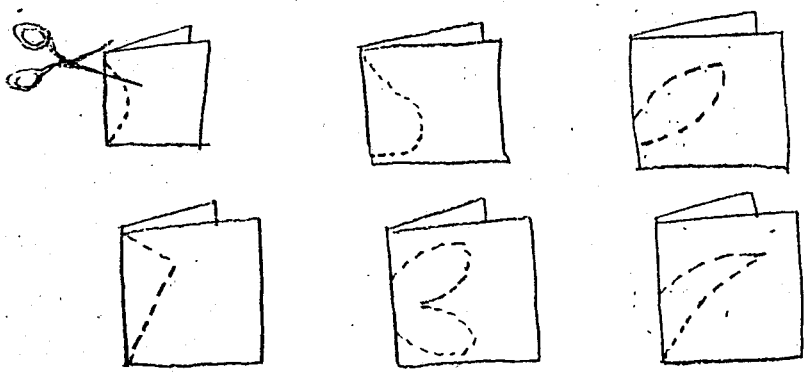

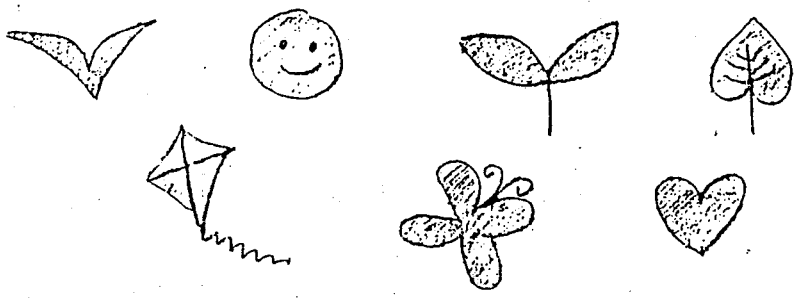

उनमें से कोई भी बिन्दी वाली लकीर चुनकर अपने मुड़े हुए कागज पर बनाओ। उसके बाद मुड़े हुए कागज को बिन्दी वाली लकीर पर काटो। उसे खोलो और जो भी आकृति बनी हो उस पर रंग भरो।

दो आकृतियों को जोड़कर ऐसी और आकृतियां बना सकते हो।
दर्पण यानी आइने को तरह-तरह से रखकर और आकृतियां देखो और बनाओ।

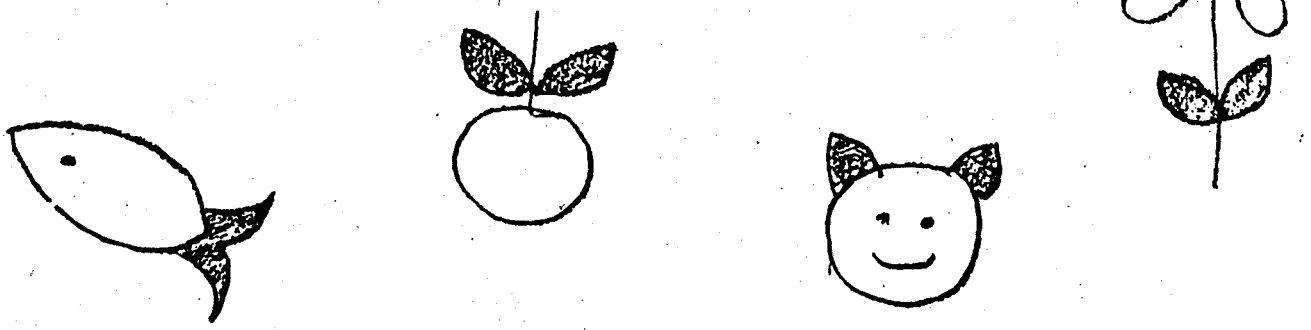

सवाल

1. १५ बच्चे मिट्टी के खिलौने बना रहे थे। हर बच्चे ने २ और ३ बनाए। तो सभी ने मिलकर कुल कितने जानवर बनाए?

2. गबरू पुस्तकालय की पुस्तक से कहानियां पढ़ रहा था। उसने १२ पन्ने पढ़ लिये थे। किताब में कुल २५ पन्ने हैं। किताब पूरी करने के लिये उसे कितने पन्ने और पढ़ने हैं?

3. राहुल के पास ६ कंचे हैं। मीता के पास उससे दोगुने कंचे हैं। दोनों के पास कुल कितने कंचे हैं?

4. रमा के पास २० सिक्के हैं। रेणु के पास रमा से आधे सिक्के हैं। रेणु के पास कितने सिक्के हैं?

5. **समीकरण** - जोड़ और घटाने के

(क) ४ + ५ = ३+ ..... (ख) ६ - ३ = ८ - .....

(ग) ४ + ३ = ९ - ..... (घ) २५ + १३ = १२ + ...

(च) ८५ - ३२ = ९६ - ..... (छ) ७६ + १५ = ६८ + ...

(ज) ६८ - ३५ = ७५ - ..... (झ) ३२ + १३ = ८८ - .....

ऐसे खूब सारे सवाल बनाओ और करो। एक दूसरे को देकर देखो। क्या कुछ ऐसे सवाल बने जिनका हल नही निकला? ऐसे सवाल गुरूजी को दिखाओ।

6. इन्हें भी पढ़ो और समझो-

४ × ३ = ७ + ५ ६ × ८ = ३२ + १६

३ × ७ = ३५ - १४ ७ × २ = ४८ - ३४

ऐसे और भी समीकरण बनाओ।

जमीन से ऊपर बने हुए घर

एक जगह जहां पर ऐसे घर मिलते हैं, उसका नाम है **न्यू गिनी**।

ये न्यू गिनी एक बहुत ही बड़ा टापू है, यानि ये चारों ओर से समुद्र से घिरा हुआ है। यहां पर पहाड़ और घने जंगल मिलते हैं। यहां का जंगल घना है और बारिश बहुत होती है। जंगल इतना घना है कि सूरज की रोशनी पूरी तरह ज़मीन पर नहीं पहुंचती। ज़मीन के पास की हवा गरम और नमी से भरी हुई रहती है। इसके अलावा ज़मीन पर खतरनाक कीड़ों और जंगली जानवरों का डर भी रहता है।

इसलिये यहां के लोग अपने घर ज़मीन से ऊपर बनाते हैं। पेड़ों के ऊपर बने इन घरों में अच्छी हवा और रोशनी रहती है, और ठंडक भी बनी रहती है।

न्यू गिनी के एक हिस्से को **पापुआ न्यू गिनी** के नाम से जाना जाता है। इस जगह में नदी और समुद्र का बहुत पानी है। वहां के लोग अपने घर पानी में बल्लियां गाड़कर उनके ऊपर बनाते हैं। ये घर भी खुली हवा में ठंडे रहते हैं। वैसे भी वहां पर ज्यादातर लोग अपना आना-जाना नावों से करते हैं, इसलिये पानी पर बने घर सुविधाजनक हैं।

न्यू गिनी से २००० किलोमीटर की दूरी पर **बोर्नियो** नाम की एक जगह है। यहां भी जमीन से ऊपर घर बनते हैं। बोर्नियो में भी बहुत भारी बारिश होती है और बाढ़ भी आती है। ऐसे समय में इन जमीन से उपर बने घरों में लोग सुरक्षित रहते हैं।

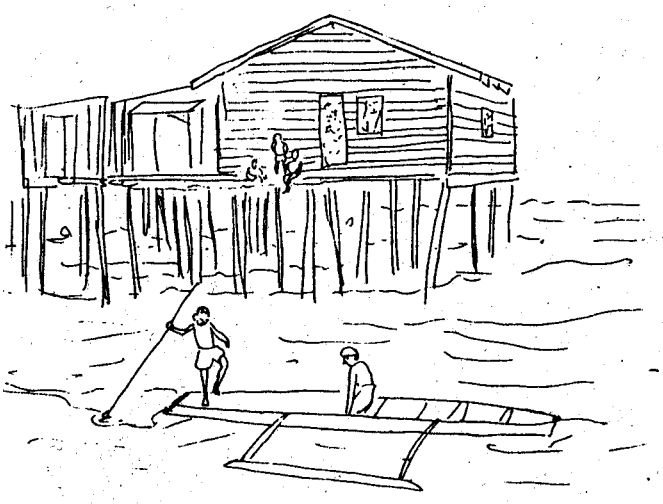

पर यहां के घरों की विशेषता ये है कि ये बहुत लंबे होते हैं - ५० फीट की लंबाई आम बात है। हर लंबे घर में एक बहुत बड़ा सा कमरा और अलग-अलग छोटे से कमरे होते हैं, जिनमें अलग-अलग परिवार रहते हैं। कभी-कभी तो ५० परिवारों

के एक पूरा गांव एक ही लंबे घर में रहता है। घर के नीचे पालतू जानवरों के रहने की जगह होती है।

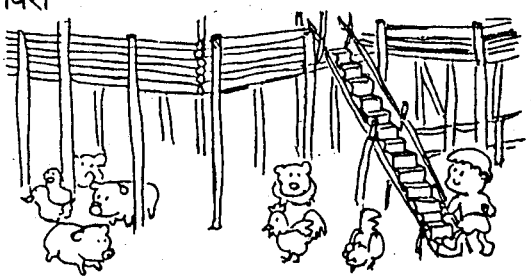

1. लकड़ियों/तीलियों से इस तरह के ऊपर उठे हुए घर बनाओ।

2. न्यू गिनी में लोग जमीन पर घर क्यों नही बनाते? और पापुआ न्यू गिनी में?

3. खतरनाक कीड़े कौन-कौन से हो सकते हैं? और खतरनाक जानवर?

4. बोर्नियो में जमीन से उपर घर बनाने में क्या फायदे होते होंगे?

5. नीचे एक जगह का चित्र दिया गया है। उसे ध्यान से देखो, और नीचे की तालिका भी पढ़ो।

च - ऊंची चोटी वाले पहाड़ हैं।
न - नदी है।
ट - टेकड़ी है।
ख - खेत हैं।
१- में कम लोग रहते हैं। क्योंकि वो बहुत पथरीली जगह है और बहुत ढलान है।
२- में कम लोग रहते हैं क्योंकि वहां का रास्ता बहुत कठिन है।
३- में हर साल पूर का पानी आ जाता है, इसलिये वहां कम घर बने हैं।
⊗ में ज्यादा घर इस जगह बने है।

क्या तुम बता सकते हो क्यों?

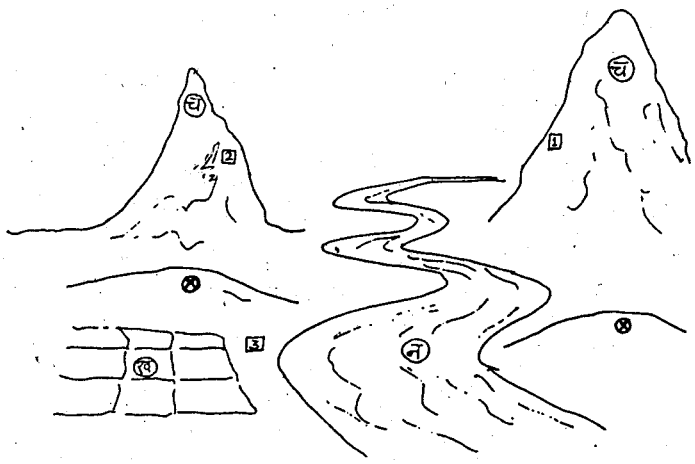

२ वाली पहाड़ी पर एक छोटा सा घर बनाओ।
३ के पास वाले टीले पर एक पेड़ बनाओ।
बीच वाले खेत में बिजूका बनाओ।

- *ऐसे और अभ्यास बनाकर एक-दूसरे को करने को दो।*

८. अपने गांव और मोहल्ले को देखो। वहां से पानी कितनी दूर है? बारिश के मौसम में पानी चढ़ता है या नही?

९. अगर तुम्हारे घर जमीन से ३० फीट ऊपर हों तो तुम्हारे रहन-सहन में क्या अंतर आ जाएगा?

कविता के लिये चित्र बनाओ

यह है गंजूराम पटेल

लगा रहा था सिर में तेल

छूट गई इतने में रेल

चूहेदानी में एक शेर

खाने पड़ते सूखे बेर

वज़न रह गया ढाई सेर

• चर्चा करो और अपनी पट्टी पर लिखो।

रेल कैसे छूट गई ? शेर का वज़न ढाई शेर क्यों रह गया ?

नीचे एक चित्र है। चित्र में आने वाले तुकबंदी के शब्द भी लिखे हैं।

अब तुम चित्र पर कविता बनाओ

लकड़ी मकड़ी ककड़ी

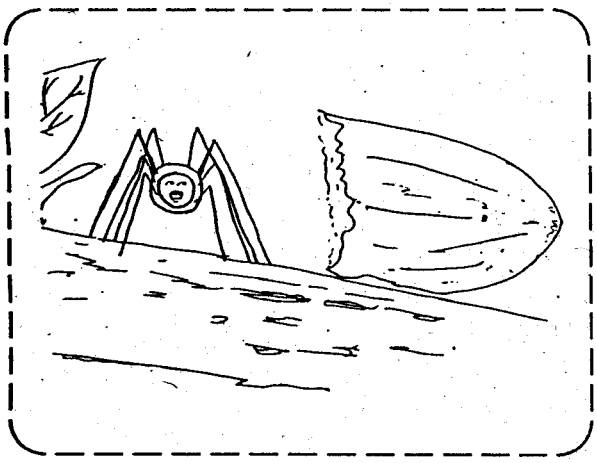

और शब्द बनाओ - उनसे कविता सोचो।

शेर - बेर - सेर

रेल - तेल - खेल

चाल - बाल - .....

एक गांव मे झटपट नाम का आदमी रहता था। झटपट दिन निकलते ही अपना काम शुरू कर देता था -- खटपट खटपट। मुहल्ले के लोग झटपट कीं इस खटपट से बहुत परेशान थे।

ये खटपट खटपट कर के झटपट क्या करता था? वो लकड़ी की चौखट और अलमारी बनाता था। गाड़ी और तख्ता बनाता। कुर्सी और टेबिल भी अच्छी तरह से बनाता। गांव वालों ने उसका नाम झटपट बढ़ई रखा था।

झटपट के पास अपनी खटपट करने के लिये बसूला था, आरी थी, रिन्दा था। उसके पास कुल्हाड़ी, गिरमट, बिदना और बरमा भी थे।

तो झटपट अपनी आरी से पटिया चीरता, बसूले से .....
....., रिन्दा से .....
....., कुल्हाड़ी से .....
....., गिरमट से .....
....., और बिदनी से चौकोर छेद बनाता था।

१-बताओ ये लोग क्या-क्या करते हैं। कॅापी पर इनका चित्र भी बनाओ।

लोहार कुम्हार डाक्टर बस कंडक्टर व्यापारी
शिक्षक/शिक्षिका पोस्टमेन सरपंच मिस्त्री दरजी सब्जीवाली
मजदूर नाकेदार बाबू

जिनके बारे में नही पता उन लोगो से मिलकर पता करो। यदि फिर भी मुश्किल हो तो गुरूजी/ बहनजी से पताा करके लिखो।

२- नीचे लिखी चीजों में से कौन सी चीजें बढ़ई बनाता है?

टेबिल, पतंग, खुरपी, कुर्सी, आलमारी, चौखट, घड़ी, दरवाजे, हल,
पंखा, गाड़ी, पांत, पेन्सिल, पुस्तक, बर्तन, तख्ता, डस्टर, घड़ा, साबुन।

- बाकी चीजें कौन बनाता है? कहां से आती हैं?

३-(क) बढ़ई की बनाई चीजों में से तुम मिट्टी/ठठेरे से कौन-कौन सी चीजें बना सकते हो बनाओ। उनका चित्र भी कॉपी में बनाओ।

(ख) जब बढ़ई रिन्दा से किसी लकड़ी को छीलता है तब लकड़ी के पतले-पतले छिलके निकलते हैं। तुम इन छिलकों को पानी में भिगोने के बाद कैंची से काटकर तरह-तरह की आकृतियां बना सकते हो। जब बनाई हुई चीजें सूख जाएं तब उसमें रंग भी भर सकते हो। यदि छिलके मिल सकें तो चीजें बनाकर देखना।

४- जोड़ी मिलाओ-

	बस कंडक्टर
धम्मन	नाई
हंसिया	मजदूर
सीटी	व्यापारी
कैंची	
तराजू	लोहार
स्केल	बाबू
उस्तरा	सब्जीवाली
पेन	दरजी

५- नीचे पैराग्राफ की भाषा में कम से कम पाँच गलतियां हैं, उन्हें ठीक करके पैराग्राफ दुबारा लिखो। खाली स्थानों को भी भरो।

आज सुबह खटपट बढ़ई को जंगल में शेर मिली। खटपट डरा गई। उसके औजारों वाला डिब्बा भड़ से गिर गई। सारे औजार बाहर गिरे। एक कील शेर ..... नाक जा लगी। शेर ..... लगा। किसी ने उस ..... भाला फिका है। वह घबराया और जोर से भागा।

६- झटपट से आलमारी, कुर्सी, जूड़ी, पलंग, आदि कौन लेता होगा?

- खटपट से लोग क्यों परेशान थे?

७- बढ़ई कैसे पता करता होगा कि एक टेबिल को बनाने के लिये कितनी लकड़ी चाहिए?
एक दरजी कैसे पता करता है कि तुम्हारी फ्राक या शर्ट बनाने के लिए कितना कपड़ा चाहिये?

८- बताओ नीचे के कौनसे टेबिल को ढांकने के लिये ज्यादा कपड़ा लगेगा। गुटके जमाकर देखो।

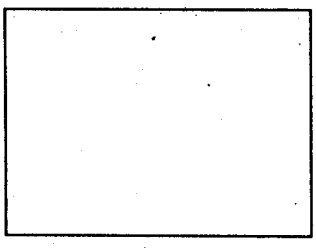

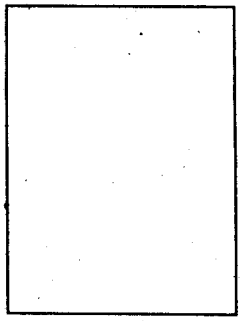

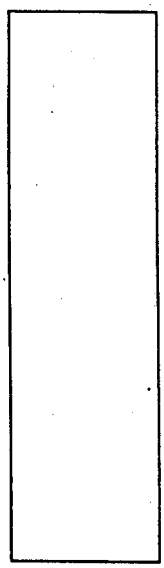

अंगा

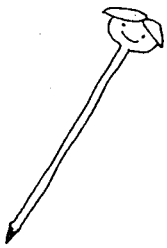

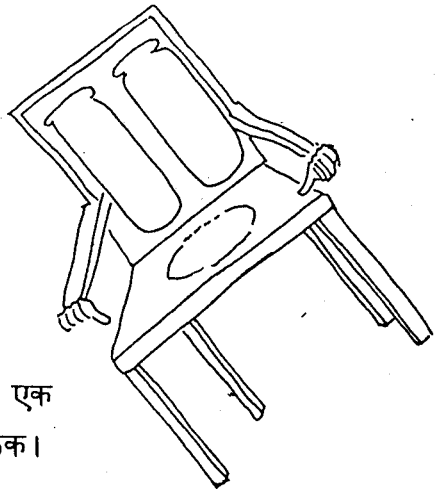

आलपिन के सिर होता, पर बाल न होता उसके एक
कुर्सी के दो बाहें हैं, पर गेंद नहीं सकती है फेंक।

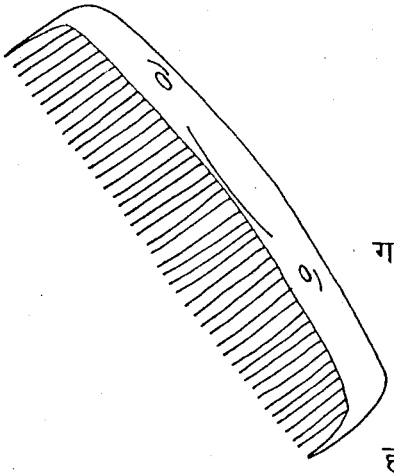

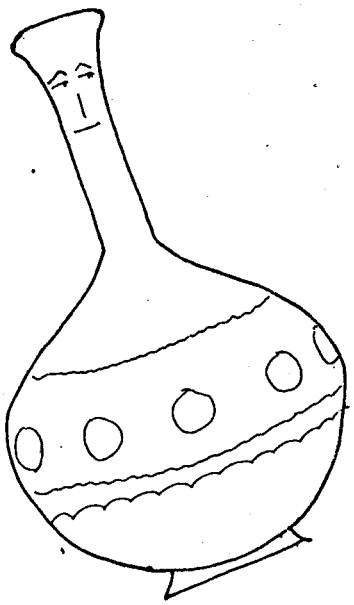

कंघी के हैं दांत, मगर वह चबा नहीं सकती खाना
गला सुराही का पतला है, किन्तु गा नहीं सकती गाना।

होता है मुंह बड़ा घड़े का, पर वह बोल नहीं सकता,
चार पांव टेबिल के होते, पर वह डोल नहीं सकता।

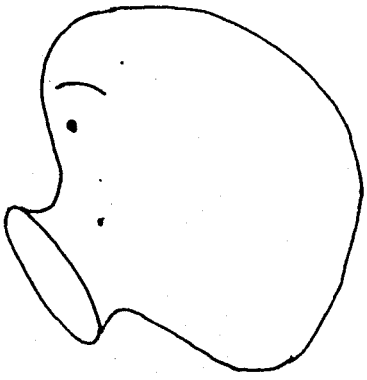

जोड़ी मिलाओ और कारण बताओ।

घड़ी	पंख
आरी	आंख
जूता	दाढ़ी
पंखा	काटे
नारियल	दांत
आलू	जीभ

यहां पर एक टार्च के कुछ भागों के नाम दिए हुए हैं।

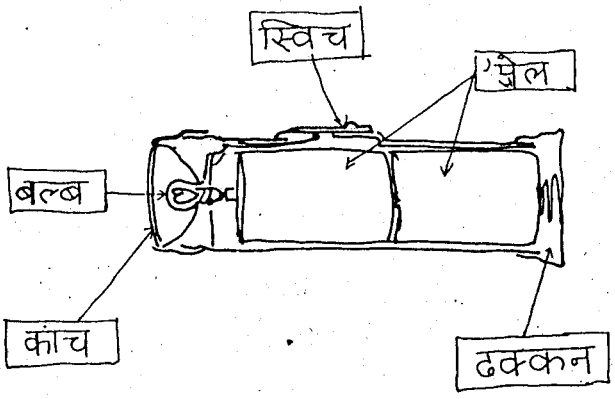

इसी तरह तुम अब नीचे लालटेन के हिस्सों के नाम भरो।

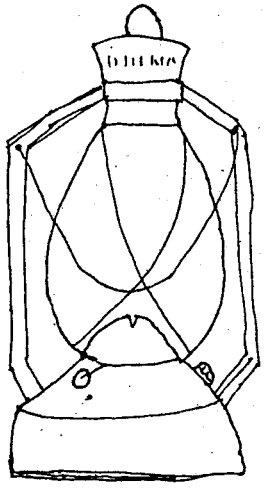

- *मैंने टार्च के बारे में कुछ वाक्यों का एक* **पैराग्राफ** *लिखा है। उसे ध्यान से पढ़ो।*

टार्च में आगे की ओर एक बल्ब रहता है। इस बल्ब के जलने पर रोशनी होती है।
यह बल्ब एक कांच के पीछे होता है। टार्च के पीछे एक ढक्कन होता है।
ढक्कन को खोल कर हम सेल डालते हैं। ऊपर एक स्विच/बटन होता है।
बटन को आगे करने पर टार्च जलता है।

अपनी पट्टी या कॉपी पर लालटेन, साइकिल, बस, स्टोव इनमें से जिन चीजों को देखा है उन पर पैराग्राफ लिखना।

- *इन सवालो के जवाब लिखो -*

1. सुराही का गला कैसा है, वह गा क्यों नही सकती?

2. घड़ा ज्यादा दुखी है या सुराही? क्यों?

3. अगर आलपिन के बाल होते तो क्या होता?

4. कंघी के दांत किस काम आते हैं?

चाचा जी हमारे-1

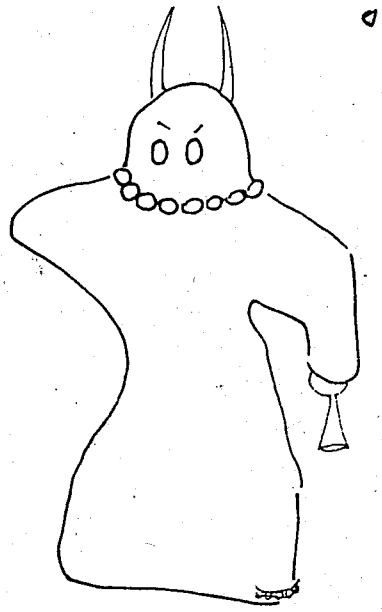

चादर ओढ़ के चाचा जी
रात को बनते भूत
लगा पैर पर बाजा जी
घूमा करते खूब।

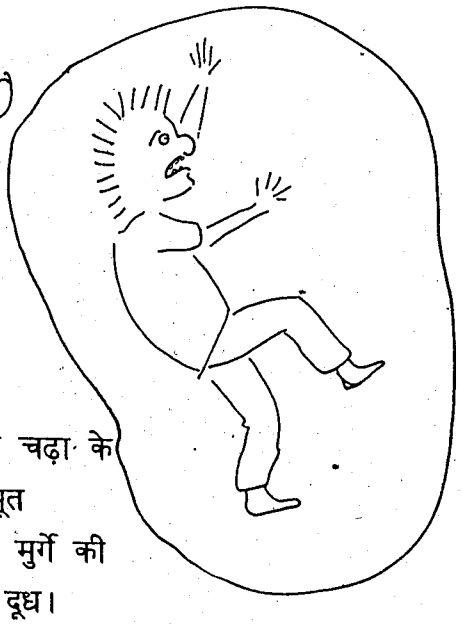

सींग लगा के, आंख चढ़ा के
रात को बनते भूत
सुनी बांग जो मुर्गे की
लाने जाने दूध।

एक बार चाचाजी ने अपने पड़ोसी को डराने की सोची. पड़ोसी अकेला था, इसलिये उन्हें लगा कि उसे डराया जा सकता है। उन्होंने वहीं अपनी चादर ओढ़ी, सिर पर सींग बांधे और पैरों पर बाजा लगाया।

और फिर आधी रात को वो पड़ोसी के फाटक पर पहुंच कर हो गये शुरू। पैरों पर बंधे घुंघरू हिलाते और अपने हाथ में रखा पोंगा बजाते पैं पैं और मैं मैं चिल्लाते चाचाजी।

पड़ोसी ने आवाज सुनी कुछ सोते, कुछ जागते हुए। सोचने लगा क्या होगा ये? तभी उसे याद आया कि उसकी सफेद गाय आज लौटी ही नहीं थी। ज़रूर वही आई होगी, आ कर वही आवाज़ कर रही होगी।

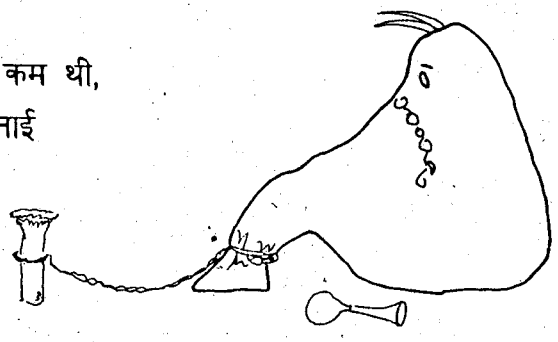

पड़ोसी आधी नींद में चल कर बाहर आया। बाहर रोशनी बहुत कम थी, उसे सफेद शरीर दिखा, सींग भी नज़र आये, झालर की आवाज़ सुनाई दी। उस,ने हाथ मारा और पकड़ लिया एक पैर। बस देर किस बात की, उसने झट खूंटे से बांध दिया और चला गया वापस अपने बिस्तर पर। खूंटे से बंधी चीज़ रात भर आवाज़ करती रही, पर पड़ोसी तो सोता ही रहा।

1. चाचाजी दिन में भूत क्यों नही बने?

2. चाचाजी क्रो उसी दिन क्यों लगा कि पड़ोसी डर जाएगा?

3. चाचाजी ने भूत बनने के लिये क्या-क्या तैयारी की?

4. बाहर आने पर पड़ोसी को क्यों लगा कि सफेद गाय है?

5. खूटे से रातभर कौन बंधा रहा?

6. सुबह आकर पड़ोसी ने क्या दृश्य देखा होगा? इस खाने में चित्र बनाओ।

7. अगर चाचाजी मैं मैं की जगह, हो-हो-हो चिल्लाते तो क्या होता?

8. क्या तुमको किसी ने डराया? और तुम डर गए क्या? क्या हुआ बताओ।

नज़र तुम्हारी कितनी पैनी ?

नीचे चार चित्र दिए हैं। क्या तुम बता सकते हो कि सभी एक जैसे हैं या अलग-अलग हैं? क्या दो से अधिक चित्र एक समान हैं ?

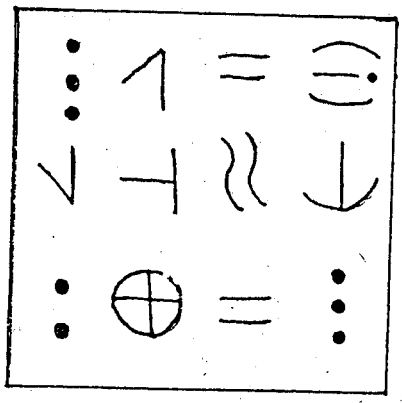

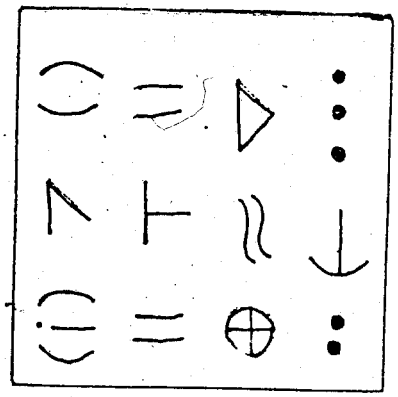

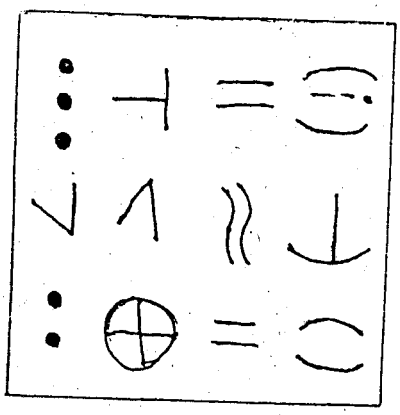

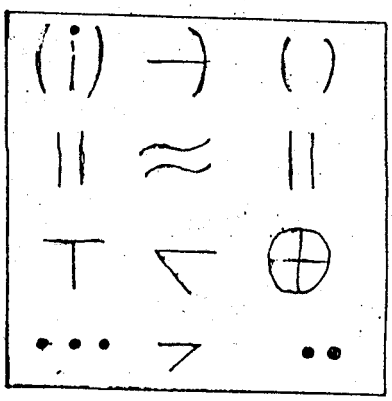

नीचे के दोनों वर्ग देखो और बताओ कौन सा बड़ा है।

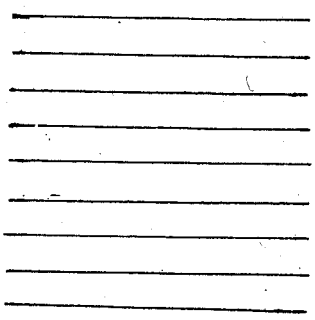

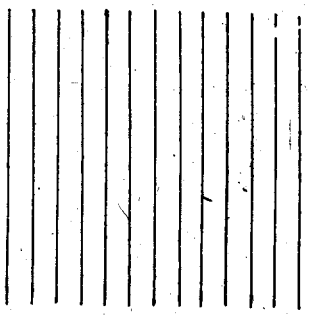

दर्पण खेल

कोई मुझे दर्पण कहता है, कोई शीशा कहता है और कोई कांच।

नाई की दुकान में मेरी बहुत ज़रूरत होती है। कंघी करते समय तुम भी मुझे में झांक कर देखते हो कि कंघी ठीक हो रही है या नहीं। मैं कई और कामों में भी मदद देता हूं और कई जगहों पर पाया जाता हूं।
कितनी जगह तुम मुझे ढूंढ सकते हो?
और मेरा क्या-क्या इस्तेमाल होता है?

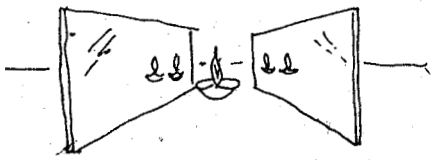

अगर तुम मेरी दो पट्टियां ले लो तो बहुत मज़ेदार बातें देख सकते हो। दोनों पट्टियों के एक सिरे को सटा कर रखो। दूसरे सिरों के बीच कुछ जगह रखो। दोनों के बीच एक पेंसिल, काड़ी या जलती मोमबत्ती रखो। झांक कर देखो की दोनों पट्टियों में तुम्हें कितनी पेंसिल, काड़ी या जलती मोमबत्ती दिखती हैं।
कितनी दिखीं? क्या तुम पट्टियों को सरकाकर इनकी संख्या बदल सकते हो?

एक खेल

नीचे कुछ चित्र दिए हैं
दर्पण के एक टुकड़े का इस्तेमाल कर के देखो कि इनमें से कौन से चौकोर में बने पैटर्न जैसा दिख सकते हैं?

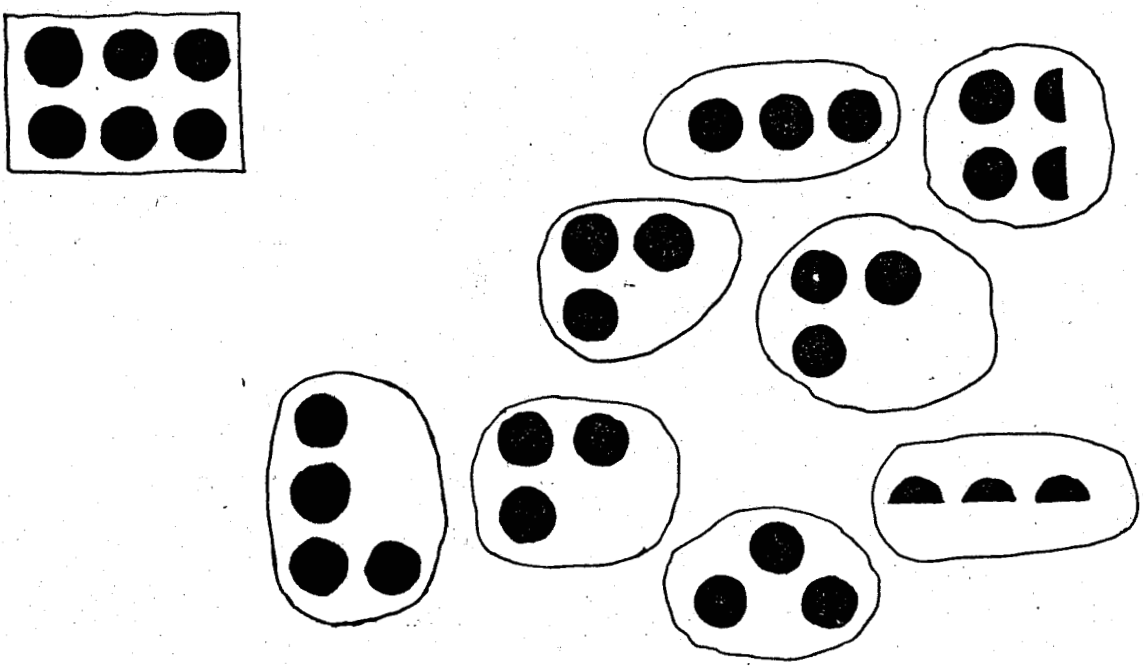

अब इससे उलटा करें।

इस चित्र से नीचे बने चित्रों में से कौन-कौन से बन सकते हैं?

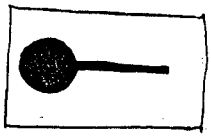

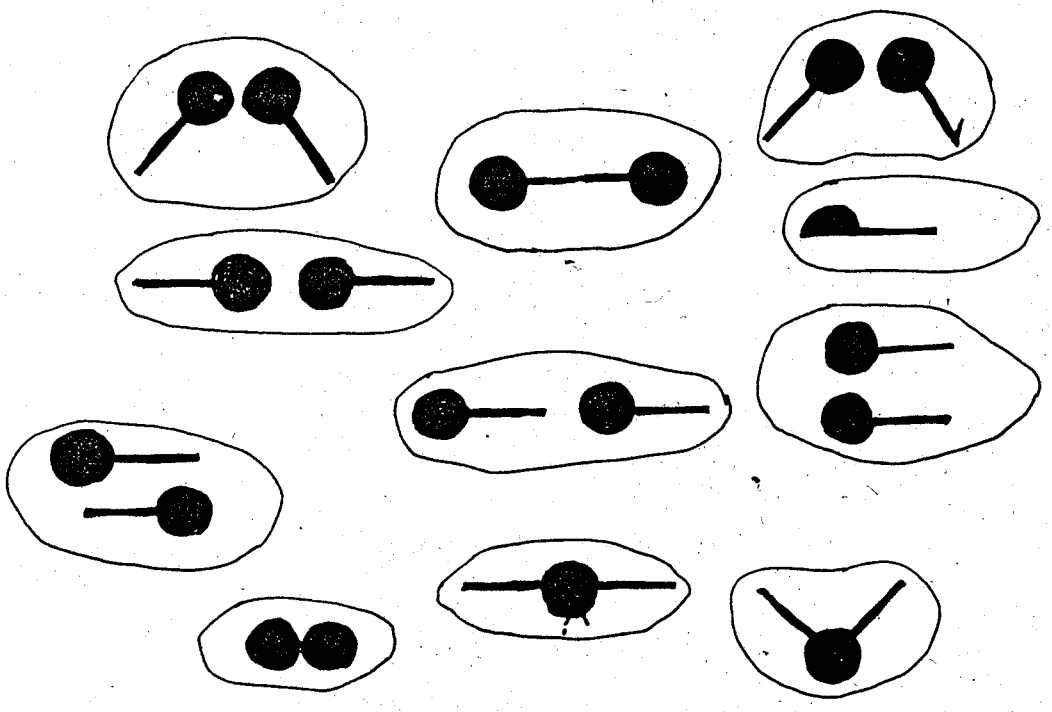

एक और काम

नीचे वाले चित्र की टूटी रेखा पर दर्पण रखो।

क्या तुम्हें ऊपर जैसी आकृति दिखती है?

आस-पास से पत्तियां, फूल, . . . ले आओ।

इनके दो बराबर भाग करने हैं। दो ऐसे भाग जिनमें से किसी एक पर भी दर्पण रखकर पूरी वस्तु का आभास हो। क्या तुम ऐसा कर पाए?

क्या कुछ ऐसी चीज़ें भी हैं जिनमें आधे हिस्से से ऐसा नहीं हुआ?

खड़ी-पड़ी खेल

खड़ी लाइन ↕ पड़ी लाइन ↔

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
२	४	६	८	१०	.....	.....	.....	.....	.....
३	६	९	१२	१५	१८	.....	.....	.....	.....
४	८	१२	१६	२०	२४	.....	.....	.....	.....
५	१०	१५	२०	२५	३०	.....	.....	.....	.....
६	१२	१८	२४	३०	३६	.....	.....	.....	.....
७	१४	२१	२८	३५	४२	.....	.....	.....	.....
८	१६	२४	३२	४०	४८	.....	.....	.....	.....
९	१८	२७	३६	४५	५४	.....	.....	.....	.....
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००

ऊपर के चार्ट में संख्याएं लिखी गई हैं। यह संख्याएं एक निश्चित प्रकार से लिखी गई हैं । जैसे पहली खड़ी लाईन में क्रम में १ से ९ तक लिखा है। और पहली पड़ी लाइन में भी क्रम से १ से ९ तक संख्या लिखी गई हैं। दूसरी खड़ी लाइन में संख्या २-२ से बढ़ रही है।

इसी प्रकार हर लाइन की कोई विशेषता है। हर लाइन की विशेषता पकड़ने की कोशिश करो।

- क्या तुम खाली जगहों में उपयुक्त संख्या भर कर चार्ट पूरा कर सकते हो?

क्या तुमने देखा?
हर खड़ी लाइन जैसी एक पड़ी लाइन है। फिर से देखो।

• तीसरी खड़ी लाइन को देखो। इस लाइन जैसी ही संख्याएं किस लाइन में लिखी गई हैं ?

बाकी खड़ी लाइनों जैसी ही लाइनें ढूंढ़ो।

दूसरी खड़ी लाइन की सभी संख्याएं २ से **भाज्य** हैं। यानी उनमें २ से भाग जाता है। ऐसी और कौन सी खड़ी लाइन हैं जो २ से भाज्य हैं? देख कर पता करो।
*२ से भाज्य संख्याओं को २ के **गुणज** कहते हैं।*

अब ढूंढो

• कौन-कौन सी खड़ी लाइनों की संख्याएं ३ से भाज्य हैं?

इसी तरह से और संख्याओं से भाज्य लाइनें पहचानो ;

२ खड़ी लाइनों की संख्याएं ४ से भाज्य हैं।

• १० से भाज्य संख्याएं एक खड़ी लाइन में हैं। यह लाइन कौनसी है?
इसमें हरा रंग करो और पट्टी पर उतारो।

• इसी तरह ५ से, ६ से, ८ से भाज्य संख्याओं वाली लाइनें पहचानो। उन्हें पट्टी पर भी उतारो।

• ७ से भाज्य संख्या वाली लाइन में लाल रंग करो और उसे पट्टी पर उतारो।
ये ७ के गुणज हैं।

खिलौने बनाओ

जुगाड़ करो - होली के रंग, खड़िया मिट्टी, सुतली, गीली मिट्टी, कागज के टुकड़े, कैंची, ऐसे पत्थर जो थोड़े बहुत मुर्गे, कुत्ते वगैरह जैसे दिखते हों ।

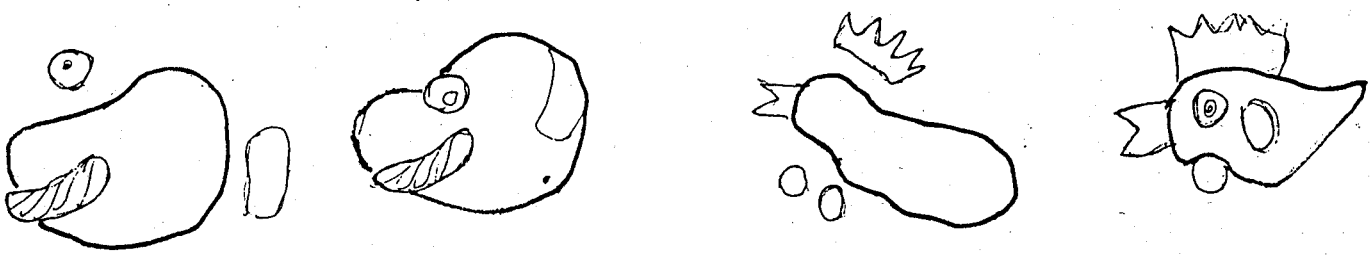

जहां जरूरत हो वहां थोड़ी सी गीली मिट्टी लगाना । सूखने पर उसे रंग लेना । रंग बनाने के लिये थोड़ी सी खड़िया मिट्टी का गाढ़ा सा घोलबना लो । फिर उसमें रंग मिला लो।

दो चार पत्थरों को जोड़ सको तो और भी खिलौने बनेंगे।

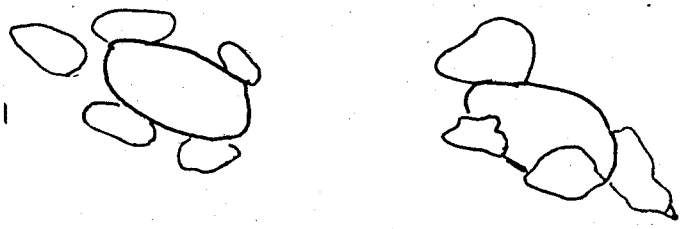

मुखौटे बनाओ

अखबार या कोई बड़ा सा कागज ले लो। कागज इतना बड़ा हो कि जिसमें तुम्हारा चेहरा ढक सके।

अब इसे उस आकार में काट लो जिसका कि तुम्हें मुखौटा बनाना हो। या ऐसा भी कर सकते हो कि जिस जीव के चेहरे की आकति, अपने चेहरे के नाप से बना लो। फिर इसे बनायी हुई लकीर पर से काट लो।

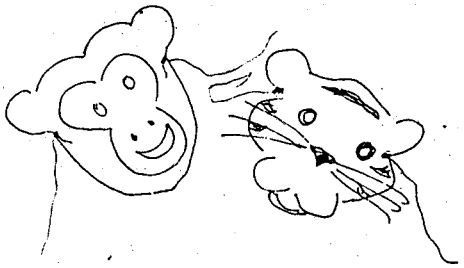

अब इस आकार को चेहरे पर रखकर निशान लगा लो कि किस जगह आंख होगी, किस जगह नाक, मुंह वगैरह। फिर जहां निशान लगा हो उन्हें भी उसी आकार में काट लो। बस अब रंग भरो और दो धागे बांध लो। धागे ऐसी जगह बांधने हैं जो मुखौटा लगाते समय कान में लपेटे जा सकें ताकी मुखौटा गिरे न।

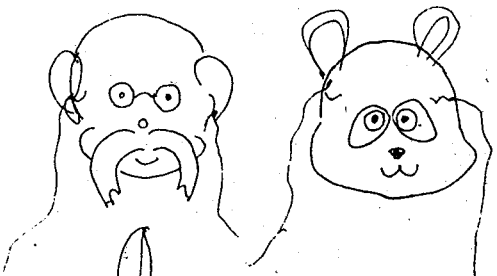

यहां कुछ मुखौटे के चित्र बने हैं। इनके अलावा और मुखौटे सोचो और बनाओ।

- *मुखौटे लगाकर नाटक खेलो।*

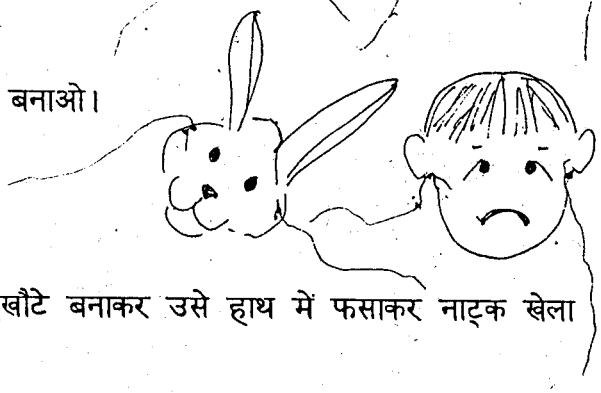

कागज की थैली से मुखौटा

इसमें कागज़ को काटने की जरूरत नही बल्कि थैली पर रंग से मुखौटे बनाकर उसे हाथ में फसाकर नाट्क खेला जा सकता है। इसमें धागा बांधने की भी जरूरत नही।

दही बड़ा

सारे चूहों ने मिलजुल कर
एक बनाया दही बड़ा।
सत्तर किलो दही मंगवाया
फिर छुड़वाया दही बड़ा।

दिनभर रहा दही के अंदर
बहुत बड़ा वह दही बड़ा।
फिर चूहों ने उसे उठाकर
दरवाजे से किया खड़ा।

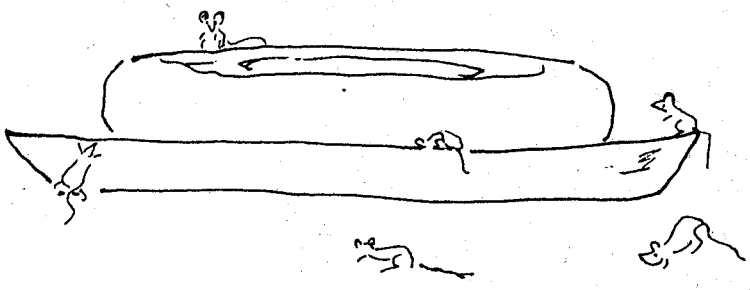

रात और दिन दही बड़ा ही
सब चूहे अब खाते हैं ।
मौज मनाते गाना गाते
कहीं न घर से जाते हैं ।

डा. श्रीप्रसाद

1. चूहों को दही बड़ा बनाने में कितना समय लगा?

2. कितने किलो दही में बना ये दही बड़ा? और कितना बड़ा रहा होगा ये दही बड़ा?

3. चूहों ने दही बड़े को दरवाजे से क्यों खड़ा किया होगा?

4. दही बड़ा बनाने में जो न लगे उसे काट दो।

शक्कर, नमक, उड़द दाल, अदरक, मिर्ची, धनिया, दूध,

दही, जीरा, मावा, तेल, खोपरा, हल्दी, मूंगफली।

• *बनाने का तरीके में भी जो नहीं होता उसे काटो -*

- उड़द दाल को पानी में भिगोकर रखो।
- शक्कर घोल लो।
- कुछ घंटे बाद दाल को पीस लो।
- मावा गरम करो।
- पीसी हुई दाल में नमक और मसाला मिला लो।
- तेल की कड़ाही गरम होने के लिये रख दो।
- कड़ाही में मावा डाल दो।
- कड़ाही को दो घंटे गरम होने दो।
- पीसी दाल के बड़े जैसे बनाकर कड़ाही में छोड़ो।
- कड़ाही में ही दही डाल दो।
- हल्के लाल होने पर निकालकर नमक वाले पानी में डालो।
- अब बड़े पानी से निचोड़कर, फेंटे हुए दही में डाल दो।
- ये दहीबड़े खाए जा सकते हैं।

काटने का काम हो जाने के बाद जो कुछ बचा हो उसे कॉपी पर उतार लो।

5. छोटू हलवाई २५ दहीबड़े बनाने के लिये आधा किलो दाल पीसता है। तो बताओ १०० दहीबड़े बनाने के लिये कितनी दाल पीसनी पड़ेगी?

इसी तरह २५ दहीबड़ों में छोटू के यहां ३ लोटे दही खप जाता है। तो १०० दहीबड़ों के लिये कितने लोटे दही की जरूरत पड़ेगी?

6. आमतौर पर दहीबड़ा कितना बड़ा होता है। तुम्हारी पूरी कक्षा ७० किलो वाला दहीबड़ा खा पायेगी कि नही?

कछुआ उड़ा हवा मे

एक था कछुआ। उसे घूम फिर कर चीज़ें देखने और बातें करने में बहुत मज़ा आता था।

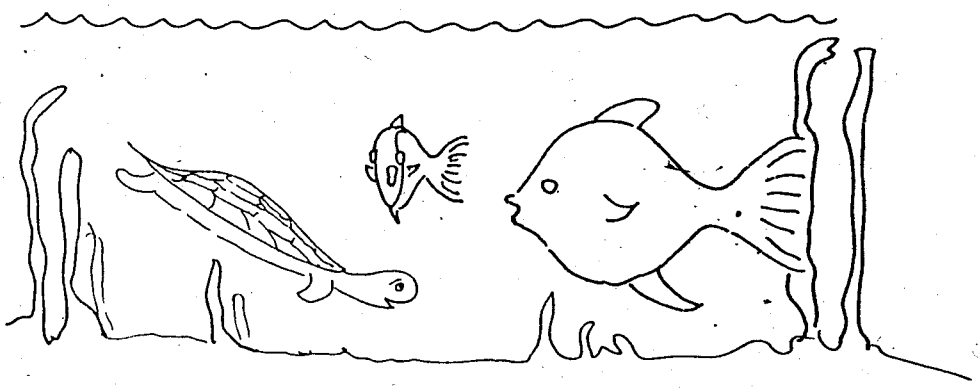

वह पानी के अंदर मछलियों से मिलता था। कहता - दैया रे! तुम लोग तो बहुत सुनहरी और चौड़ी सी लग रही हो। ज़रुर ये लंबी लंबी-घासों का ही कमाल होगा।

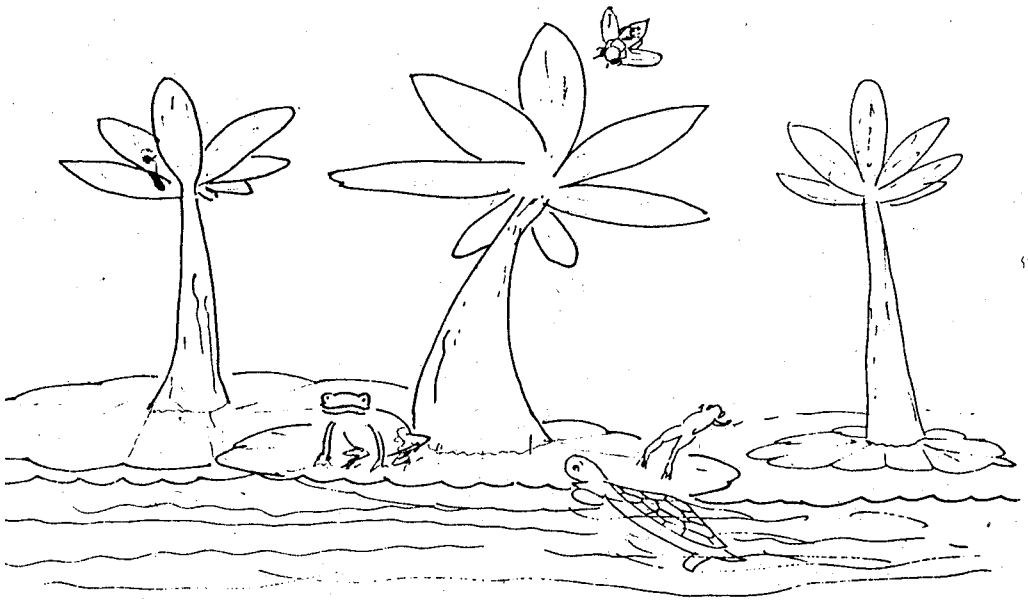

कभी वो कमल के फूलों के पास मेंढकों से बातचीत करता -

दैया रे!, कितने सुंदर और लंबे हैं ये कमल के फूल। बहुत मज़ा आता होगा तुमको।

सांप मिलता तो सांप से कहता - दैया रे!
तुम तो लंबी घास में दिखाई ही नहीं देते।

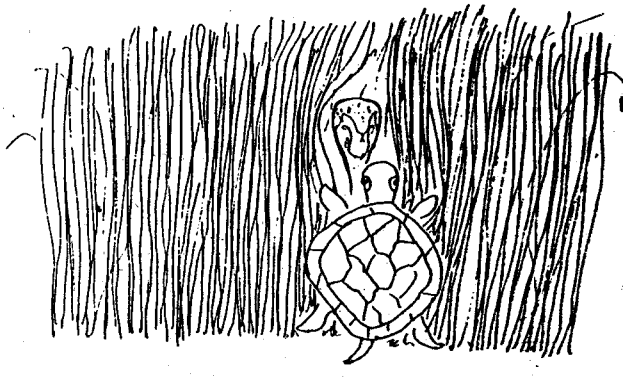

एक दिन उसने पेड़ पर बगुलों के घोंसले देखे तो कहा - दैया रे! कितना ऊंचा है तुम्हारा घर। चक्कर नहीं आते तुम लोगों को?

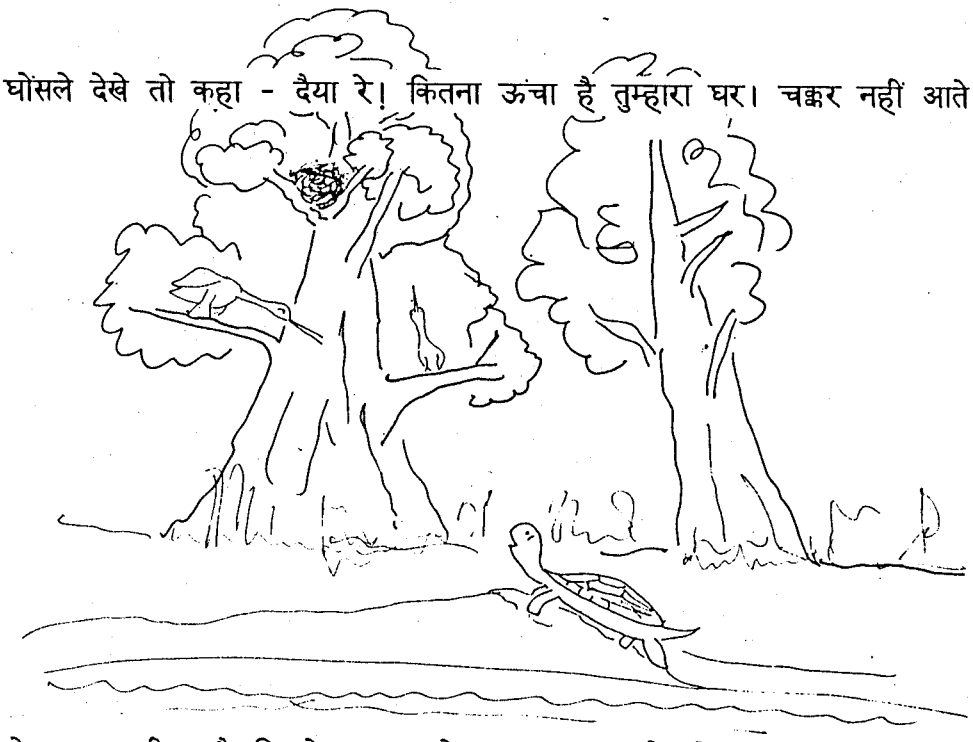

बगुलों ने कहा - नहीं। हम तो इससे भी ज़्यादा ऊपर उड़ते हैं। वहां भी सिर नहीं चकराता।

कछुए ने कहा - काश, मैं भी उड़ सकता। कितना मज़ा आता उड़ते-उड़ते दुनिया देखने में।

बगुलों ने कहा - उड़ तो सकते हो। एक तरीका है जिससे तुम हमारे साथ उड़ सकते हो।

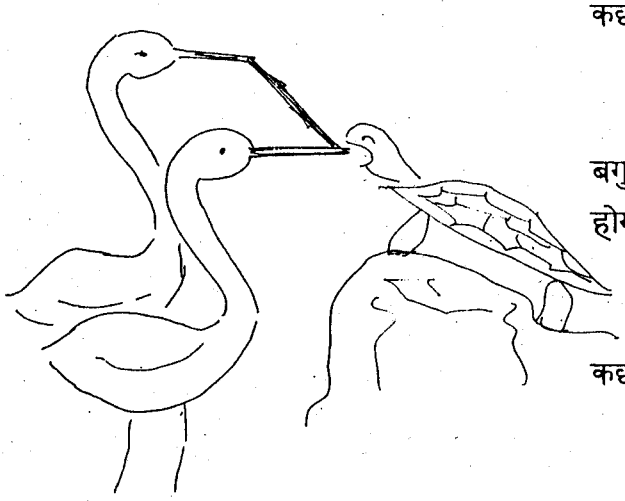

कछुआ बहुत खुश हुआ। बोला - सच? दैया रे, मैं उड़ पाऊंगा?

बगुलों ने कहा - हां, लेकिन एक शर्त है, तुम्हें अपना मुंह बंद रखना होगा।

कछुआ - हां हां, मैं कुछ भी करने के लिये तैयार हूं।

बगुलें एक लंबी सी लकड़ी लेकर आये। उन्होंने कहा —
तुम इस लकड़ी को बीच में अपने मुंह से पकड़ लो। हम इसके दोनों छोर अपने मुंह में पकड़ कर उड़ेंगे। हम उड़ेंगे तो तुम भी उड़ोंगे। लेकिन अगर तुमने ज़रा भी बात करने की कोशिश की और तुम्हारा मुंह खुला तो तुम घप से नीचे आ जाओगे।

कछुआ - हां हां, पर चलो उड़ें तो सही। चलो, चलो।

तीनों ने लकड़ी मुंह में पकड़ ली और उड़े। कछुए ने टंगे-टंगे ही आंखें नीचे कर के देखा।

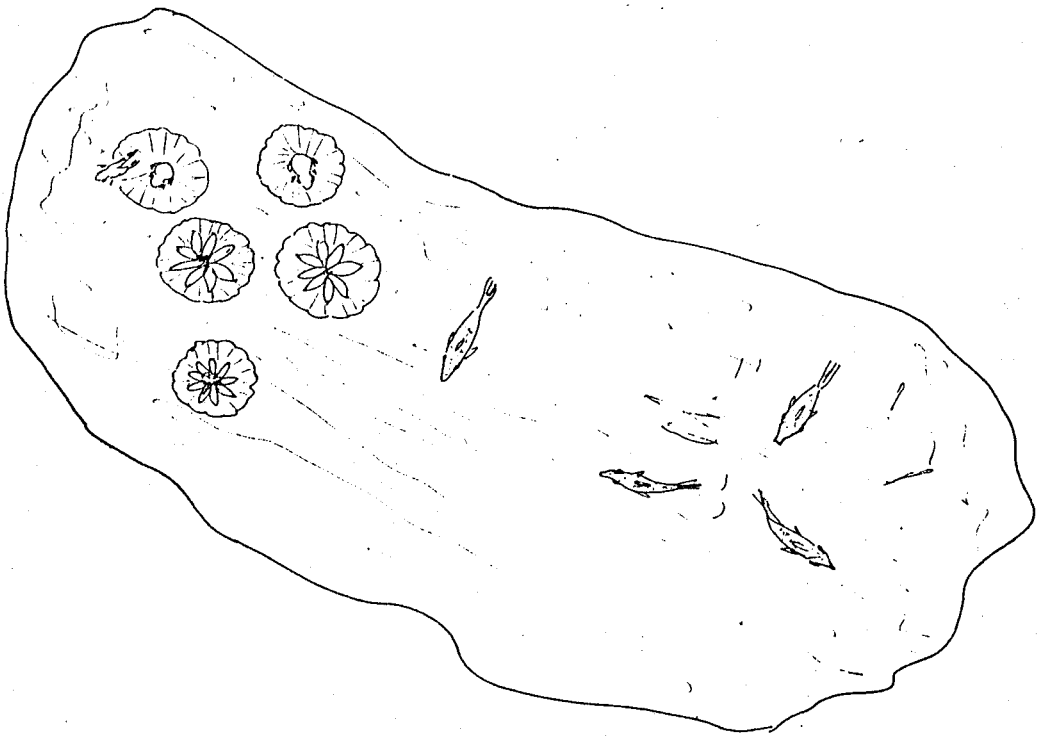

अरे वाह। मछलियां तो ऊपर से पतली सी लग रही थीं। क्या ये सचमुच वही नछलियां थी?

और वो घास तो पता नहीं कैसे दिख रही थी। कछुआ बगुलों को ये बताने ही जा रहा था कि उसे याद आ गया कि चुप रहना है।

वे और ऊपर उड़े। कछुए ने देखा कि कमल के फूल चौड़े-चौड़े से दिख रहे थे। और उनकी डंठलें तो नज़र ही नहीं आ रही थीं। मेंढक भी कुछ अलग लग रहे थे। वो फिर से बगुलों को ये सब बताने ही वाला था कि उसे फिर याद आ गया और उसने मुंह बंद रखा।

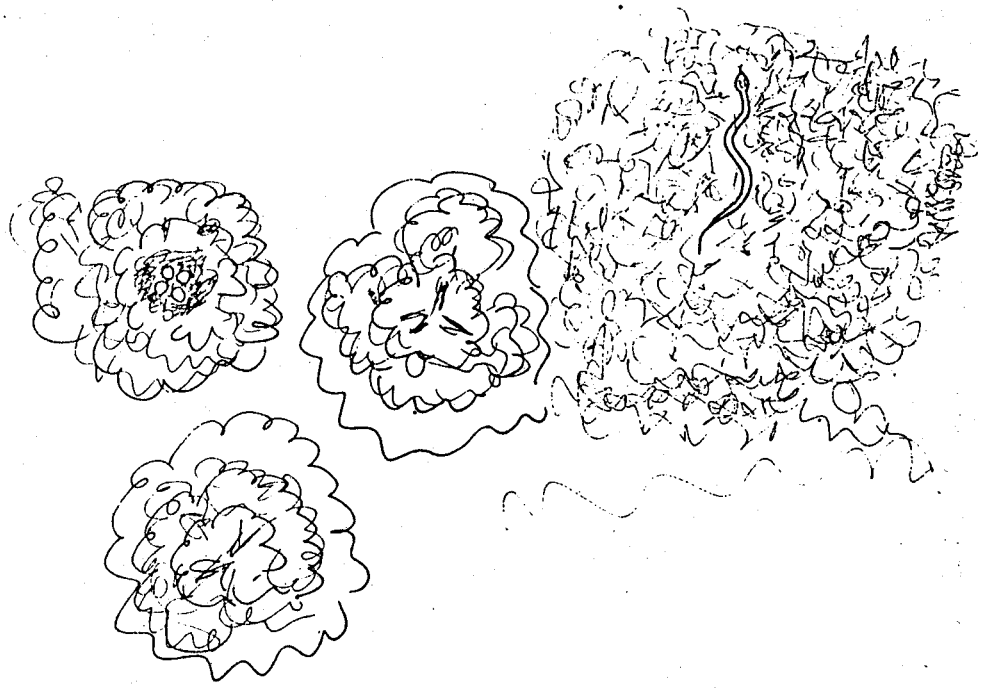

अब वे पेड़ों के ऊपर भी पहुंच गये। वहां से कछुए ने देखा कि वो बगुलों के घोंसलों के ऊपर से गुजर रहे थे। अब तो उसे अंडे भी दिख रहे थे जो पहले नहीं दिखते थे। पर पेड़ का तना तो नज़र ही नहीं आ रहा था।

अचानक उसने देखा कि सांप, जो लंबी घास में आसानी से दिखाई नहीं देता था, एकदम साफ-साफ नज़र आ रहा था। उससे रहा न गया।

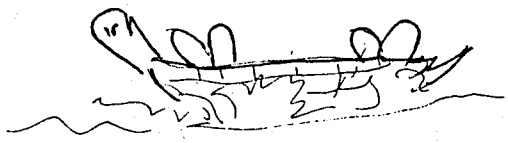

दैया रे!, वो चीखा। जैसे ही उसका मुंह खुला, लकड़ी छूट गई और कछुआ नीचे गिरा। छपाक! कछुआ पीठ के बल पानी में जा गिरा। उसकी कड़ी पीठ को ज़रा भी चोट नहीं आई। पर उसने देखा कि सब फिर से वैसे के वैसे ही दिख रहे थे।

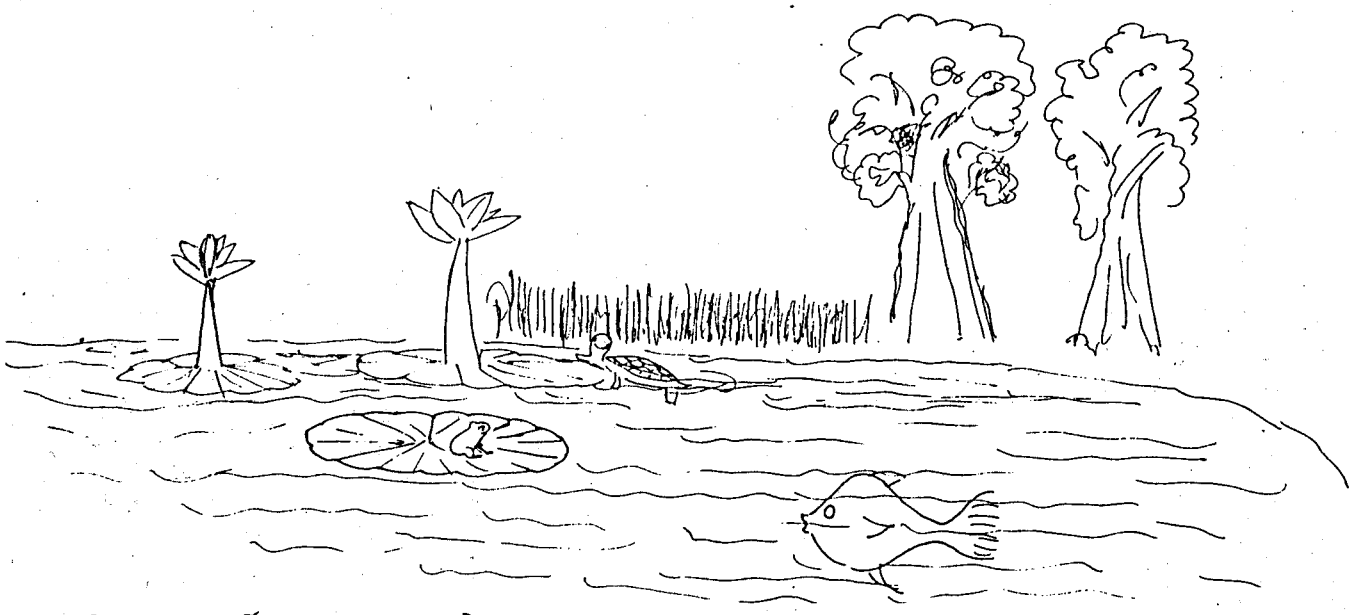

१. कछुए ने ऊपर उड़ते हुए क्या-क्या देखा?

२. इनमें से कौन सी चीजें ऐसी हैं जो उसे ऊपर से नही दिखतीं?

घास, डंठल, पानी, अंडे, तना, मेंढक, कमल

३. कौन सी चीजें ऊपर से नही दिख रहीं थी जो नीचे से दिखती हैं?

४. क्या कुछ ऐसा हो सकता है जिससे कछुआ उड़ भी ले और बात भी कर पाए?

५. कछुआ अगर तुम्हारे मोहल्ले के ऊपर से गुजरता तो तम्हारा घर उसे कैसा दिखता? तुम्हारा स्कूल कैसा दिखता? कापी में चित्र बनाओ।

६. कछुए की जगह अगर बगुलों के साथ मेंढक उड़ता तो उसका ध्यान किन चीजों पर जाता?

प्रयोग बत्तीसी

तुम्हारे मुंह में
आगे के दांत हैं, पीछे के दांत हैं
दांये के दांत हैं, बांये के दांत हैं।
इन पर अपनी जीभ फेरकर उन्हें पहचानो।

1. ज़ोर से बोलो "कोको" -- और देखो कि कोको कहते समय तुम्हारी जीभ ने आगे के दांतों को छुआ या नहीं? बार-बार बोलो और ध्यान से टटोल कर देखो।

अब बोलो "दांत " -- इस बार तुम्हारी जीभ आगे के दांतों के छुई या नहीं?

• बताओ, नीचे के कौन से शब्दों में जीभ दांतों को छूती है
उन पर गोला लगाओ--

दाढ़, मामा, दादा, तोता, भैया, दीदी, कंघा.

तार, थोड़ा, ओम, ओस, हाथ, खाद

• इन्हीं शब्दों को बिना दांतों को छुए बोलने की कोशिश करो। जो ऐसे बोलते बन जायें उन पर चौकोर बनाओ।

• ऐसे और शब्द बताओ जिनके बोलने में दांतों का उपयोग होता है।
यहां पर उनकी सूची बनाओ।

ये भी ढूंढो कि वर्णमाला में ऐसे कौन से अक्षर हैं जिनके बोलने में दातों का उपयोग होता है। सूची बनाओ।

2. **तुम्हारा प्रयोग**

- बिना दातों को काम में लाये रोटी खा कर देखो।
- सिर्फ पीछे के दांतों से जाम/गाजर/मूली **काट** कर देखो।
- जाम/गाजर/मूली को आगे के दांतों से **चबाकर** देखो।

क्या पता चला? हम **काटने** का काम कौन से दांतों से करते हैं?

हम **चबाने** का काम कौन से दांतों से करते हैं?

- गन्ना छीलने के लिए कौन से दांतों को काम में लाते हैं?

3. **कितने दांत?** तुम्हारे कितने दांत हैं? गिन कर देखो और नीचे लिखो। तुम्हारे साथियों और गुरूजी/बहनजी के भी कितने दांत हैं, उनसे पता करके तालिका में भरो।

दांतों की संख्या

मेरी	गुरूजी/बहनजी की	साथियों की 1	2	3	4

- सबसे ज्यादा दांत किसके हैं?
- क्या किसी के बत्तीस दांत हैं?

चाचाजी हमारे-2

नदी पहुंच कर चाचाजी
रोज चबाते दूब
कभी तैरते हाथ फैलाकर
कभी वो जाते डूब

जब आते थे घर पर वो
खोला करते छाते
छह गद्दों का छत के नीचे
ढेर बड़ा बिछाते।

छत पर चढ़ कर चाचा जी
कूदा करते खूब
फिर लंगड़ा कर चाचा जी
गाया करते खूब।

हमारे यहां के अख़बार ने ये खबर भेजी है-

/

खबर मिली है कि आज सुबह चाचाजी नाम से जाने वाले एक व्यक्ति का पैर टूट गया है। जब ये घटना घटी तब ये व्यक्ति अपने घर की छत से छलांग लगा रहे थे। ऐसा माना जाता है कि ये व्यक्ति काफी समय से ऊंचाई से कूदने का प्रयोग कर रहे हैं। कहा जाता जाता है कि वह रोज़ नदी नहाने जाते हैं, वहां वे दूब भी खाते हैं। वहां से आने के बाद यह प्रयोग करते हैं।

अपनी छत से कूदने के पहले चाचाजी छह गद्दों का एक ढेर ज़मीन पर जमाते है। फिर वह अपने दोनों हाथों में खुले हुए छाते रख कर छत से छलांग लगाते हैं। (देखिए चित्र)

लेकिन आज की दुर्घटना में उनके छाते उल्टे पलट गये और चाचाजी गद्दों पर गिरने की बजाय गैंदों की क्यारी में जा गिरे। दुर्घटना को देखने वालों के अनुसार चाचाजी अब कुछ दिनों तक लंगड़ा कर चलेंगे। फिलहाल वे अपना और दूसरों का दिल बहलाने के लिए गाना गाने के प्रयोग कर रहे हैं।

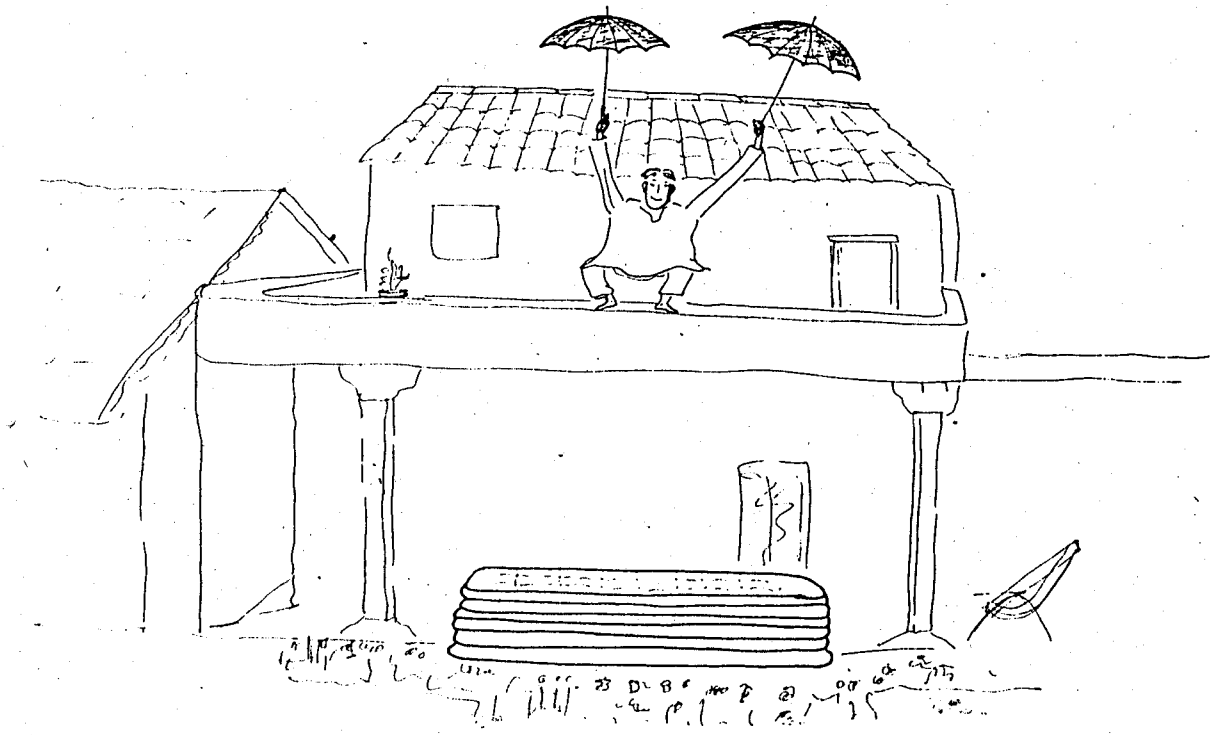

1. चाचाजी दिन के किस समय कूदने का प्रयोग करते थे?

2. कूदने के पहले चाचाजी क्या-क्या तैयारी करते थे?

3. चाचाजी छाते खोलकर ही क्यों कूदे?

4. तुमने कभी पैराशूट देखा है क्या ?

5. चाचाजी इतने सारे गद्दे क्यों जमाते थे?

6. इस बार क्या गड़बड़ हो गई? दुर्घटना का विवरण दो।

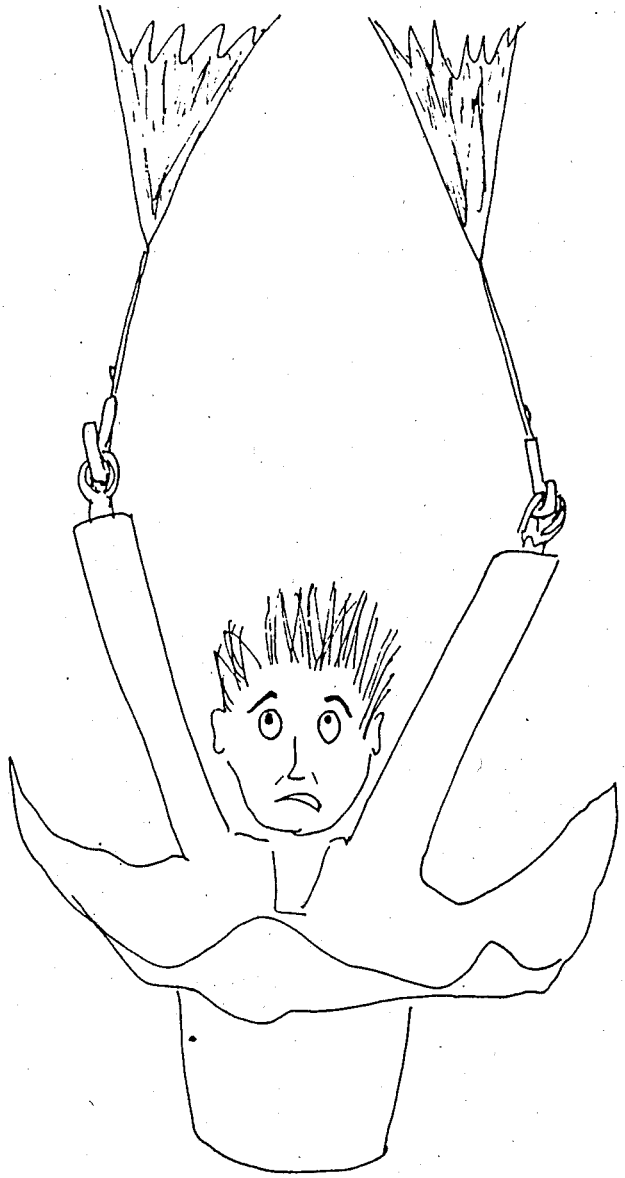

7. गैंदों की क्यारी का क्या हुआ होगा? चित्र बनाओ।

8. क्या तुम भी आसपास की घटनाओं की खबर लिख सकते हो? साथियों के साथ एक अखबार निकालो। सब मिलकर अलग-अलग कागज़ पर अपनी खबर लिखो और उन्हें दीवार पर टांगो। इससे पहले वाली कहानी की भी अखबारी रपट बनाओ।

9.. शीर्षक चुनो-

चाचाजी की कूद, चाचाजी के बनाए पैराशूट, चाचाजी की टांग, तैराक चाचाजी।

कौन तेज चलता है ?

एक दिन की बात है, दादाजी ने सुरता और गोरेलाल को कछुए और खरगोश की कहानी सुनाई। वही कहानी जिसमें दोनों की दौड़ होती है। खरगोश दौड़ के बीच में सो जाता है और कछुआ जीत जाता है।

पर गोरेलाल को ये कहानी जरा भी पसंद नही आई। उसने कहा भई वाह, ये भी कोई बात हुई। तेज तो खरगोश ही दौड़ता है न। उसको हरवा देने का क्या मतलब? दादाजी ने कहा - पर बेटा ये तो कहानी है। इसमें तो ऐसा हो सकता है ना?

सुरता ने भी कहा- पर असल में दौड़ होगी तो कौन जीतेगा, दादाजी। कछुए या खरगोश में से कौन तेज दौड़ता है? दादाजी- तेज तो खरगोश ही दौड़ता है। पर अब मैं तुम दोनों से कुछ सवाल पूछता हूं। बताओ कौन ज्यादा तेज होगा?

दादाजी को सुरता और गोरेलाल ने जो जवाब दिये होंगे उनपर ✓ (सही) का निशान लगाओ।

कौन तेज चलता है -

घोंघा या केंचुआ?

चीटा या टिड्डा?

तिलचट्टा या गिंजाई ?

चूहा या गिलहरी ?

मुर्गी या बत्तख ?

बिल्ली या कुत्ता ?

हाथी या गाय ?

कबूतर या मिट्ठू ?

भैंस या ऊंट ?

बैल या गधा?

गाय या सूअर ?

घोड़ा या कुत्ता ?

अब तुम भी ऐसे ढेर सारे सवाल बनाओ।

रुपये - पैसे

तुमने दुकान से सामान खरीदा ही होगा। क्या-क्या खरीदते हो?

जो-जो सामान तुमने खरीदा है उनके नाम कॉपी पर लिखो। किसी एक बार क्या खरीदा? क्या तुम्हें याद है कितना खरीदा था और कितने में? नामों के सामने जिन-जिन चीज़ों के बारे में याद है उसे कॉपी पर लिखो।

जब भी हम सामान खरीदते हैं तो दुकानदार को खरीदे सामान के बदले पैसे देते हैं। नीचे कुछ चित्र दिए गए हैं। इनमें वे नोट और सिक्के दिखाए गए हैं जो हम इस्तेमाल करते हैं।

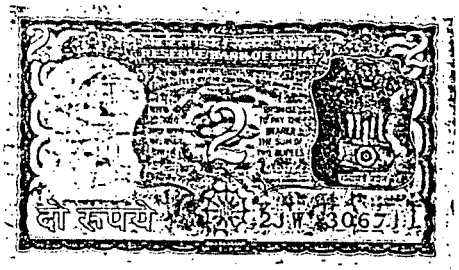

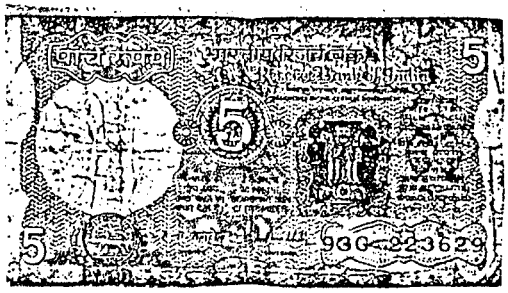

क्या तुम इन्हें पहचान सकते हो? हर नोट के चित्र में नोट के रंग से मिलता रंग भरो।
इनके अलावा कुछ और भी सिक्के और नोट होते हैं। इनके चित्र कापी में बताओ।

दुकानदार को पैसे देते समय हिसाब भी करना होता है। कितने पैसे उसको देने हैं, कितने का नोट या सिक्का तुमने दिया और कितने पैसे तुम्हें वापस मिलेंगे। अपनी खरीददारी के कुछ उदाहरण याद कर कापी में लिखो।

मैंने दुकान से नमक खरीदा था, उसके बारे में मैं लिख रहा हूं। इसी तरह तुम ने जो खरीदा है उसे लिखो।

सामान खरीदा - नमक
दुकानदार को देने थे - ६० पैसे
मैंने दिया - १ रु. का नोट
मुझे कितने पैसे वापस मिले - ४० पैसे

• १ रु.. में १०० पैसे होते हैं। २ रु. में कितने पैसे होंगे?

मेरे पास १ रु. ५० पैसे हैं। मेरे पास कुल कितने पैसे हैं?

५ रु. में कितने पैसे होते हैं?

इस तरह के और भी सवाल करो।

• एक केला ५० पैसे का है। दो रु. में मुझे कितने केले मिलेंगे?

५० पैसे में ५ पैसे की एक वाली कितनी गोली मिलेंगी?

ऐसे और भी सवाल बनाओ और करो।

• नीचे कुछ वाक्य उदाहरण के लिये दिये हैं। उन्हें ध्यान से पढ़ो।

१. मेरे पास बहुत सारे पैसे हैं।
तेरे पास कितने पैसे हैं?

२. पैसों का हिसाब कर लो।
१ रु. में १०० पैसे हैं।
५० पैसे के चार सिक्के यानी २०० पैसे।

पैसे शब्द का उपयोग दो तरह से होता है।

- <u>पैसे</u> यानी कुल कितने रु. और कितने (पैसे) और
- २ रु. में कितने (पैसे) होते हैं?

ऊपर के वाक्यों में से दोनों तरह के इस्तेमाल को ढूंढकर ◯ या उसके नीचे लाईन लगाओ।

एस्किमो

मैंने बर्फ के बारे में कई चीजें नीचे लिखी हैं। जो सही हों उन पर ✓ का निशान लगाना।-

- पीले रंग की होती है।
- ठंडी होती है।
- कुनकुनी होती है।
- सफेद होती है।
- चूरे सी रहती है।
- बड़ी सिल्लियों में रहती है।
- पिघलती नहीं है।
- पानी जमकर बर्फ बनता है।

यहां बर्फ के बारे में एक पैराग्राफ लिखो या उसका चित्र बनाओ।

. . . . . .

आओ तुम्हें एक ऐसे देश के बारे में बतायें जो पूरा का पूरा बर्फ से ढका हुआ है। सारी ज़मीन, नदी-नाले, तालाब, छोटी झाड़िया और घास, सब कुछ बर्फ से ढका हुआ है। वहां पर दूर दूर तक सब कुछ सफेद नज़र आता है। और ठंड इतनी कि सोचना ही मुश्किल. . .

पर ऐसी जगहों में भी लोग रहते हैं - जहां अनाज और सब्जी तक नहीं ऊगते, वहां खाने का इंतेज़ाम करते हैं; जहां सूत और ऊन तक नहीं मिलते, वहां कपड़ों का जुगाड़ करते हैं; जहां पतथर-मिट्टी तक नहीं मिलते, वहां घर बनाते हैं।

पर किधर है ये जगह? कौन हैं ये लोग ? और वे कैसे करते होंगे ये सब?

यह जगह है हमारे यहां से उत्तर की ओर, बहुत बहुत दूर । अगर हम एक साइकिल से उत्तर की ओर जायें और रोज़ १०० किलोमीटर चलें, तो वहां पहुंचने में हमें ८० दिन लगेंगे। और रास्ते में हमें हिमालय पर्वत पार करने पड़ेंगे, अफ्गानिस्तान और रूस पार करे पड़ेंगे। तब जाकर हम इस बर्फीले प्रदेश में पहुंचेंगे।

यहां पर रह रहे लोगों को एस्किमो कहते हैं, पर अब इन्हें इन्युइट के नाम से भी जाना जाने लगा है। ये एस्किमो ग्रीनलैंड, कैनडा और अलास्का नाम के इलाकों के उत्तरी हिस्सों में हैं।

साल के ज्यादातर समय ये इलाके बर्फ से ढके रहते हैं। यहां तक कि आस-पास के समुद्र में भी बर्फ तैरती हुई मिलती है। इस ठंड और बर्फ की वजह से यहां पर आम पौधे और फसल नहीं हो पाते। सिर्फ कुछ घास और काई ही हो पाती है। इसलिये एस्किमो लोगों को सब्जियां, अनाज या शक्कर जैसी चीज़े खाने को नहीं मिलतीं।

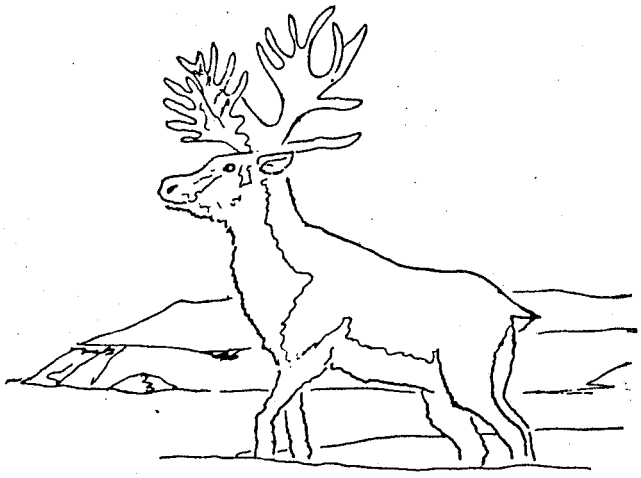

पर इस बर्फीले इलाके में ऐसे बहुत से प्राणीं होते हैं जिनका शिकार एस्किमो करते हैं, जैसे मछलियां, बत्तख, बर्फ में रहने वाला खरगोश और टारमिगन जैसी कुछ चिड़ियां, रेइनडीयर और कारीबू जो कि कुछ-कुछ सांभार और बारासिंगा जैसे दिखते हैं। इनके अलावा, यहां पर कुछ बड़े आकार के जानवर भी होते है, जो समुद्र में रहते हैं -- सील, वॉलरस और वेल।

सवाल ये उठता है कि ये जानवर भी क्या खा कर जिंदा रहते हैं? वैसे तो इन प्राणियों के खाने लायक कम ही चीजें होती हैं। खरगोश, रेइनडीयर और कारीबू खाते है बर्फ में कुछ-कुछ होने वाली घास, काई और कभी-कभार दिख जाने वाले छोटे पौधे। बत्तख और टारमिगन खाती हैं मक्खी, मकड़ी, मच्छर और मछलियां समुद्र में रहने वाले जीव खाते हैं समुद्री घास, पानी में रहने वाले छोटे-छोटे कीड़े और मछलियां।

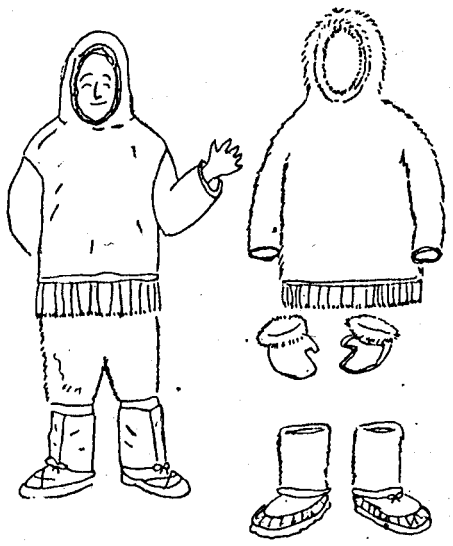

इन बर्फीली परिस्थितियों में ये जानवर एस्किमों के लिये खास रूप से उपयोगी होते हैं, क्योंकि इनसे मिलता है खाने के लिये मीट और जलाने के लिये चरबी। इनकी खालों से एस्किमो अपने लिये कपड़े भी बनाते हैं।

ठंड में रहने वाले इन जानवरों की खाल मोटी और ढेर सारे मुलायम बालों वाली होती हैं। जो उन्हें ठंड से बचाकर रखती हैं। इन बाल वाली खालों को फर कहा जाता है। जानवरों को मार एस्किमों इनकी फर वाली खालों से अपने लिये कपड़े बनाते हैं।

जब ज़्यादा ठंड होती है तो एस्किमो दोहरे कपड़े पहनते हैं। नीचे नरम खाल के कपड़े होते हैं और ऊपर फर वाली खाल के मोटे कपड़े।

कहानी बनाओ

खाली स्थान भरो और कहानी आगे बढ़ाओ -

एक बार एक साइकिल को एक ..... मिली। उसे देखकर साइकिल ने अपनी घंटी बजाई । ..... ओ ..... तू चलती कैसे है।

इस पर ..... ने कहा, मैं तो .... चलती हूं।

साइकिल को बड़ा अजीब लगा । अच्छा तुम .... चलती हो ? तभी वहां से एक ..... गुजरा । दोनों ने उसे आवाज दी, ओ ..... ओ ..... जरा रूको तो सही । इस पर ..... रूक गया । ये तो बताओ कि तुम कैसे चलते हो ?

इस पर ..... ने कहा, मैं तो ..... चलता हूं । ये सुनकर साइकिल और ..... को बड़ा अजीब लगा । .....

.....

.....

कागज के चित्र

देखो मैंने कुछ कागज को फाड़ा, कुछ को काटा, और बना दिये ऐसे कागज की चीजें। बिल्ली बनाने के लिये मैंने पहले एक बड़ा सा गोल काट लिया। फिर दो आंखें काटकर उसमें जमाई। इसके बाद एक और तरह का कागज लेकर मूंछें बनाई। अंत में नाक और कान काटकर जमाए।

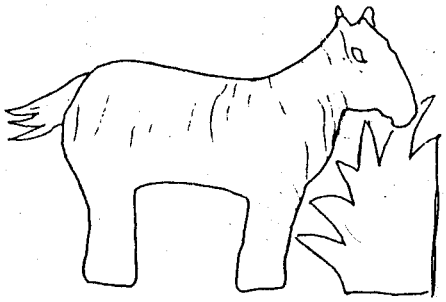

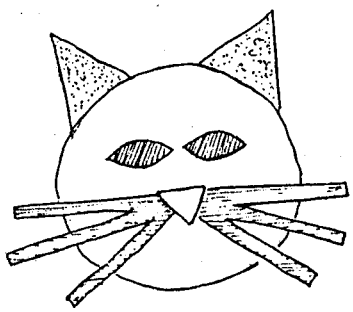

घोड़ा और झाड़ी भी इसी तरह बनाई। क्या तुमने तीसरी कक्षा में कागज काट/फाड़कर पायजामा बनाया था? फिर से पायजामा बनाओ। इसके बाद रद्दी कागज इकट्ठा करके और काट/फाड़कर बहुत सारी चीजें बनाओ। बनाकर उन्हें अपनी कॉपी में जरूर उतारना ।

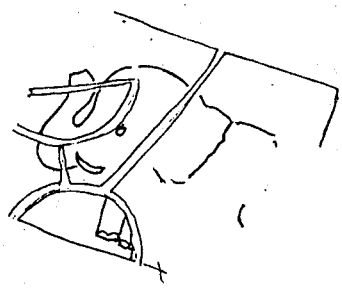

एक और खेल

पहले एक मज़ेदार सा रंगीन चित्र बनाया। फिर उसे इस तरह से टुकड़ों में काट दिया । इन टुकड़ों को अलग-अलग करो । अब इनको वापस जोड़कर पूरा चित्र बना सकते हो क्या ?

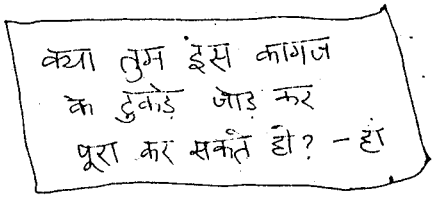

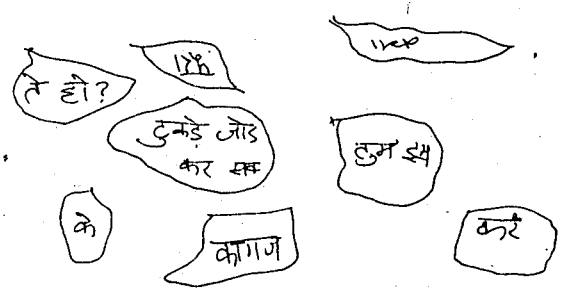

सदेश पहेली

एक कागज पर अपने साथी को एक सदेश लिखो । उसे मालूम न हो कि क्या लिखा है। फिर कागज को ४ - ५ टुकड़ों में फाड़ दो । अब देखो कि साथी टुकड़े जोड़कर सदेश पढ़ सकता है या नही ।

हल करो

३६ +४५	१८ +२६	३२ +३५	३८ +१४
३६ -२३	४७ -२४	२४ -१३	४७ -१३
३५ -१९	४३ -१८	१६ -८	३६ -२९
१३ ×८	१६ ×७	१२ ×४	२३ ×३

१३ + ३३ =

९ + १८ =

३३ + १४ =

२७ + १७ =

१८ + ९ =

१९ - १३ =

२८ - १६ =

मजेदार बात

१४ + ३३ =

३३ + १४ =

यानी ३३ पहले लिखो या १४
जोड़ने पर वही उत्तर आता है।
ऊपर के सवालों में क्या कोई और भी ऐसा उदाहरण है?
जोड़ के बाकी सवालों में, दी संख्याओं का भी क्रम उलटकर जोड़ो। क्या देखा?
यह जोड़ का एक गुण है।

क्या घटाते समय भी संख्याओं का क्रम उलटकर घटाने पर वही उत्तर आएगा?

सभी कुंओं में पड़ गई भांग,
बकते हैं सब ऊट पटांग

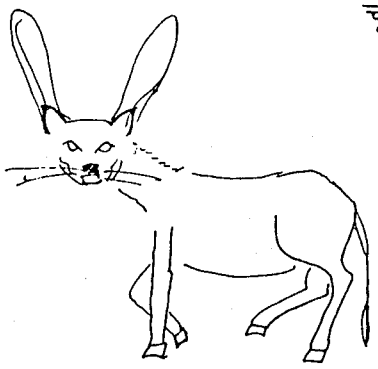

बिल्ली करती ढेंचू ढेंचू
गधा कर रहा म्याऊं म्याऊं
चूहा आगे बढ़ चिंघाड़े,
हाथी कहता मैं गुर्राऊं
कोयल बोले कुकडू कू कू
और गुटरगूं देता बांग
सभी कुओं में पड़ गई भांग
बकते हैं सब ऊट पटांग ।

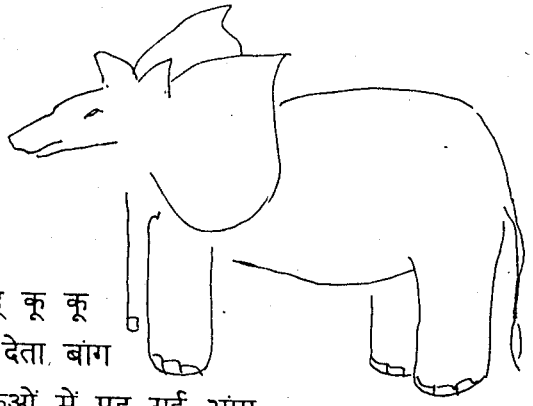

उमाकांत मालवीय

१- क्या इन जानवरों ने भांग पी है? तुम्हें कैसे मालूम हुआ?

२- बिल्ली क्या कर रही थी? और गधा? और चूहा? ये सब ऊटपटांग क्यों कहा जा रहा है?

३- इन सब ने भी भांग पी है, तो बताओ कौन क्या बक रहा होगा?

शेर, बकरी, मुर्गी, कुत्ता, मोर, कौआ, तोता, भैंस, गाय, बछड़ा और चींटी।

४- सही जोड़ी मिलाओ-(यदि जीवों ने भांग न पी हो तो कैसे बोलेंगे।)

१- कोयल	कूकडु कू करता है।
२- गधा	चीं चां करता है।
३- बिल्ली	कुहू कुहू करती है।
४- चूहा	ढेंचू ढेंचू करता है।
५- मुर्गा	म्यांऊ म्यांऊ करती है?

• **कौन क्या करेगा।** इन जानवरों के बोलने को क्या कहते हैं?

१- हाथी चिग्घाड़ता है।

२- शेर ..... है।

३- गाय ..... है।

४- चिड़िया ..... है।

५- गधा ..... है।

• *और शब्द लिखो -*

देना	देता	देते
मारना	मारता	मारते
नहाना	नहाता	नहाते
गुर्राना	.....	.....

• सभी कुंओं में नमक पड़ जाता तो क्या होता?

• **नई तरह की पहेली।** नीचे के चित्र में शेर गुफा में सो रहा है। चूहा वहां पहुंचकर उसके कान में ज़ोर से चिंघाड़ना चाहता है। उसके सामने तीन फीते हैं, जो एक दूसरे के ऊपर-नीचे होते हुए शेर की ओर जाते हैं। पर दो फीते बीच में कहीं कटे हुए हैं, केवल एक ही फीता पूरा का पूरा शेर तक पहुंचता है। कौन सा?

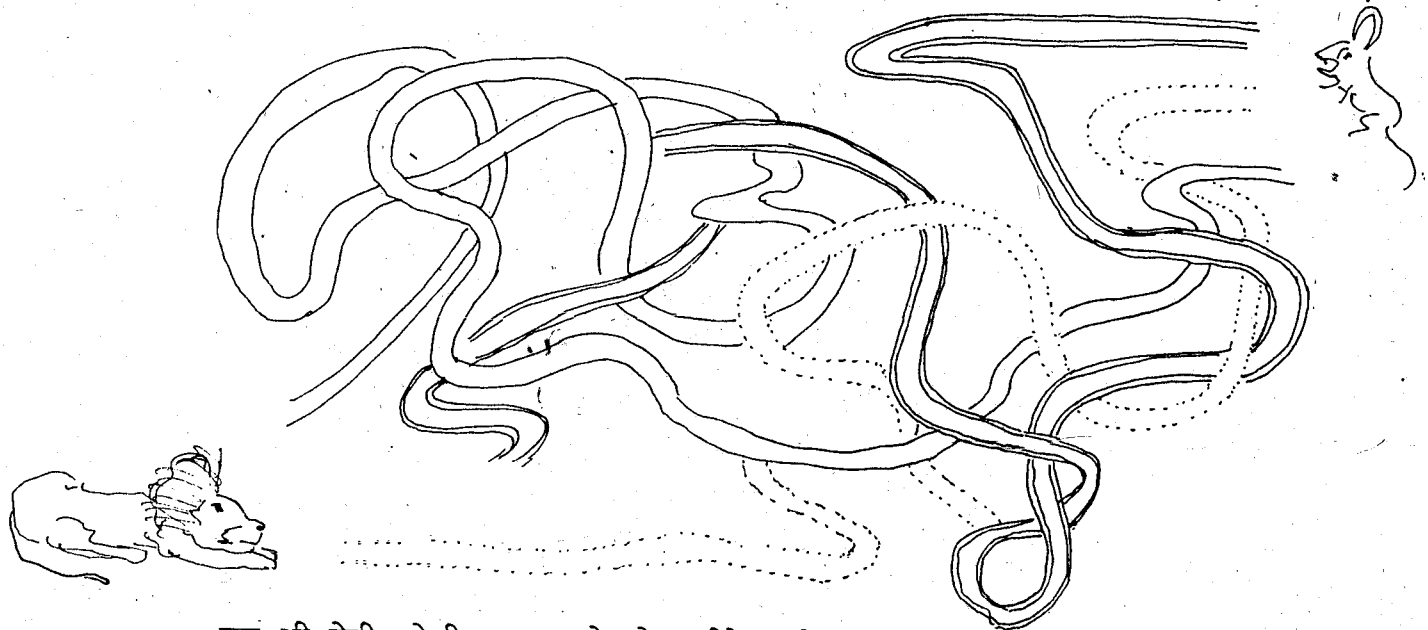

तुम भी ऐसी पहेली बना सकते हो। फीते, धागे, सुतली, रस्सी, पुराने कपड़े लेकर ऐसी और पहेलियां बनाओ, दोस्तों को बूझने को दो।

इबारती सवाल

1. लालू के पास ७ गोटियां थीं। श्याम के पास उससे दुगनी गोटियां थीं। पर लालू को ६ गोटियां और मिल गयीं। तो अब दोनों में से किसके पास ज्यादा गोटियां हैं?

2. एक होटल में ४ कुर्सियां और २ बैंचें हैं। १ बैंच पर ३ लोग बैठ सकते हैं। और कुर्सी पर सिर्फ एक। अब सवाल यह है कि इस होटल में एक ही समय पर अधिक से अधिक कितने लोग बैठ सकते हैं?

3. गोकुल के पास २ रूपये थे। उसने २५ पैसे की मीठी गोली, २५ पैसे के बेर, और ५० पैसे की रबर खरीदी। इसके बाद गोकुल के पास कितने पैसे बचे?

4. कल्लू के पास २ जोड़ी बैल, १० गायें, ६ बकरियां, २ कुत्ते और २ साईकिलें हैं। सोच के बताओ कि कल्लू के पास कितने जानवर हैं?

5. मेरे पास ३६ कंचे थे। अब मेरे पास पहले से १८ कंचे अधिक हैं। तो कितने कंचे हैं मेरे पास?

6. रामपुर के स्कूल में २५ बच्चे हैं। इनमें से ७ बच्चे तो रामपुर के ही हैं और बाकी आसपास के गांवों से आते हैं। तो बताओ आसपास के गांवों से कितने बच्चे आते हैं?

7. एक मधुमक्खी ने ४ सेमल और ५ टेसू के फूलों से रस लिया। उसके बाद वह छत्ते की ओर उड़ गई। मधुमक्खी ने कितने फूलों से रस लिया?

8. गुरूजी लाए रंगीन पेन्सिल के ५ डिब्बे। हर डिब्बे में ६ पेन्सिलें हैं। पेन्सिलें बच्चों को दी जानी है। कक्षा में १५ बच्चे हैं। अब पता ये करना है कि हरेक को कितनी-कितनी पेन्सिल मिलेंगी?

मेरे साथी

गोरेलाल

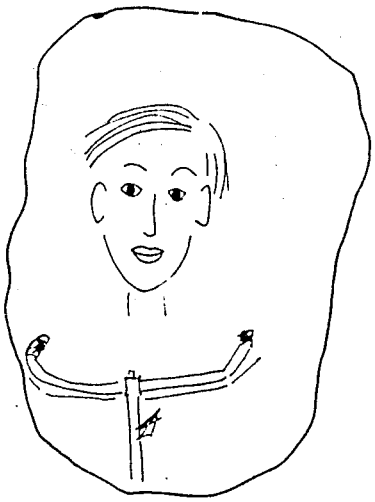

मेरे घर के सामने रहता है। पुराना साथी है।
एक बार इसके पैर में जोर की चोट लगी थी
तो तीन महीने तक लंगड़ाता रहा था। अब
ठीक हो गया है, सबकुछ खेल लेता है।
बड़ेभैया की साइकिल लेकर घूमता है।
हम लोग दिनभर साथ खेलते हैं,
लेकिन कभी-कभी
हम लड़ भी पड़ते हैं।

शीला दीदी

मुझसे थोड़ी बड़ी हैं।
इन्हें आलू बहुत पसंद हैं।
ये हारमोनियम भी अच्छा बजाती हैं।
इनके तीन छोटे भाई हैं। शाम के समय
ये उनको पढ़ाती हैं। और उनके साथ
खेलती भी हैं। शीला बहुत अच्छी तरह से
कविता बोलती हैं।

- *तुम भी अपने साथियों के चित्र बनाओ, और उनके बारे में लिखो।*

गुणा

१८	१५	१३	१२
×८	×११	×१७	×१४

११	१४	१२३	१७
×१५	×१२	×३	×१३

जोड़ो

३१५ + २४३ =

४३६ + ३५३ =

३५४ + ४३ =

५२ + ६३४ =

२६७ + ३२६ =

३४३ + ५८४ =

मजेदार बात

जोड़ में संख्याओं का क्रम आगे-पीछे कर देने से जोड़ नही बदलता। हम चाहें १८ पहले लिखें या ११,चाहे १८ ऊपर लिखें चाहें ११,पर १८ और ११ का जोड़ नही बदलता।

घटाने में ऐसा नही होता। संख्याओं का क्रम उलटने में गड़बड़ हो जाती है। उलटकर घटाने की कोशिश करके देखो। गुणा में क्या होता है? चलो देखें।

१२	और	१४
×१४		×१२

ऐसे और भी सवाल करके पता करो कि क्या हमेशा ऐसा ही होता है?

जैसे - ५ × ४ = और ४ × ५ =

क्या दोनों उत्तर बराबर आए?

नाप

कक्षा 2 और 3 में हमने बित्ते और अंगुल, कदम आदि से नपाई की है। इनसे नापने में एक परेशानी है। सभी के बित्ते या कदम बराबर नहीं होते। इस बात को अपने दोस्तों के साथ बित्ते मिला कर देख सकते हो।

सबसे लंबा बित्ता किसका है? ----------

सबसे छोटा बित्ता किसका है? नीचे नाम लिखो। ----------

• अलग-अलग लंबाई के बित्तों वाले लोग अगर एक ही चीज को नापें तो क्या नाप में कुछ अंतर आएगा? करके देखो।

एक ही लंबाई नापने में छोटे बित्तों की संख्या अधिक होगी या बड़े बित्तों की?

कपड़ा खरीदते समय या दर्जी को नाप देते समय तुमने देखा होगा कि ये बित्ते/अंगुल से नहीं नापते। इनके पास धातु या लकड़ी की छड़ होती है जिस पर निशान बने होते हैं। या फिर निशान वाला एक चौड़ा सा फीता होता है। अगर हो सके तो इन्हें जा कर देखो।

चलो हम भी निशान लगे पैमाने से नाप कर देखते हैं।

नीचे एक पैमाने का चित्र दिया गया है। इसमें लंबी लाईनें **सेंटी मीटर** इंगित करती हैं और छोटी लाईनें दिखाती हें **मिली मीटर**। आगे से हम सेंटी मीटर का पूरा नाम नहीं लिखकर सिर्फ **से.मी.** लिखेंगे। इसी तरह मिली मीटर को **मि.मी.** लिखेंगे। ठीक है?

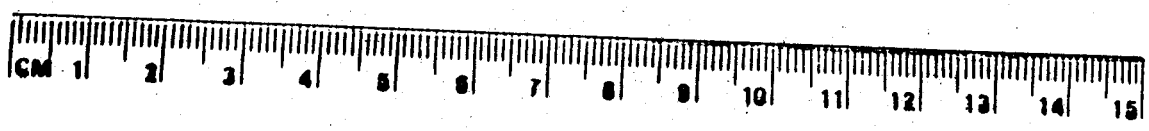

दो लंबी लाइनों के बीच कितने हिस्से हैं?

• 1 से.मी. और 2 से.मी. की लाईनों के बीच की दूरी को **10 बराबर भागों** में बांटा गया है। 10 भागों में बांटने के लिए 9 छोटी लाईनें खींची गई हैं। गिन कर जांचो।

1 से.मी. से 2 से.मी. दिखा रही लाईनों के बीच कितनी दूरी है?

इसी तरह 3 से.मी. से 4 से.मी. के बीच कितनी दूरी है?

यह दोनों दूरियां बराबर हैं और इस दूरी को 1 से.मी. कहते हैं।

• 2 से.मी. और 6 से.मी. बता रही लाईन के बीच कितनी दूरी है?

इसी तरह और निशानों के बीच की दूरी पता करो। इस पैमाने से छोटी दूरी, बड़ी दूरी, सभी नाप सकते हैं।

इस पैमाने में हर सें.मी. के 10 छोटे भाग हुए हैं। इस बात की जांच हम हिस्से गिन कर कर सकते हैं। **चूंकि 1 सेंमी. 10 मि.मी. के बराबर है, इसलिए इस पैमाने का हर छोटा भाग 1 मि.मी. है।**

• इस पैमाने का उपयोग करके हम से.मी. और मि.मी. में लंबाई/दूरी नाप सकते हैं। नापने के लिए पैमाने को उस चीज से सटाकर रख देते हैं, जिसे नापना है। (चित्र-2) दोनों सिरे कौन-कौन से निशान के करीब हैं यह बारी-बारी देख लेते हैं। दोनों निशानों के अंकों और छोटी लाईन को गिन लेते हैं। चित्र में पेंसिल के सिरों की स्थिति यह है -

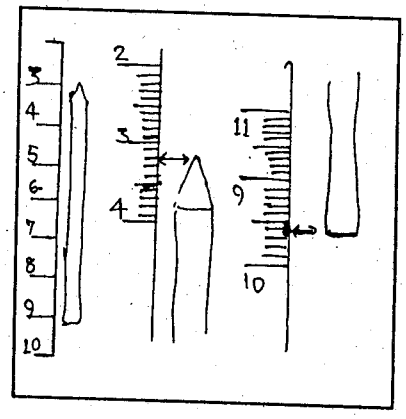

3 के बाद 2 छोटे निशान
और 9 के बाद 6 छोटे निशान

पेंसिल की लंबाई हुई 6 से.मी. और 4 छोटे निशान याने **6 से.मी. 4 मि.मी.।**

अगर एक निशान को शून्य पर रखते है तो दूसरे की स्थिति ही लंबाई बताती है।

नापने के लिए हम इन्हीं लाइनों का उपयोग करेंगे। लाइनों को हम 2 से.मी का निशान, 3 से.मी. का निशान, 4, 5, 6 से.मी. का निशान कहेंगे।

अपनी कॉपी, जेब, पेंसिल आदि या किन्हीं और चीजों की लंबाई नाप कर अभ्यास सकते हैं।
ऐसी बहुत सी चीजों को नापो।

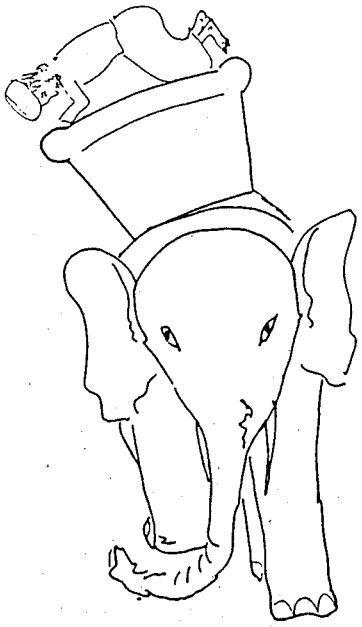

हौदा हाथी

हल्लम हल्लम हौदा हाथी चल्लम चल्लम,
हम बैठे हाथी पर हाथी हल्लम हल्लम ।
लंबी लंबी सूंड फटाफट फट्टर फट्टर
लंबे लंबे दांत खटाखट खट्टर खट्टर
भारी भारी मूंड मटकता झंमम झंमम
हल्लम हल्लम हौदा हाथी चल्लम चल्लम।
पर्वत जैसी देह थुलथुली थल्लम थल्लम,
हालर हालर देह हिले जब हाथी चल्लम,
खंबे जैसे पांव धपाधप पड़ते धंमम,
हल्लम हल्लम हौदा हाथी चल्लम चल्लम ।

डा.. श्रीप्रसाद

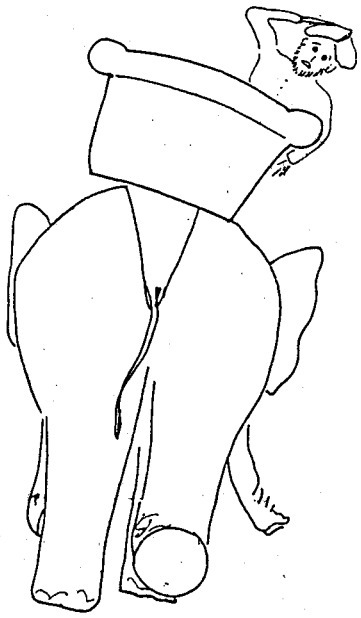

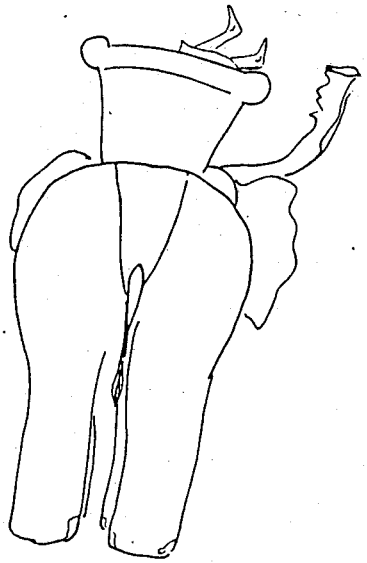

1. *क्या तुम्हें पता है-*

- बहुत सारे कीड़ों की पतली सी सूंड होती है।

- चींटी अपने जबड़ों (दांतों) से खुद के वजन की तुलना में कई गुना ज्यादा वजन उठा सकती है।

- अगर चूहे चीजें कुतर-कुतर कर अपने दांतो को घिसे नही तो २-३ फीट लंबे हो जाएं।

- हाथी से बड़े जानवर भी होते हैं। बड़ी मूंड़ वाले। खंबे जैसे पांव इन जानवरों के भी होते हैं।

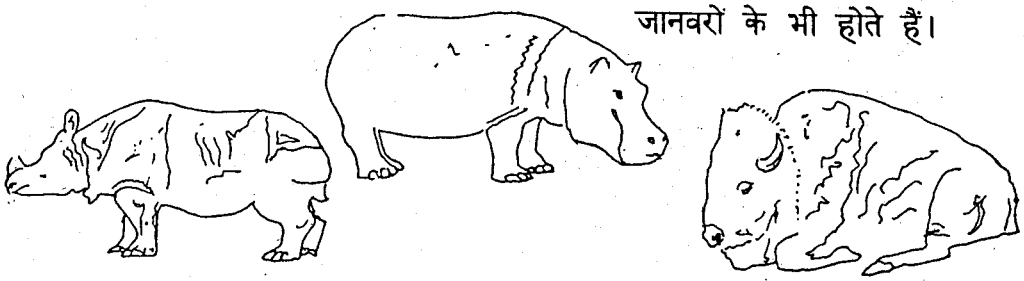

2. *तालिका पूरी करो और आगे जोड़ो।*

चल्लम	फट्टर	फटाफट
हल्लम	खट्टर	.....
.....	.....	.....

3. जांचों सही या गलत

- कविता में 22 शब्दों में **ह** आता है।
- चार लाइनों में **ह** आता ही नही है।
- कविता में आधे अक्षर वाले 22 शब्द हैं, जैसे- हल्लम।

4. नीचे मैने कुछ दो-दो शब्दों की जोड़ियां लिखी हैं।

हल्लू हाथी, लाल लट्टू, कारो कौआ .....

इन सब जोड़ियों में एक साथ में आने वाले दोनों शब्द एक ही अक्षर से शुरू होते हैं।

• *कविता में इस तरह के कितने शब्द होंगे जो साथ-साथ आते हैं और एक ही अक्षर से शुरू होते हैं?*

जैसे - हौदा हाथी। तीन-तीन या चार-चार शब्दों के झुण्ड भी हो सकते हैं।

तुम भी ऐसे और बनाओ। भीगा भालू, मरियल मुरगा, चूटकु चूहा वगैरह।

5. - हाथी के लिये महावत उपयोग करता है अंकुश का।

- तांगेवाला घोड़े के लिये उपयोग करता है ..... का।

- गधे ठेलने के लिये ..... काम में आता है।

- हल घेरने के लिये किसान ..... उपयोग करता है।

6. आज से सौ साल पहले लोग हाथी और घोड़े रखते थे। आजकल क्यों नही रखते होंगे?

7. एक हाथी और एक ऊंट दोनों अपनी-अपनी पीठ पर बोझा लिये चले जा रहे थे। हाथी ने थल्लम-थल्लम चलते हुए कहा - ऊंट भाई, मेरे पास तुमसे दुगना बोझा है। इस पर ऊंट ने कहा - पर इतना ज्यादा भी तो नही है हाथी दादा। अगर मैं तुमसे एक क्विंटल का ही बोझ ले लूं तो हम दोनों के पास बराबर बोझा हो जाएगा। तो बताओ दोनों के पास कितने-कितने क्विंटल का बोझा था?

कमाल कैलेन्डर का

एक दिन सकीना, अंजली और हरि बैठ कर बातें कर रहे थे। सकीना ने कहा - अगर ईद के दिन सोमवार हो तो कितना मजा आ जायेगा। सोमवार को बाज़ार लगता है - तो ईद का मेला और भी बड़ा मेला बन जायेगा।

अंजली ने कहा - हां, पर ईद के दिन सोमवार तो है ही।

पर हरि को ये ठीक नहीं लगा। उसने कहा - अरे, तुम्हें कैसे पता कि ईद को सोमवार ही होगा? अभी तो ईद में पूरे डेढ़ महीने बाकी हैं। सात दिनों में से कोई भी दिन हो सकता है।

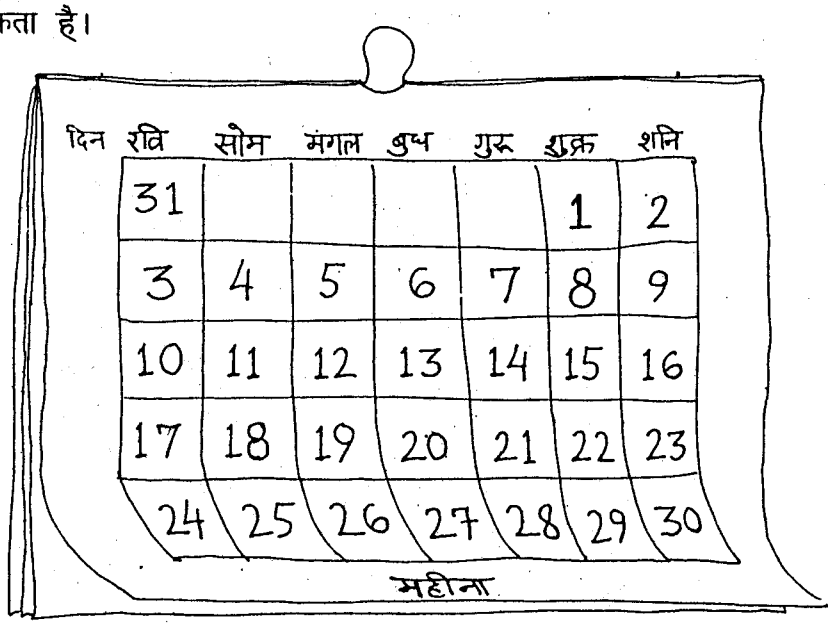

अंजली - नहीं, मुझे पक्का मालूम है।

हरि - हो ही नहीं सकता।

अंजली - अरे बाबा है ना! नहीं मानता तो चल, वो वीर सिंह बाबू के यहां देख आते हैं।

सकीना - उनके यहां कैसे?

अंजली - चलो तो सही, वहीं देख लेना।

तीनों पहुंचे वीर सिंह बाबू के घर और अपनी बातचीत सुनाई। वीर सिंह बाबू ने झट कैलेन्डर उठाया, अगला महीना निकाला और देख कर कहा - हां, इस साल ईद तो सोमवार को ही पड़ेगी।

अंजली - देखा मैंने क्या कहा था!

सकीना - पर आपको पता कैसे चला? हमें भी सिखाइये ना।

वीर सिंह बाबू ने उन्हें कैलेन्डर देखना सिखाया। फिर तो उन्हें कैलेन्डर में इतनी सारी चीजें मिलीं कि वो घंटे भर तक उसे देखते रहे और एक दूसरे से तरह-तरह के सवाल पूछते रहे।

तुम भी एक पंचाग या कैलेन्डर ढूंढ़ के लाओ। अगर उसे देखना नहीं आता तो बहनजी/गुरूजी से सीखो। फिर कैलेन्डर से ही इन सवालों के उत्तर खोजो -

- साल भर में कुल कितने **सोमवार** हैं? कितने **बुधवार** हैं? और कितने **इतवार** हैं? ज्यादा कौन है?

- इनके अलावा और कौन कौन से दिन हैं? हफ्ते के दिनों के नाम क्रम से लिखो।

- कितने महीनों में **३१** तारीख है, उन महीनों के नाम लिखो?

- जो महीना अभी चल रहा है, इसमें कौन सा दिन सबसे अधिक बार आता है?

- तुम्हारे कैलेन्डर में कितने त्यौहार हैं? जैसे - होली, ईद, बड़ा दिन, गुरू गोबिन्द सिंह जयन्ती, आदि।
  त्यौहारों की **तारीख**, **महीने** और **दिन** लिखो।

- किस महीने में सबसे ज्यादा इतवार हैं?

- सबसे कम दिन किस महीने में हैं?

- **अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर** और **दिसंबर** में कुल मिलाकर कितने दिन हैं?

- बाकी महीनों के नाम लिखो और बताओ उनमें कुल मिलाकर कितने दिन हैं?

- पूरे साल में कितने दिन हैं, कैलेन्डर से जोड़कर बताओ?

दांत

.क्या इस साल तुम्हारा कोई दांत गिरा है? गिरने के पहले क्या वो कुछ दिनों तक हिलता रहा? या दर्द हुआ?

फिर उस टूटे दांत का तुमने क्या किया? ऐसे ही फेंक दिया या उसके पहले कुछ और किया? सब को बताओ।

कुछ प्रयोग

1. क्या चिपका? लेकर आओ - थोड़ा सा गुड़/टाफी/गोली, रोटी का टुकड़ा और एक चाकू। चाकू से इन चीजों को काटो। थोड़ा हाथ संभाल कर। पहले रोटी के टुकड़े को काटो, बाद में बारी-बारी से बाकी चीजों को।

कौन सी चीजों के छोटे-छोटे टुकड़े हाथों से या छुरी से चिपक गये?

कौन सी चीज़ों से हाथ या चाकू चिपचिपे नहीं हुए?

2. क्या चिपचिपा हुआ? एक तश्तरी या प्लेट पर थोड़ी सी चाय रख कर सूखने दो। एक और प्लेट पर थोड़ी सी दाल का पानी सूखने दो। जब दोनों सूखे से हो जायें तो उन्हें छू कर देखो। इन में से कौन चिपचपी है?

- ऐसी चीजों के नाम बताओ जो खाने या पीने पर दांतों से चिपकती हैं। जैसे कि गुड़ ।
- गुड़ जैसी चीजें जब तुम्हारे दांतों पर चिपक जाती है तो उन्हें कैसे निकालते हो?

3. दांत पर परत सुबह सोकर उठने पर अपनी जीभ से दांतों को टटोलो। क्या तुम्हें दांतों पर एक हल्की सी परत महसूस हुई? दांत साफ करने के बाद फिर अपनी जीभ से टटोलो कि परत गई या नहीं।

रात को सोने के पहले मंजन करो। अगली सुबह देखो कि दांतों पर पहले जैसी परत जमी या नहीं।

कीड़े

हर एक कीड़े के नीचे उसका नाम लिखो। कौन से कीड़े किस वाक्य के साथ आएंगे, लाइन खींचो ।

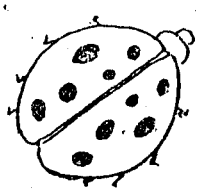

रात को कौन-कौन से कीड़े चमकते हैं ?

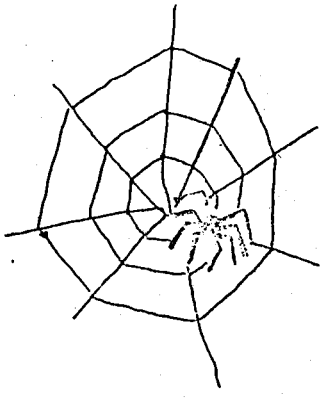

फूल का रस पीने कौन-कौन से कीड़े आते हैं ?

कौन-कौन से कीड़े जाला बनाते है ?

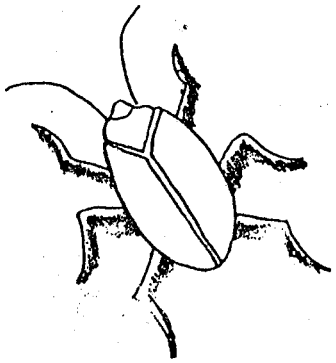

शक्कर खाने कौन-कौन से कीड़े आते हैं ?

कौन-कौन से कीड़े भन-भन करते फूल पर मंडराते हैं ?

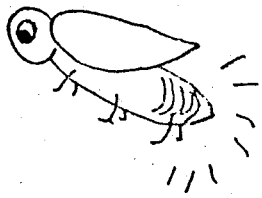

कौन-कौन से कीड़े खून पीते हैं ?

हरी पत्ती कौन कौन से कीड़े खाते हैं ?

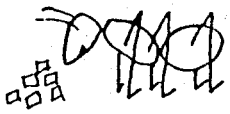

शहद कौन सा कीड़ा बनाता है ?

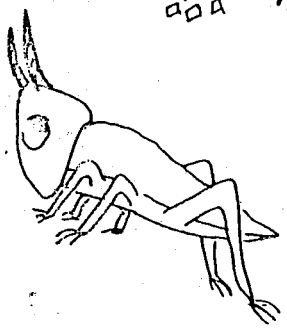

हरे रंग के कौन-कौनसे कीड़े उछलते और उड़ते हैं ?

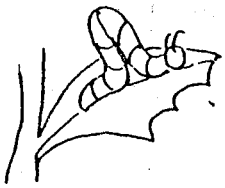

लाल रंग के मखमल जैसे कौन-कौन से कीड़े होते हैं ?

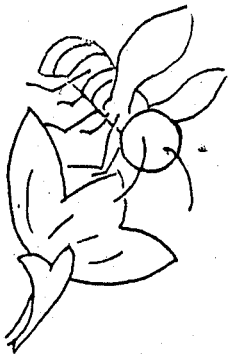

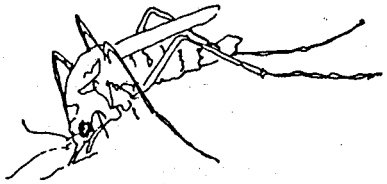

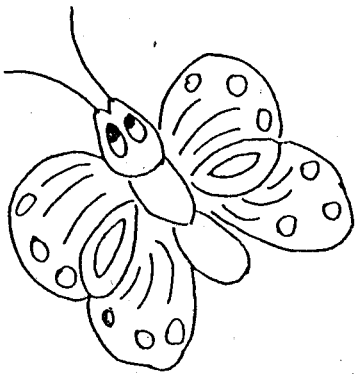

अंक पैटर्न

			खड़ी लाइन ↕				पड़ी लाइन ↔		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
२	४	६	८	१०	.....	.....	.....	.....	.....
३	६	९	१२	१५	१८	.....	.....	.....	.....
४	८	१२	१६	२०	२४	.....	.....	.....	.....
५	१०	१५	२०	२५	३०	.....	.....	.....	.....
६	१२	१८	२४	३०	३६	.....	.....	.....	.....
७	१४	२१	२८	३५	४२	.....	.....	.....	.....
८	१६	२४	३२	४०	४८	.....	.....	.....	.....
९	१८	२७	३६	४५	५४	.....	.....	.....	.....
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००

यह वही चार्ट है जिसे हमने पहले देखा था। खड़ी लाइनों में २ से १० तक संख्याओं से भाज्य संख्याएं क्रम से लिखी हैं। इस चार्ट में एक छोटा चौरस्ता बना है। चौरस्ते में ५ संख्याएं हैं।

- इस चौरस्ते के चारों छोरों पर लिखी संख्याओं को जोड़ो १८+२८+१४+२४ जोड़ कितना आया?

यहां लिखो .....

- इस जोड़ को चौरस्ते के बीच की संख्या यानी २१ से भाग दो।

क्या आया? यहां लिखो .....

इस चार्ट में ऐसे बहुत से चौरस्ते बनाए जा सकते हैं। और भी चौरस्ते बनाओ। हर चौरस्ते के सिरे के अंकों को जोड़ो और नीचे की संख्या से भाग दो। क्या आया?

- *मेरा दावा है कि हर बार एक ही जवाब आएगा। सही है या गलत?*

तिरछी बनी टूटी लाईन की संख्याओं को देखो।

इस लाईन पर ठीक ऊपर से नीचे और ठीक नीचे से ऊपर जाने पर एक सी संख्याएं मिलती हैं १०, १८, २४, २८, ३० . . . जांच कर देखो।

क्या ऐसी और भी लाईनें ढूंढ सकते हो जिन पर दोनों तरफ कोई क्रम हो? इन सब लाईनों की संख्याओं को क्रम से पट्टी व कॉपी पर उतारो। ऐसी और भी अलग-अलग लाईनें बनाओ।

एक और उदाहरण मैंने बना दिया है। इस पर क्रम से संख्याएं ३, ८, १५, २४, . . . लिखी हैं। इन संख्याओं में क्या कोई पैटर्न है? इस क्रम में अगली ३ संख्याएं क्या होंगी? क्या ऐसी और भी लाईनें हैं? खोजो तो इस चार्ट में ऐसे और भी बहुत पैटर्न मिलेंगे। अपने ढूढे पैटर्न को कॉपी पर उतारो।

एक और मज़ेदार बात

१०, २०, ३० . . . १०० वाली लाईन (यानी १० के पहाड़े) की संख्याएं २ से, ५ से और १० से तीनों से भाज्य हैं। जांच कर देख लो।

• ऐसी कौन सी खड़ी लाईन है जिस की संख्याएं २, ६ और ६ तीनों से भाज्य हैं? इसी तरह २, ४, और ८ से भाज्य संक्याओं वाली लाईन कौन सी हैं?

एक खेल

• ३० किस-किस से भाज्य है? चार्ट देख कर पता करो। ३० छटवीं और पांचवीं लाईन में है। ६ और ५ के अलावा ३० के कौन से भाजक हैं ?

• ३६ के कौन कौन से भाजक हैं?

और भी संख्याओं के भाजक ढूंढो। दोस्तों के साथ भाजक ढूंढो खेल खेलो।

यहां संख्याओं के सभी भाजक नहीं दिए गए हैं।
. ३०, ३६, ३२, ४५, २५ के सभी भाजक ढूढ़ो?.

आंधी

आंधी आई ताबड़ तोड़
दिये पहाड़ों के सिर फोड़
फेंके जड़ से पेड़ उखाड़
उखड़े कितने झाड़ी झाड़
पर तिनका था एक हंसोड़
बोला आ तू मुझको तोड़

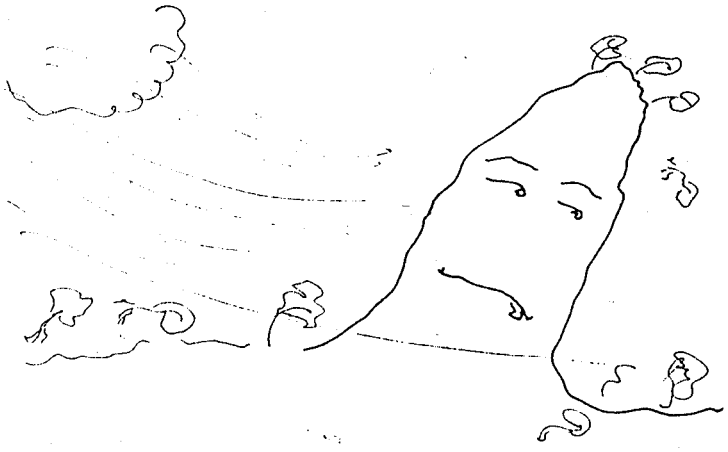

(निरंकारदेव सेवक)

1. क्या आंधी तिनके को तोड़ पाई होगी?

2. एक **प्रयोग** करके देखो-

एक खाली बोतल को लिटा दो। उसके मुंह में एक कागज़ की छोटी सी गोली रख दो- ऐसे। फिर जोर से फूंको ताकी कागज़ की गोली अंदर पहुंच जाए। क्या हुआ?

3. हवा किस ओर बह रही है कैसे पता कर सकते हो?

4. **पैराशूट**

एक पन्नी को खोल लो। उसमें से जितना बड़े से बड़ा चौकोर टुकड़ा काट सकते हो काट लो। अब, जैसे नाव बनाते समय जैसा कागज़ मोड़ते हैं वैसा चार परतों में मोड़ लो।

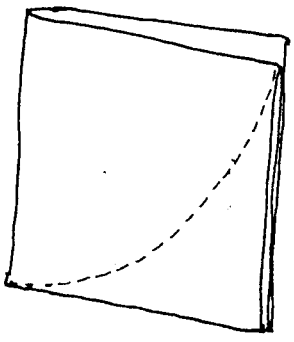

अब इस चौकोर कागज़ पर चित्र में बताए जैसे निशान लगा लो और उस निशान पर से काट लो। अब तुम इसे खोलोगे तो कागज़ गोल आकार में कटा मिलेगा।

अब इस गोल टुकड़े में समान दूरी पर चार छोटे-छोटे छेद करो।

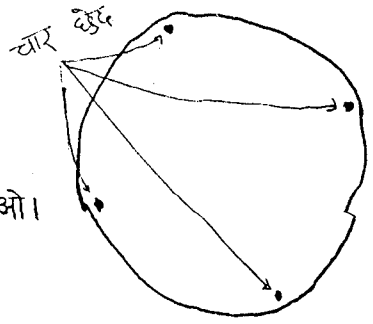

अब चार धागे लो। धागे पन्नी से डेढ़ गुना लंबे होना चाहिये। सभी धागे बराबर लंबाई के होना जरूरी है। चारों छेदों से एक-एक धागा बांध दो। निचले छोर पर चारों धागों को मिलाकर गांठ लगाओ।

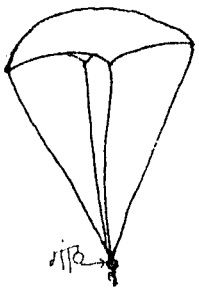

बांधने के पहले देख लो कि सारे धागे बराबर लंबाई के हैं या नहीं, हो सकता है कुछ धागों को काटना पड़े।

अब इसके नीचे लटकाना है "आदमी" यानी एक छोटा सा पत्थर। पत्थर को धागे से इस तरह से बांधो कि थोड़ा सा धागा बच जाये। इसको चारों धागों वाली गांठ से बांधो।

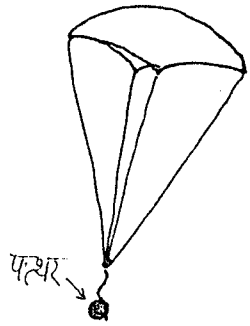

अब समय आ गया है इसे ऊपर फेंकने का। इसे ऊपर फेंकने के लिए पहले पन्नी के छतरी की तरह मोड़ो, जैसा कि चित्र में दिखाया गया है। अब पत्थर को इसके **नीचे** रखो और इस तरह उछालो कि पत्थर पन्नी के नीचे रहते हुए ही ऊपर तक जाये। अगर पत्थर पन्नी के ऊपर हो जायगा तो तुम्हारा पैराशूट खुलेगा नहीं। इसलिये थोड़ा संभाल कर भी रहना - कहीं पत्थर सीधे तुम्हारे सिर पर न आ गिरे!

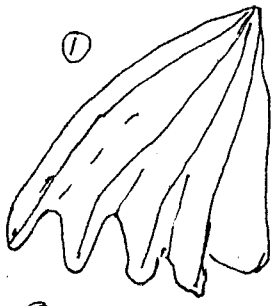

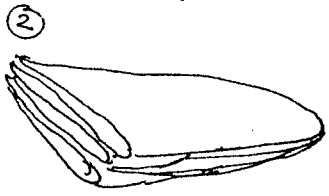

• पन्नी जितनी बड़ी होगी पैराशूट उतना ही बढ़िया बनेगा।

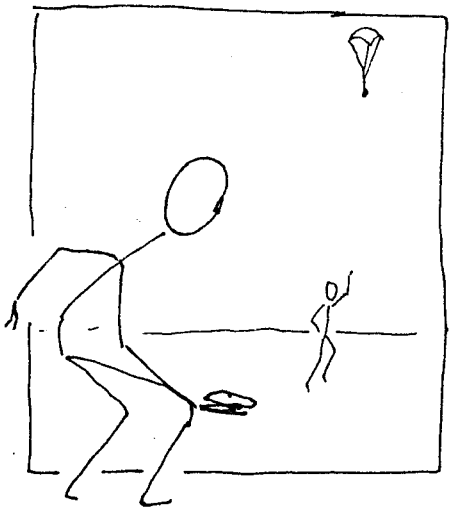

5. फुग्गे का राकेट

एक और प्रयोग कर के देखो। एक फुग्गे के फुलाओ। जब उसमें काफी सारी हवा भर जाये तो उसे अंगूठे और उंगलियों के बीच पकड़ो। फिर उसे छोड़ो। क्या हुआ?

इगलू

कितना मज़ेदार नाम है न, इगलू। सुन कर ही लगता है कि इगलू ज़रूर कोई अजीब सी चीज़ होगी। और वास्तव में वो है भी। इगलू होता है बर्फ की सिल्लियों से बना एक घर, और इसे बनाते हैं एस्किमो लोग।

वैसे तो जब ठंड कम होती है और बर्फ भी थोड़ी कम होती है तब एस्किमो चमड़ियों से बने तम्बू लगाकर रहते हैं। पर उन्हें जानवरों का शिकार करते-करते एक जगह से दूसरी जगह जाते रहना पड़ता है। और फिर बहुत सारे समय तो चारों ओर बर्फ ही बर्फ होती है। ऐसे समय में एस्किमो बनाते हैं अपने बर्फ के घर, इगलू। देखो ऐसा दिखता है इगलू।

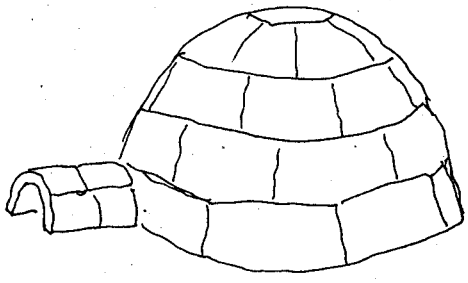

इगलू बनाने के लिये बर्फ को सिल्लियों में काटा जाता है। फिर उन्हें जमाते हैं, ताकि एक उल्टी कटोरी जैसा घर बने। देखो, ऐसे बनता है इगलू --

१. पहले बराबर-बराबर आकार की सिल्लियां काटी गई हैं।

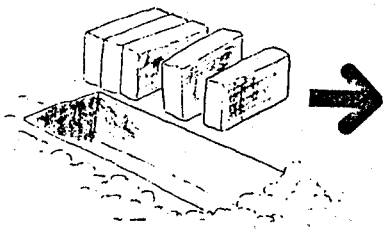

२. फिर उनकी किनारों को थोड़ा-थोड़ा टेढ़ा करके काटा गया, जिससे कि वे एक के बाजू एक जम कर एक गोला बना सकें।

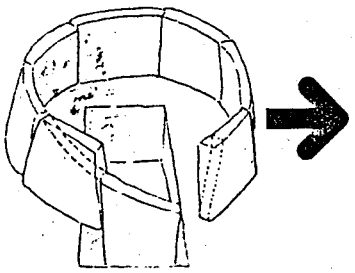

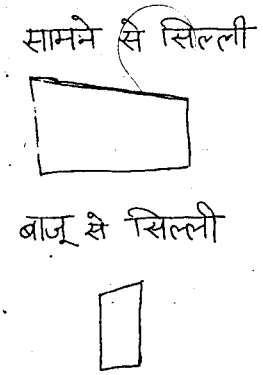

३. गोला धीरे-धीरे छोटा होता गया है और ऊपर बढ़ता गया है। जब तक कि सिर्फ एक अकेली सिल्ली की जगह न बच जाये।

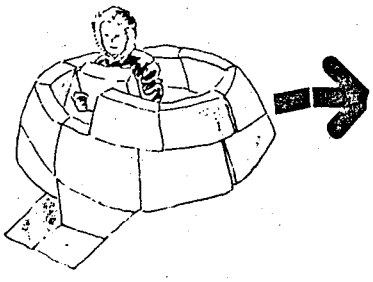

४. फिर आखिरी सिल्ली को सबसे ऊपर फिट किया गया।

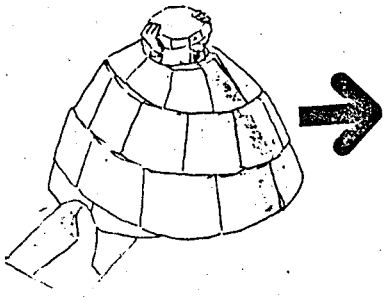

५. ऊपर एक छेद बनाया है ताकि हवा आ सके और एक फर वाली चमड़ी या लकड़ी का छोटा सा दरवाजा लगा दिया।
बस, हो गया इगलू तैयार।

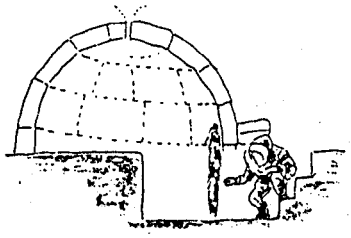

एक इगलू करीब १२ फीट चौड़ा होता है. और इसमें ५-६ लोग आराम से आ सकते हैं। और पता है एक अकेले आदमी को इसे बनाने में कितना समय लगता है -- २ घंटे! है न गज़ब की चीज़।

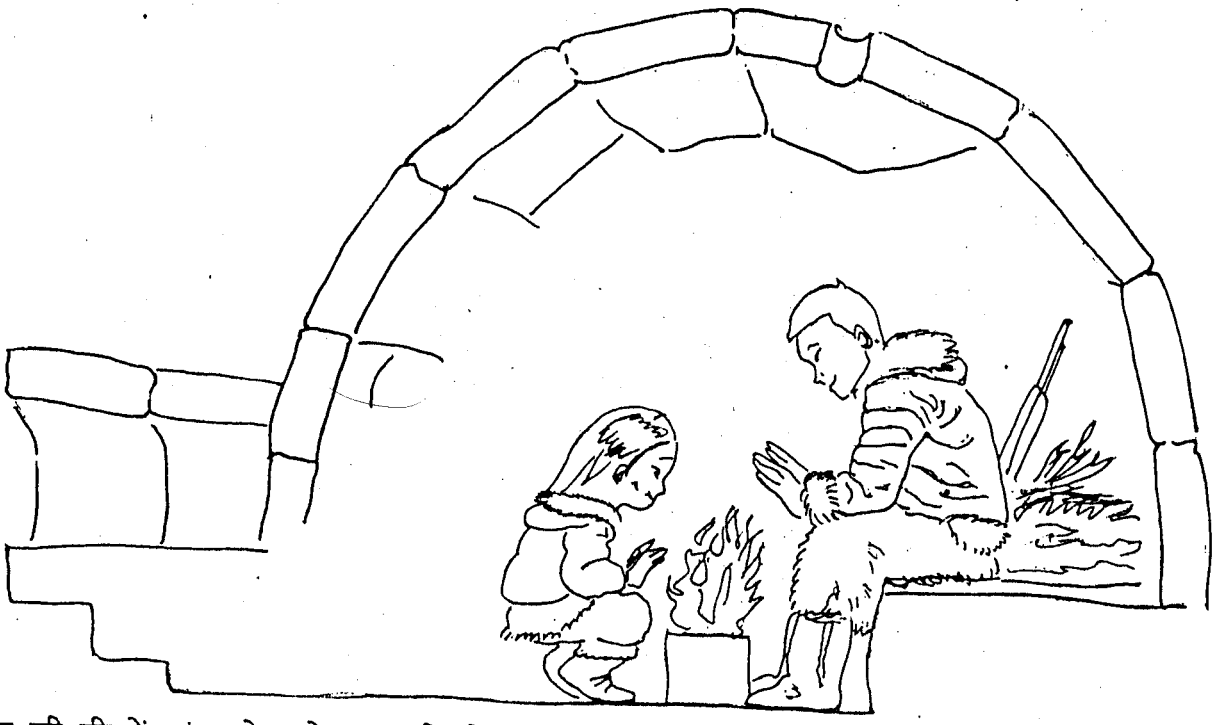

इगलू की दीवारें अंदर से छूने पर ठंड़ी तो लगती हैं, पर वे बाहर गिरती हुई बर्फ और ठंडी हवा को अंदर नहीं आने देतीं। इगलू के अंदर सील मछली की चरबी के तेल से आग जलाई जाती है, जिससे घर गरम रहता है। ज़मीन पर फर बिछे रहते हैं, ताकि नीचे से ठंड न लगे। यहां तक कि इगलू इतना गरम हो जाता है कि बच्चे अंदर फरों के बिस्तर पर बगैर गरम कपड़ों के सोते हैं।

---

१. तुम्हारे यहां का घर बनाने में किन-किन चीजों का इस्तेमाल करते हैं? सूची बनाओ।

२. तुम्हारे यहां के घर-

- ज्यादातर किस मौसम में घर बनाते हैं?

- दीवारें खड़ी करने के **पहले** क्या हो जाना जरूरी होता है?

- दीवारें खड़ी हो जाना के **बाद** और क्या-क्या किया जाता है?

- पूरा घर तैयार होने में कितना समय लगता है?

३. मैंने एक घर का नकशा बनाया है, और नीचे चार चित्र दिए गए हैं। इनमें से कौन सा चित्र इस घर का है?

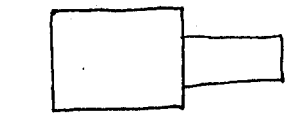

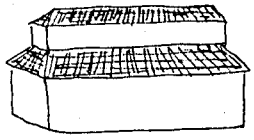

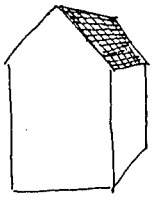

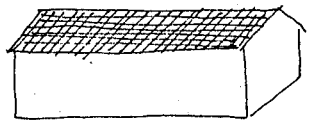

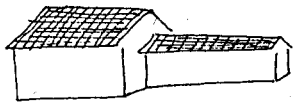

४. दौड़ीमल ने घर बनाने के लिये १००० ईटें बनाई। बारिश होने से ६६५ घुल गई। कितनी बची?

दौड़ीमल ने ४५० ईटें तो बना ली, पर अभी हजार ईटें पूरी नही हुई। तो बताओ १००० पूरी होने में कितनी बाकी हैं।

५. इगलू के चित्र को देखो। इसमें करीब कितनी सिल्लियां लगी होंगी?

६. इगलू में धुआं निकलने, तथा हवा आने के लिये एक छेद रहता है। तुम्हारे यहां धुआं कैसे निकलता है?

७. मिट्टी के चौकोरों से इगलू बनाओ।

स्कूल का नक्शा

टिल्लू मुन्नी ने अपने स्कूल का एक नक्शा बनाया है। पहले उन्होंने बहुत सारी बराबर-बराबर सीकें तोड़ लीं। फिर अपनी कक्षा की हर दीवार को कदमों से चल कर नापा। दीवार जितने कदमों की थी उतनी सीकें एक सीध में जमाकर रखी, यानी उन्होंने एक कदम के लिये एक सींक ली।

उनकी कक्षा का कमरा था १५ कदम लंबा और १२ कदम चौड़ा। देखो उन्होंने ज्यादा काड़ियां तो नहीं रख दीं?

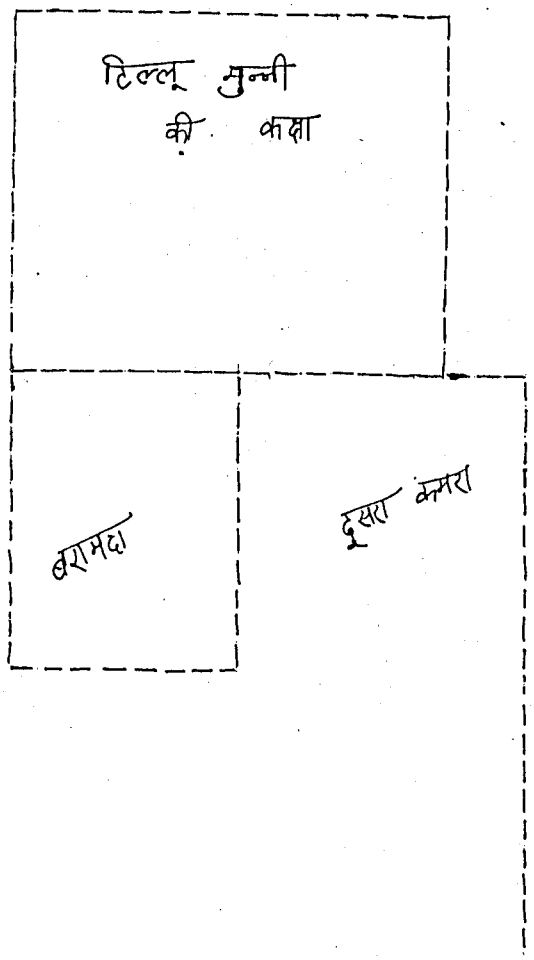

इसके बाद उन्होंने बाहर के बरामदे को नापा और अपने नक्शे में जोड़ा। बताओ बरामदा कितने कदम लंबा और चौड़ा है?

फिर उन्होंने दूसरे कमरे का नक्शा जोड़ा। इस कमरे की एक दीवार बरामदे और टिल्लू- मुन्नी की कक्षा से जुड़ी हुई है। दूसरी दीवार हमने बनाई है। बाकी दो दीवारें तुम जोड़ो। ये वाला कमरा २० कदम लंबा और १० कदम चौड़ा है।

अंत में उन्होंने नापा बरामदे से गेट तक का रास्ता और बागुड़ को।
इस तरह बना उनके स्कूल का नक्शा। अब तुम्हारी बारी है, अपने स्कूल का नक्शा बनाओ।

छिपी हुई चिट्ठी

ललिता ने संतू को एक चिट्ठी लिखी। उस चिट्ठी में एक सवाल था। संतू ने कहा कि वो उसका उत्तर कल लिख कर लायेगा।

अगले दिन संतू ने ललिता को एक कागज़ दिया और कहा - ये रहा तुम्हारे सवाल का उत्तर। सब ने देखा कि कागज़ तो कोरा था। लेकिन ललिता को कोई परेशानी नहीं हुई, उसने घर जाकर उस चिट्ठी को पढ़ लिया।

अब सब ललिता के पीछे पड़ गये, - हमें बताओ ना, तुमने क्या किया? हमें बताओ ना, तुमने क्या किया?

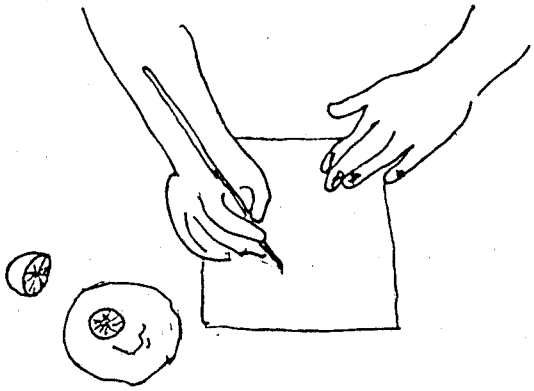

ललिता ने कहा - पहले संतू से तो पता करो।

तुमने क्या किया? सबने संतू से पूछा।

संतू ने बताया कि उसने ली थी एक कटोरी, एक ब्रश, एक नीबू और एक कागज़। उसने नीबू काटकर रस कटोरी में निकाल लिया। फिर ब्रश को नीबू के रस में डुबोकर कागज़ पर चित्र बनाया और लिखा भी। सूखने पर कागज़ कोरा दिख रहा था।

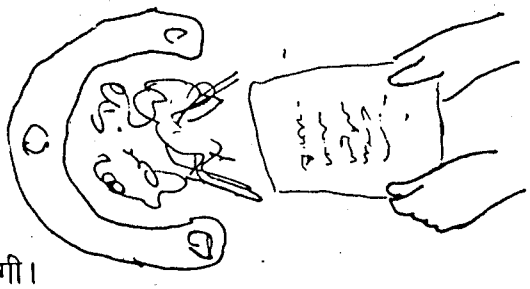

और ललिता?
आखिर दोपहर को ललिता ने उन्हें बताया -

ललिता ने कहा - मैंने? मैंने कागज़ को गरम किया, चिमनी पर। वैसे तो चूल्हे या बल्ब के करीब लाकर भी गरम किया जा सकता है। गरम होने पर कागज पर बना चित्र और लिखी चीज़ें दिखने लगी। नीबू के रस की जगह संतरे, प्याज और मूली के रस का उपयोग भी कर सकते हो।

एक और तरीका

सफेद मोम चॉक लो और उससे कागज़ पर चित्र बनाओ या लिखो। अब उसे पढ़ने के लिये कोई भी गाढ़ा होली का रंग पानी में घोलो। ब्रश से इस रंग को पूरे कागज पर लगाओ। ऐसा करते ही तुम्हारा छिपा संदेश चमचमाता हुआ दिखने लगेगा।

उल्टे इबारती

अभी तक हम इबारती सवालों को अंकों में बदलकर करते आए हैं। क्यों न इनका उलटा करके देखें? यानी अंकों को देखकर इबारती सवाल बनाएं। एक-दो सवाल यहां बने हैं। ऐसे तुम और बनाओ।

३५
+१३ भैंसदेही की प्राथमिक शाला में ३५ लड़के हैं और १३ लड़कियां। इस शाला में कुल कितने विद्धार्थी पढ़ते हैं?

यह तो एक ही सवाल बनाया है। मेरा दावा है कि तुम कम से कम ५ और ऐसे सवाल बना सकते हो। कोशिश करके देखो।

अच्छा, अब एक सवाल और देखें।

४८
-३३ मेरे पास ३३ कंचे थे। मैंने कुछ कंचे टीनू से जीते। मेरे पास अब ४८ कंचे हैं। मैंने टीनू से कितने कंचे जीते?

इस बार नए प्रकार के ८ और इबारती सवाल बनाने की कोशिश करो।

एक सवाल **गुणा** का भी देखें

१३
× ६ कक्षा के १३ बच्चों को रंगीन पेन्सिलों का उपयोग करना है। हर बच्चे के लिये ६ पेन्सिल चाहिए। तो कुल कितनी पेन्सिलें चाहिए?

किताब में दिये सभी अंकों वाले सवालों के लिये इबारती सवाल बनाओ। मेरा दावा है कि १० और इबारती सवाल तो बन ही सकते हैं।

होली

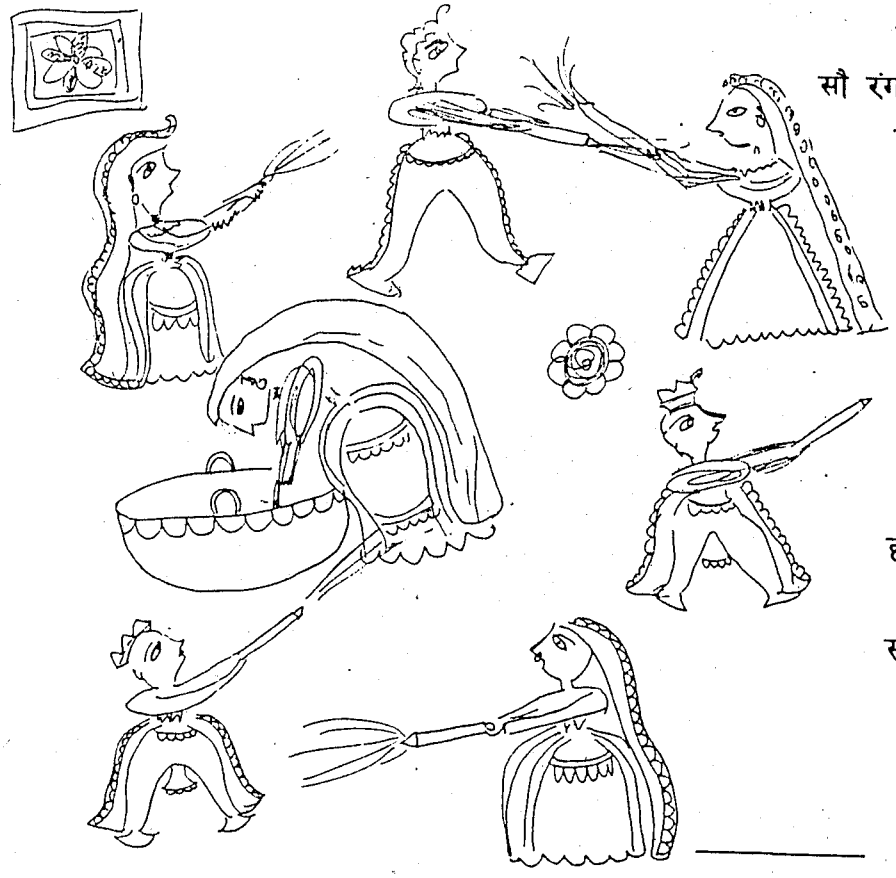

बाजार गली और कूचों में
जब शोर मचाया होली ने
सौ रंग भरे सौ रूप धरे
हर दिल को लुभाया होली ने ।

कुछ तबले खटके ताल बजी
कुछ ढोलक और मृदंग बजी
कुछ सारंगी और चंग बजी
कुछ तार तमूरों के झमके
कुछ घुंघरू खनके झनझन ।

हर दम नाचने गाने का
ये तार बंधाया होली ने ।
सौ रंग भरे सौ रूप धरे
हर दिल को लुभाया होली ने।

१- जो होली के समय **नहीं** दिखता उसपर गोला लगाओ।

रंग, पानी, पटाखा, पिचकारी, बताशे, राखी, बाल्टी,

डोले, गुलाल, ढोलक, मिठाई, झांकियां

२- कविता में कौन-कौन से बाजों की बात हुई है?

३- चर्चा करो

- क्या तुम्हें होली अच्छी लगती है? या बुरी लगती है ? क्यों ?

४- होली पर कौन से गीत गाए जाते हैं? ऐसे गीत दोस्तों के साथ गाओ और उन्हें कॉपी पर लिखो।

५- एक पिचकारी की कहानी बनाओ। वो कहां बनती है, किसने उसे खरीदा, उससे क्या किया, और होली के बाद उसका क्या हुआ?

६- ये अभ्यास तुम्हें दो-दो की टोलियों में करना पड़ेगा। होली के बारे में अपने मन में कोई तीन वाक्य सोचो। अब तुम ये वाक्य अपने साथी को बताओ। तुम्हारे साथी को ये वाक्य अपनी पट्टी में लिखने हैं। इसलिये अपने वाक्य धीरे-धीरे कहना। फिर देखो साथी ने ठीक लिखा या नहीं।

इसके बाद साथी अपने मन में कोई तीन वाक्य सोचकर तुम्हें बताये और अब तुम्हारी बारी होगी उन्हें लिखने की। लिखने के बाद साथी को बताओ, सही लिखा या नहीं।

७- होली का चित्र बनाओ। उस चित्र में जान बूझकर एक गड़बड़ चीज बनाओ। अपने साथियों को चित्र दिखाओ। क्या वे पता कर पाये कि तुमने क्या गड़बड़ की थी?

८- इस चिट्ठी को ध्यान से पढ़ो।

मेरी प्यारी दोस्त ,

आज हमने खूब होली खेली। सुबह उठते साथ ही हमने खूब सारा ..... घोला। फिर उसें ..... में भरकर रंग खेला। मैं पूरी तरह से ..... गई। भैया ने मेरे ऊपर खूब ..... फेंका। पता है मैं .... घंटों तक नहाती रही ।

तुम्हारी,
सल्लो

- चिट्ठी में खाली स्थानों को भरो।
- तुम भी एक ऐसी चिट्ठी अपने साथी को लिखकर बताओ कि तुमने होली के दिन क्या-क्या किया, क्या देखा।

९- नीचे के शब्दों मे से चुनकर खाली स्थान भरो और कविता पूरी करो।

इक दिन दादी मुझसे बोली,

देखो जल रही है होली।

कल खेलेंगे हम सब-----

और बजेगी खूब--------

घर-घर होंगे खूब-------

सब खाएंगे लाई--------

रंग, बताशे, तमाशे, मृदंग

● *सामने का पन्ना देखकर ये वाला अभ्यास करो –*

नीचे शिकारी पौधे के बारे में कुछ चीजें लिखी है। इनमें जो भी बातें तुम्हें ज्यादा ज़रूरी लगती हैं उन पर गोला लगाओ। जो बातें फालतू की लगती हैं उनको काट दो।

1. शिकारी पौधा हरे रंग का होता है।

2. शिकारी पौधा छोटे-छोटे कीड़ों का शिकार करता है।

3. शिकारी पौधा कीड़े दानी में कीड़ों को पकड़ता है।

4. शिकारी पौधा अच्छा लगता है।

5. शिकारी पौधा लाल रंग का होता है।

शिकारी पौधा

दुनिया में ऐसे पौधे भी होते हैं जो कीड़ों का शिकार करते हैं। जैसे चूहेदानी में चूहे बंद हो जाते हैं, वैसे ही इन पौधों की कीड़ेदानी में कीड़े फंस जाते हैं। देखो यहां पर वीनस कीड़ेदानी नाम के पौधे को --

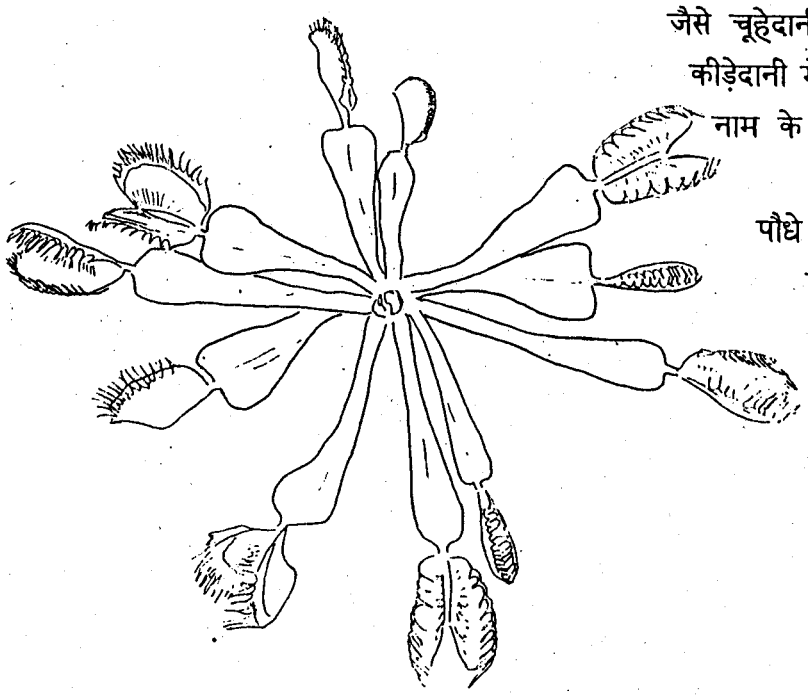

पौधे की हर पत्ती में दो जबड़े से हैं। इनके अंदर मीठा शहद सा पानी है, जिसकी लालच से कीड़े अंदर आते हैं।

रेडी. . . १. . . ये देखो नीचे एक मक्खी मीठा शहद खाने के लिये कीड़ेदानी पर उतरी। जबड़े अभी खुले है।

. . २ जैसे ही मक्खी अंदर घुसी कि जबड़े बंद हो जायेंगे।

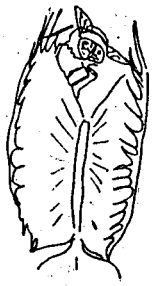

. . 3 जबड़े खट से बंद हो गयें और मक्खी फंस गई। अब ये कीड़ेदानी एक तरह का पेट बन गई है जो कि इस मक्खी को पचा लेगा।

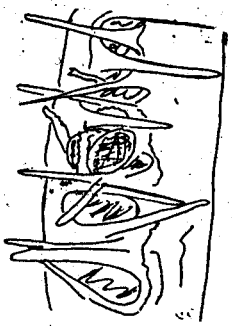

गज़ब की बात है!

भाग

भाग करना यानि हिस्से बांटना।

बहुत सारी चीजों के ढेर में से गिन-गन कर बराबर हिस्से करना। जैसे ३५ पेंसिलों को ७ बच्चों में बराबर-बराबर बांटना है, तो हम ३५ को ७ से भाग करेंगें।

इसको लिखते हैं

३५ ÷ ७ = ५

यानि हर बच्चे को ५-५ पेंसिलें मिली।

पर यह तो एक ही परिस्थिति हुई। चीजें बराबर बांटने के अलावा और किन-किन जगहों पर भाग करना पड़ सकता है? बच्चों को बराबर-बराबर सदस्यों वाली टीमों में बांटने के लिए भी भाग की आवश्यकता हो सकती है। और किस-किस तरह की परिस्थितयों में हम भाग का इस्तेमाल करते हैं? पता करो।

वैसे भाग के उपयोग कुछ और गतिविधियों से तुम्हारा परिचय आगे की कक्षाओं में होगा। जैसे प्रतिशत निकालना, ब्याज निकालना; औसत, पैसे से रूपये, मिनट से घटे, आदि।

चलो भाग के कुछ सवाल करके देखो,

१५ ÷ ३ =

१६ ÷ २ =

१८८ ÷ ४ =

१८ ÷ ९ =

३५ ÷ ५ =

१४४ ÷ ८ =

तुम ही इस तरह के और भी सवाल बना लो। खुद भी करो और अपने साथी से भी करवाओ। अपने हल दोस्तों के हल से मिलाकर देखो।

क्या दोनों के हल एक समान हैं? यदि नहीं, तो जांच करो की किसका सही है और क्यों?

चाचाजी हमारे-3

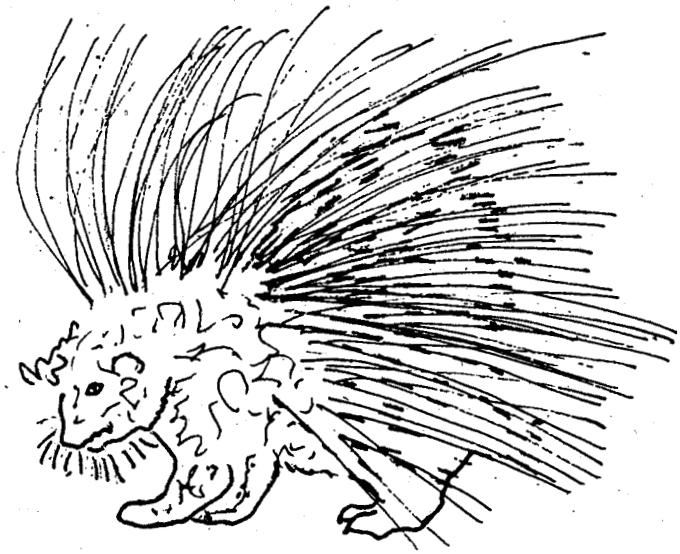

ढूंढ के लाते कुत्ते चिड़िया
जिन्हें लगी हो चोट
मलहम पट्टी करते उनकी
चाचाजी हर रोज़।

चाचाजी की डायरी का एक पन्ना

आज मुझे एक पिल्ला मिला। वह चितकबरा सा है, ज़्यादा बड़ा नहीं है पर शरीर से काफी तन्दरूस्त लगता है। उसके सिर पर लंबा काला सा निशान है और पूंछ एक दम झबरी है। लेकिन इस पिल्ले के बायें पैर पर एक बड़ी गहरी सी चोट है - अगर थोड़ी ज़्यादा गहरी होती तो हड्डी तक पहुंच जाती।

पहले मुझे लगा था कि ये चोट किसी कुत्ते से लड़ाई में लगी होगी लेकिन ध्यान से देखने पर लगा कि शायद ये कंटीले तार के काटे से लगी है। घाव गहरा और लंबा है, ज्यादा पुराना नहीं है, जिसकी वजह से उसे साफ करने में परेशानी नहीं हुई।

शाम को मुझे अचानक एक सेही मिली। आज पहली बार सेही देखी है इसलिये ऊपर उसका चित्र बनाया है। हुआ ये कि मैं अब्बू खां के बगीचे से डाक खाने वाली सड़क पर आ रहा था कि दो तीन कुत्ते एक झाड़ी पर जोर से भौंकते दिखाई दिये। देखा तो झाड़ी में एक सेही फसी हुई थी। कुत्ते भौंक ज़रूर रहे थे लेकिन उसके कांटों की वजह से पास जाने में घबराते थे।

बेचारी सेही की हालत काफी कमज़ोर सी थी। वो थोड़ी कांप भी रही थी। आज ही अब्बू खां ने अपने बगीचे में जहरीली दवा छिड़कवाई है। मुझे लगता है कि शायद सेही ने ज़हर वाली किसी चीज़ को खा लिया है।

पर सेही को वहां से लाया कैसे जाये? हाथ से तो उठा नहीं सकते। बड़ी मुश्किल से उसे एक लकड़ी के खोखे में बंद कर के लाया। यहां आकर सेही ने थोड़ा पानी पिया। मैंने उसकी जांच की और पानी में दवा मिला कर देने की कोशिश की। पहले तो उसने नहीं पिया, पर शायद प्यास ज़्यादा लगी थी, इसलिये थोड़ी देर बाद पी लिया। अब वो मेरे कमरे के एक कोने में आराम से सो रही है।

(क) क्या सही है छांटकर लिखो।

पिल्ले की पूंछ ..... है। *(काली, लाल, चितकबरी, झबरी)*

(ख) सेही झाड़ी में क्यों कमजोर लग रही थी?

(ग) सेही ने देने पर भी पानी पहले क्यों नही पिया?

(घ) कुत्ते सेही पर क्यों भौंक रहे थे?

(च) पिल्ले को चोट कैसे लगी?

(छ) कल की डायरी नीचे लिखो।

(ज) चाचाजी जानवरों को बचाने का प्रयास क्यों करते थे?

(झ) तुमने कभी घायल जीवों को देखा? क्या तुमने कुछ किया? नही किया तो क्यों नही?

बात-चीत

ननकू बहुत दिनों बाद अपने गांव आया। सोचा, चलो दादाजी से मिल आएं। ननकू जब दादाजी से मिला तो खूब बात हुई। हमने उन दोनों की बात यहां लिखी, पर बीच-बीच का कुछ हिस्सा छूट गया है जिसे तुम पूरा करो।

१- दादा जय राम जी की ।

२- जय राम जी की बेटे जय राम जी की। बड़े दिनों में दिखाई दिये। सब ठीक तो है ना।

१- हां दादा ठीक ठाक तो हैं। बीच में बहुत पढ़ाई आ गई थी।

२- अच्छा घर पर कैसे हैं सब लोग।

१- सब ठीक हैं। पिताजी के घुटने में थोड़ा दर्द है लेकिन इतना नहीं।

२- चलो शुकर है।

१- दादाजी हमने सुना है आपने एक नई भैंस ली है।

२- सुना तो सही है बेटा। पिछले सोमवार को ही तो लाया उसे।

१- ----------

२- वो ढोढरामोहार है ना वहीं से लाया।

१- अच्छा ----------

२- ज्यादा महंगी तो नही है। तीन हजार में ली है।

१- तो दादा ये ----------

२- अभी तो तीन-चार लीटर ही दे रही है। आगे देखो क्या होता है।

१- पिताजी पूछ रहे थे कि आप कब हमारे घर आयेंगे?
वैसे भी वो भूरी गाय बीमार है, चारा पानी नही ले रही ।

२-अरे ----------

१-यही कोई दो-तीन दिन से।

गोटी खेल

कौन सी गोटियां लाइन में हैं?

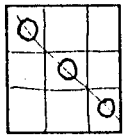

ये एक लाइन में हैं।

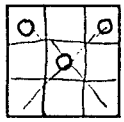

ये एक लाइन में नहीं हैं।

देखो एक मज़ेदार चीज़। इस चार्ट के खानों में मैंनो चार गोटियां रखी हैं। अब अगर तुम इस चार्ट के किसी भी खाने में एक और गोटी रखो तो देखोगे कि हर बार एक लाइन में तीन गोटियां आयेंगी। करके देखो। (गोटी की जगह कंकड़ ले सकते हो) हुआ कि नहीं?

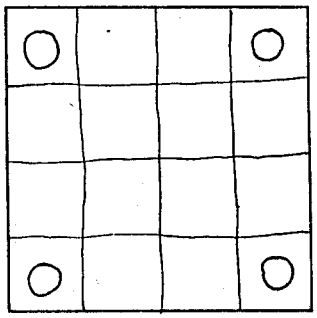

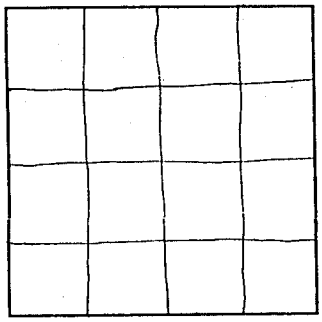

अब तुम्हारी बारी

यहां वाले चार्ट के खानों में चार गोटियां इस तरह रखो कि अगली गोटी रखते ही एक लाइन में ३ गोटियां हो जायें। शर्त ये है कि जो तरीका मैंने दिखाया है उसके अलावा कोई और तरीका ढूंढना है।

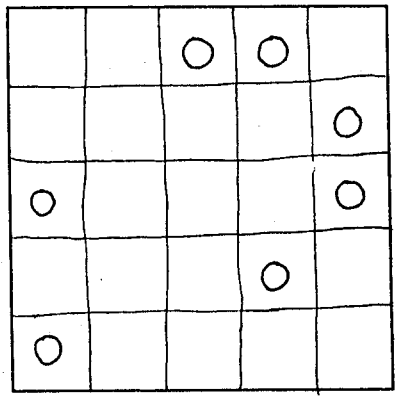

फिर मेरी बारी

गिनो इस चार्ट में कितने खाने हैं। कितनों में मैंने गोटियां रखीं हैं?

अब इस चार्ट में तीन गोटियां और रखो। इस तरह से रखो कि गोटियां रखने पर हर संभव लाइन में तीन से कम गोटियां ही हों।

इसके आगे

इसी चार्ट में चार और गोटियां रखनी हैं। क्या तुम उन्हें इस तरह से रख सकते हो कि किसी भी लाइन में तीन या तीन से अधिक गोटियां न हों?

चाहो तो तुम भी ऐसे और अभ्यास बना सकते हो।

अभ्यास

- *आगे बढ़ाओ और सब को पढ़कर सुनाओ।*

चाचाजी छाते लगाकर कूदे। अचानक जोर से हवा आई और उन्हें उड़ा कर ले गई। चाचाजी बादलों के भी ऊपर पहुंच गये। वहां पर उन्होंने देखा . . .

- *ध्यान से पढ़ो और छुपी हुई गलती पकड़ो -*

एक दिन शंकुली स्कूल पहुंची। वहां पर उसे नींद लगी। नींद में उसने सपना देखा। अचानक उसकी नींद खुली। नींद खुलते ही शंकुली स्कूल की ओर भागी।

- नीचे की बात को तगड़ू शेर कैसे पढ़ेगा, वैसे पढ़कर बताओ।

ये नीचे किसकी छाया है? ज़रा बाहर आ
कर तो बताओ। नीचे क्यों छिपे बैठे हो?

अब इसी बात को डरपोक सियार कहां कहेगा? वैसे पढ़कर बताओ।
और खोजी लड़की कैसे पढ़कर बतायेगी?

- आंधी पर कविता का सही वाला सार छांटो -

1. आंधी की पहाड़ों से दोस्ती है और तिनकों से दुश्मनी है।

2. आंधी पहाड़ और पेड़ों से टक्कर ले सकती है लेकिन एक तिनके को नहीं हरा सकती।

3. आंधी को उछलने कूदने में बहुत मजा आता है और वो तिनके को लेकर दूर-दूर तक उड़ने जाती है।

- *ऐसा सार बाकी कहानियों के लिए भी लिखो।*

एक कछुए को घूम कर चीज़ें देखने का शौक था। बगुलों को देख उसे उड़ने की सूझी। एक लकड़ी को मुंह से पकड़ कछुआ लटक गया और बगुले उसे ले उड़े। कछुए ने देखा कि उपर से दुनिया अलग ही दिखती है। हर चीज़ कुछ नई तरह की। यह सब देख कछुआ कई बार बोलना चाहता था, पर चुप रहा। सांप देख लेकिन उससे रहा नहीं गया। वह चिल्ला पड़ा और नीचे आ गिरा। नीचे आने पर सब कुछ पहले जैसा था।

शब्दों का खजाना

अखबार- रोज की घटनाओं का विवरण देने वाला पेपर। जिसे समाचार-पत्र भी कहते हैं।

आर्चर फिश- निशाने बाज मछली।

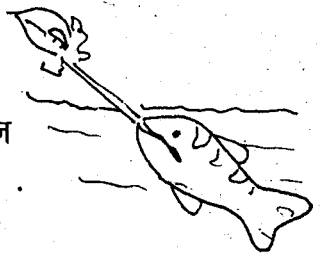

इगलू- बर्फ से बने एस्किमो के घर को इगलू कहते हैं।

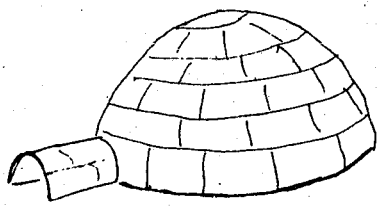

गुणनफल- दो संख्याओं के गुणा करने पर प्राप्त संख्या को गुणनफल कहते हैं।

पांसा-

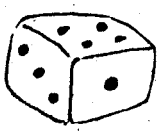

पैमाना- निश्चित दूरी दिखाने वाली चपटी छड़ जिसके आधार पर नापा जाता है। जैसे- स्केल, इंची टेप।

पैराग्राफ- एक विषय के बारे में कुछ लाइनों का समूह।

सामने के पन्ने में वो शब्द लिखो जो तुम्हें मज़ेदार या मुश्किल लगें। चित्र भी बनाओ

पैराशूट-

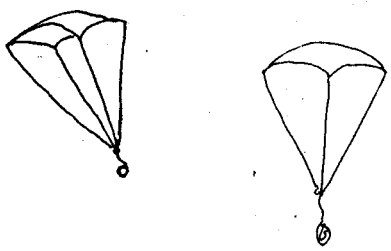

फर- जानवरों की बाल वाली खाल।

बहेलिया- जाल फैलाकर पक्षी पकड़ने/बेचने वाला।

मलेरिया- मच्छरों के काटने से आने वाला बुखार जिसमें ठंड भी लगती है।

मृदंग-

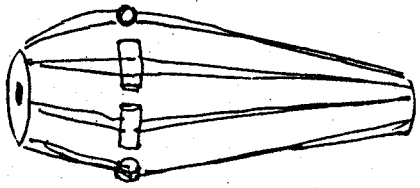

तनजीर-

रपट- किसी बातचीत या घटना को समझकर उसके बारे में लिखना।

वर्ग- ऐसा चौकोर जिसकी चारों लाइनें एक बराबर हों।

संगमरमर- एक तरह का सफेद पत्थर जिससे मूर्तियां भी बनती हैं।

हारमोनियम-